नई दिल्ली । शनिवार , 11 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :95 । मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल यह मौके गंवाने का दिन था, बीजेके कप ...
@ विचार आस्था का बाज़ारीकरण: वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु
@ व्यापार मध्यपूर्व में तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार में तेजी

ईमानदारी से हो बातचीत तो अमेरिका तैयार, धोखा बर्दाश्त नहीं

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शुक्रवार को ईरान के साथ सीजफायर वार्ता के लिए पाकिस्तान रवाना हो गए। रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि अगर ईरान ईमानदारी से बातचीत करता है, तो अमेरिका 'खुले दिल से' आगे बढ़ने को तैयार है, लेकिन किसी भी तरह के धोखे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जॉइंट बेस एंड्रयूज से इस्लामाबाद के लिए रवाना होने से पहले वेंस ने कहा, 'हम बातचीत को लेकर आशान्वित हैं। मुझे लगता है कि यह सकारात्मक रहेगी।

उन्होंने कहा कि अमेरिका का रुख इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान कितनी रचनात्मकता के साथ वार्ता में शामिल होता है। उन्होंने अपने बयान को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देशों के अनुरूप बताया।

वेंस ने कहा, 'जैसा कि राष्ट्रपति ने कहा है, अगर ईरान ईमानदारी से बातचीत के लिए तैयार है, तो हम भी सकारात्मक पहल के लिए तैयार हैं। लेकिन अगर वे हमें 'खेलने' की कोशिश करेंगे, तो हमारी वार्ता टीम उतनी सहज नहीं होगी। उन्होंने बताया कि प्रशासन एक स्पष्ट रणनीति के साथ बातचीत में शामिल हो रहा है और सकारात्मक परिणाम की उम्मीद कर रहा है।

हालांकि, पाकिस्तान दौरे का विस्तृत कार्यक्रम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे यात्रा के कई पहलू स्पष्ट नहीं हैं।

यह वार्ता ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते का युद्धविराम लागू है। वेंस के बयान से स्पष्ट है कि अमेरिका एक स ा थ संवाद और दबाव-दोनों रणनीतियों पर काम कर रहा है।

भारत भी इस घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए है, क्योंकि खाड़ी क्षेत्र की स्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। अमेरिका-ईरान वार्ता में किसी भी तरह की प्रगति या विफलता का असर तेल की कीमतों और क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों पर पड़ सकता है।

बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच पहले भी कई बार बातचीत की कोशिशें हुई हैं, लेकिन आपसी अविश्वास और रणनीतिक मतभेदों के कारण ठोस नतीजे नहीं निकल पाए हैं। मौजूदा वार्ता को भी इसी दिशा में एक अहम परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

ईरान ने लेबनान में युद्धविराम और संपत्तियों को अनफ्रीज़ करने की मांग की

तेहरान । ईरान ने शुक्रवार को कहा कि उसकी अवरुद्ध संपत्तियों को जारी किया जाना चाहिए और लेबनान में युद्धविराम लागू होना चाहिए, तभी शांति वार्ता आगे बढ़ सकती है। इस बयान से पाकिस्तान में शनिवार को प्रस्तावित वार्ता पर आखिरी समय में संशय पैदा हो गया है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर क़ालिबाफ ने 'एक्स' पर कहा कि इन दोनों उपायों पर पहले अमेरिका के साथ सहमति बन चुकी थी। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक इन शर्तों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक वार्ता शुरू नहीं होगी।

पश्चिम बंगाल चुनाव : भाजपा के 'भरोसा पत्र' में 15 बड़े वादे

यूसीसी, महिलाओं को 3 हजार और युवाओं को रोजगार

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने शुक्रवार को अपने घोषणापत्र में 15 बड़े वादे किए हैं, जिनके जरिए पार्टी ने सुरक्षा, रोजगार, महिलाओं और किसानों समेत हर वर्ग को केंद्र में रखने की कोशिश की है। पार्टी ने घोषणापत्र को 'भरोसा पत्र' कहा है। भाजपा ने अपने संकल्पों में सबसे पहले घुसपैठ पर सख्ती से रोक लगाने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने का वादा किया है। साथ ही पार्टी ने पिछले 15 वर्षों में टीएमसी शासन के दौरान भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर 'श्वेत पत्र' जारी करने की बात कही है। सिंडिकेट राज और 'कट मनी' संस्कृति को खत्म करने का

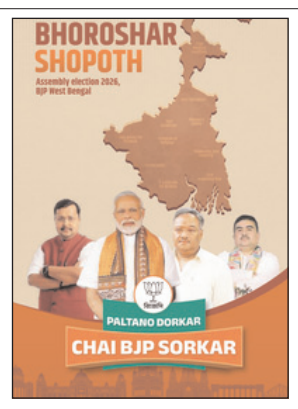

भी भरोसा दिया गया है। सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ता सुनिश्चित करने और सातवें वेतन आयोग को लागू करने का वादा किया गया है। युवाओं के लिए अगले पांच वर्षों में एक करोड़ रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने की बात कही गई है। साथ ही बेरोजगार युवाओं को 3,000 रुपए की आर्थिक सहायता देने का वादा भी शामिल है। महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं भी प्रस्तावित हैं। पेज 2

5 मई के बाद बदल जाएगा बंगाल:अमित शाह

मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर के देबरा में शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सभा में पहुंचे लोगों से अपील की कि आप लोगों को 23 अप्रैल को मतदान करना है और कमल के निशान का बटन दबाना है।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी 'मां, माटी और मानुष' के नारे के साथ सत्ता में आईं। हालांकि, उन्होंने हमारे युवाओं को बेरोजगार छोड़ दिया है, महिलाओं पर अनेक अत्याचार किए हैं और किसानों का जीवन कठिन बना दिया है। प्रशासन की रिश्वतखोरी और गिरोह संचालन की वजह से पूरा बंगाल राज्य पीड़ित है। ममता बनर्जी ने हमारे युवाओं को बेरोजगार किया, लाठियां भांजी, बहनों पर अत्याचार किया, किसानों को परेशान किया और अब कटमनी और सिंडिकेट से पूरे बंगाल को परेशान कर रही हैं। पेज 2

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

इलाहाबाद । इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा सीधे राष्ट्रपति को भेज दिया है। बता दें कि यह फैसला तब आया है जब उनके खिलाफ संसद में महाभियोग की प्रक्रिया चल रही थी। दरअसल, यह पूरा मामला पिछले साल मार्च का है, जब दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर अचानक आग लगने की खबर आई थी। लेकिन असली कहानी तब शुरू हुई जब वहां से भारी मात्रा में अधजली नकदी (कैश) बरामद होने के दावे किए गए। 14 मार्च उनके घर से भारी मात्रा में नकदी मिलने के बाद उन पर गंभीर आरोप लगे। अगस्त 2025 में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 146 सांसदों के हस्ताक्षर वाले महाभियोग प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी थी। इस मामले की तह तक जाने के लिए 3-सदस्यीय जांच समिति बनाई गई थी, जो फिलहाल अपनी रिपोर्ट तैयार कर रही है। पेज 2

दुर्ग में 5 साल की बच्ची बोरे में मिली

संवाददाता ■ दुर्ग-भिलाई

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में 5 साल की एक मासूम बच्ची बोरे में बंद मिली। कुएं के किनारे ग्रामीणों ने अचानक बोरी को हिलते डूलते देखा तो थाने में सूचना दी। बोरी खोलकर देखा गया तो बच्ची का मुंह तकिया कवर से बंधा था।

बच्ची काफी डरी सहमी हुई थी। कुछ बताने की स्थिति में नहीं थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला उतई थाना क्षेत्र का है। बोरी में इस हालत में मिलने की वजह अभी सामने नहीं आ पाई है। पुलिस ने 1 संदिग्ध को हिरासत में लिया है, जांच जारी है।

घटना के बाद बड़ी संख्या में गांव के लोग उतई थाने पहुंच गए और बच्ची को न्याय दिलाने की मांग करने लगे। लोगों में घटना को लेकर गुस्सा और चिंता दोनों देखने को मिली।

पुलिस ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल बच्ची अस्पताल में भर्ती है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

यमुना नदी में नाव पलटने से 10 पर्यटकों की मौत

एजेंसी ■ मथुरा

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में बड़ा हादसा हो गया। यमुना नदी में नाव पलटने की दुखद घटना में शुक्रवार को मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। बचाव अभियान तेज कर दिया गया है और कई लोग अभी भी लापता हैं।

आगरा रेंज के डीआईजी शैलेश कुमार पांडे ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि लापता लोगों की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस हादसे से बेहद आहत हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, 'जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

इस घटना को 'बेहद दुखद और हृदयविदारक' बताया और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचने, प्रभावी बचाव कार्य सुनिश्चित करने और घायलों को उचित चिकित्सा उपचार प्रदान करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं भगवान श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, शोक संतप्त परिवारों को इस अपार क्षति को सहन करने की शक्ति दें और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने को सुनिश्चित करें।

यह घटना शुक्रवार दोपहर को मथुरा के प्रसिद्ध केसी घाट के पास यमुना नदी में घटी, जब श्रद्धालुओं को ले जा रही एक नाव पलट गई।

जिला मजिस्ट्रेट सीपी सिंह के अनुसार, यह हादसा दोपहर करीब 2:45 बजे हुआ जब लुधियाना के लगभग 30 लोग दो नावों में सैर कर रहे थे। बताया जाता है कि एक नाव पीपा पुल से टकराने के बाद डूब गई।

अधिकारियों ने बताया, 'अब तक कई लोगों को सुरक्षित बचाया जा चुका है, जबकि तलाशी अभियान जारी है।

उन्होंने आगे कहा कि घटनास्थल पर पुलिस, जिला प्रशासन और गोताखोरों की कई टीमें तैनात की गई हैं।

एक दर्जन से अधिक लोगों के लापता होने की आशंका है और उन्हें खोजने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी हैं। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और बचे हुए लोगों के लिए राहत और चिकित्सा सहायता को प्राथमिकता दे रहे हैं।

लेबनान में नागरिकों पर हमले को लेकर भारत चिंतित

अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन की अपील

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने लेबनान में नागरिकों की मौत की खबरों पर गहरी चिंता जताते हुए कहा है कि हालिया घटनाक्रम बेहद चिंताजनक हैं और सभी पक्षों को अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पश्चिम एशिया के हालात पर आयोजित अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान कहा कि भारत, लेबनान में बड़ी संख्या में नागरिकों के हताहत होने की खबरों से बेहद चिंतित है। उन्होंने कहा कि भारत, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन यूनिफिल में सैनिक योगदान देने वाला देश है और लेबनान की शांति व स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है।

जायसवाल ने कहा, 'नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन और देशों की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान बेहद आवश्यक है।' उन्होंने यह भी बताया कि लेबनान में भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीय समुदाय के साथ लगातार संपर्क में है और उनकी सुरक्षा पर नजर बनाए हुए है। पेज 2

उज्जैन त्रासदी: 22 घंटे के बचाव अभियान के बाद बोरवेल में फंसे तीन वर्षीय बच्चे की मौत

एजेंसी ■ उज्जैन/बड़नगर

मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर से लगभग 75 किलोमीटर दूर बड़नगर तहसील के झालरिया गांव में एक खुले बोरवेल में गिरने से तीन वर्षीय भागीरथ देवासी की मौत हो गई। इसके साथ ही लगभग 22 घंटे तक चला एक बड़ा बचाव अभियान का दिल दहला देने वाला अंत हो गया।

राजस्थान के पाली जिले के गुडनला गांव के चरवाहे प्रवीण देवासी के तीन बेटों में सबसे छोटा यह बच्चा गुरुवार शाम करीब 7:30-8:00 बजे बोरवेल में फिसल गया। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि बच्चे की

मौत हो गई है। परिवार तीन दिन पहले ही भेड़ चराने के लिए इस इलाके में आया था।

परिवार के सदस्यों के अनुसार, एक भेड़ ने गलती से खुले बोरवेल को ढकने वाले पत्थर को हटा दिया। उत्सुक छोटा भागीरथ पीछे से आया, अंदर झांकने के लिए ढक्कन हटाया और उसी समय बोरवेल में गिर गया।

पास ही में काम कर रही उसकी मां ने इस भयावह क्षण को देखा लेकिन समय पर उस तक नहीं पहुंच सकी। भोपाल से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनए) और हरदा, इंदौर और उज्जैन से राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एनए) की इकाइयों को शामिल करते हुए तुरंत एक व्यापक संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया।

बच्चा लगभग 70 फीट की गहराई पर फंसा हुआ था।

बचाव दल ने बोरवेल में नीचे उतारे गए कैमरे के माध्यम से लगातार उसकी निगरानी की और शुरुआत में उसे स्थिर रखने के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति की।

बचाव दल चौबीसों घंटे काम करते रहे और कई पोक्लेन और अर्थ एक्सकेवेटर का उपयोग करके समानांतर गड्ढा खोदते रहे। लगभग 40 फीट की गहराई तक पहुंचने के बाद कठोर चट्टानों के कारण खुदाई की गति काफी धीमी हो गई। बाधाओं को तोड़ने के लिए भोपाल और इंदौर से एक हैमर मशीन को तुरंत बुलाया गया। पेज 2

पश्चिम एशिया के नाजुक हालात के बीच सोने-चांदी में जोरदार तेजी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित युद्धविराम की खबरों का सीधा असर सर्राफा बाजार पर दिख रहा है। कमजोर होते अमेरिकी डॉलर और कूटनीतिक स्तर पर बन रही उम्मीदों के चलते शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया, जबकि सोना भी मजबूत होकर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया है।

घरेलू सर्राफा बाजार के मजबूत आंकड़े

ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को चांदी की कीमत 3,800 रुपये या 1.6 प्रतिशत की छलांग लगाकर 2,47,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई, जिससे गुरुवार की गिरावट (2,43,200 रुपये प्रति किलोग्राम) की पूरी तरह भरपाई हो गई। इसी तरह, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 400 रुपये बढ़कर 1,55,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई,

जो पिछले कारोबारी सत्र में 1,54,900 रुपये के स्तर पर थी। इस तेजी ने कीमती धातुओं के लिए एक बेहद मजबूत सप्ताह का समापन किया है। पूरे कारोबारी हफ्ते के दौरान चांदी की कीमत में 10,000 रुपये (4.2 प्रतिशत) और सोने में 3,800 रुपये (2.51 प्रतिशत) की शानदार साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई है। पेज 2

उज्जैन त्रासदी: 22 घंटे के बचाव अभियान के बाद बोरवेल में फंसे तीन वर्षीय बच्चे की मौत

एजेंसी ■ उज्जैन/बड़नगर

मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर से लगभग 75 किलोमीटर दूर बड़नगर तहसील के झालरिया गांव में एक खुले बोरवेल में गिरने से तीन वर्षीय भागीरथ देवासी की मौत हो गई। इसके साथ ही लगभग 22 घंटे तक चला एक बड़ा बचाव अभियान का दिल दहला देने वाला अंत हो गया।

राजस्थान के पाली जिले के गुडनला गांव के चरवाहे प्रवीण देवासी के तीन बेटों में सबसे छोटा यह बच्चा गुरुवार शाम करीब 7:30-8:00 बजे बोरवेल में फिसल गया। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि बच्चे की

मौत हो गई है। परिवार तीन दिन पहले ही भेड़ चराने के लिए इस इलाके में आया था।

परिवार के सदस्यों के अनुसार, एक भेड़ ने गलती से खुले बोरवेल को ढकने वाले पत्थर को हटा दिया। उत्सुक छोटा भागीरथ पीछे से आया, अंदर झांकने के लिए ढक्कन हटाया और उसी समय बोरवेल में गिर गया।

पास ही में काम कर रही उसकी मां ने इस भयावह क्षण को देखा लेकिन समय पर उस तक नहीं पहुंच सकी। भोपाल से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनए) और हरदा, इंदौर और उज्जैन से राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एनए) की इकाइयों को शामिल करते हुए तुरंत एक व्यापक संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया।

बच्चा लगभग 70 फीट की गहराई पर फंसा हुआ था।

बचाव दल ने बोरवेल में नीचे उतारे गए कैमरे के माध्यम से लगातार उसकी निगरानी की और शुरुआत में उसे स्थिर रखने के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति की।

बचाव दल चौबीसों घंटे काम करते रहे और कई पोक्लेन और अर्थ एक्सकेवेटर का उपयोग करके समानांतर गड्ढा खोदते रहे। लगभग 40 फीट की गहराई तक पहुंचने के बाद कठोर चट्टानों के कारण खुदाई की गति काफी धीमी हो गई। बाधाओं को तोड़ने के लिए भोपाल और इंदौर से एक हैमर मशीन को तुरंत बुलाया गया। पेज 2

'बाबरी बनाने वालों के साथ गठबंधन से बेहतर 20 साल विपक्ष में बैठना पसंद', हुमायूं कबीर विवाद पर अमित शाह की दो टूक

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता में भाजपा का घोषणापत्र जारी करने के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को छोड़ने वाले हुमायूं कबीर से जुड़े स्टिंग विवाद पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दो टूक कहा कि भाजपा सत्ता के लिए किसी भी कीमत पर बाबरी मस्जिद बनाने वालों से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर भी तंज कसा और इशारा किया कि हुमायूं कबीर के वायरल ऑडियो क्लिप के पीछे सत्ताधारी पार्टी का ही हाथ बताया। इस क्लिप में हुमायूं कबीर कथित तौर पर राज्य के भाजपा नेताओं को टीएमसी को सत्ता से हटाने में पूरा समर्थन देने का भरोसा दिला रहे हैं। इस दौरान जब अमित शाह से बंगाल चुनाव में हुमायूं कबीर और भाजपा के

बीच 'डील' के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'आप ममता की क्षमताओं से अंजान हैं, ममता बनर्जी ऐसे 2,000 वीडियो बना सकती हैं।''

उन्होंने हुमायूं कबीर की 'आम जनता उन्नयन पार्टी' के साथ किसी भी गठबंधन की संभावना को खारिज करते हुए कहा, 'हुमायूं कबीर और भारतीय जनता पार्टी साउथ पोल और नॉर्थ पोल हैं। हमारा कभी मेल नहीं खा सकता है। हम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने वाले के साथ गठबंधन करने के बजाय अगले 20 साल तक विपक्ष में बैठना पसंद करेंगे।''

बता दें कि गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मंत्री फिरहाद हकीम और अरूप बिस्वास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुमायूं कबीर का एक कथित ऑडियो क्लिप जारी किया था। इसमें उन्होंने दावा किया कि कबीर और उनकी नई बनी 'आम आदमी उन्नयन पार्टी' चुनावों में भाजपा को समर्थन देने का भरोसा दिला रही थी।ऑडियो क्लिप में कबीर को कथित तौर पर किसी अज्ञात व्यक्ति को यह भरोसा दिलाते हुए सुना गया कि अगर भाजपा इस बार ज़्यादातर हिंदू वोट अपनी तरफ खींचने में कामयाब हो जाती है, तो वह मुस्लिम वोटों को बांटने में अहम भूमिका निभाएंगे। वह ऐसा इसलिए करेंगे ताकि राज्य में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया जा सके।

ऑडियो क्लिप में कबीर को यह दावा करते हुए भी सुना गया कि वह पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ नियमित संपर्क में हैं और उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि वह और उनकी पार्टी नए भाजपा मुख्यमंत्री को पूरा-पूरा समर्थन देंगे।

इस कथित टेप लीक से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई और सत्ताधारी टीएमसी ने भाजपा पर पैसे के दम पर चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

वहीं, असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम ने हुमायूं कबीर की पार्टी से गठबंधन तोड़ लिए और पश्चिम बंगाल में अकेले ही चुनावी लड़ने का फैसला किया।

आंध्र प्रदेश ने छह महीने में 10 लाख पीएनजी कनेक्शन का लक्ष्य रखा

अमरावती। आंध्र प्रदेश ने अगले छह महीनों में 10 लाख पीएनजी कनेक्शन का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को पीएनजी को एक बेहतर विकल्प के रूप में बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

शुक्रवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ घरेलू गैस आपूर्ति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और तेल कंपनियों को वैश्विक संघर्षों के कारण उत्पन्न घरेलू गैस आपूर्ति चुनौतियों का समाधान करने का निर्देश दिया।

चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को दीपम योजना के लाभार्थियों को पीएनजी अपनाने के लाभों के बारे में जागरूक करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पीएनजी का विकल्प चुनने वाले लाभार्थियों को दीपम योजना के तहत दी जाने वाली सब्सिडी मिलती रहेगी, और इस संबंध में तत्काल आदेश जारी किए जाने चाहिए। उन्होंने लाभार्थियों को

यह स्पष्ट रूप से सूचित करने के महत्व पर भी बल दिया कि वे पीएनजी कनेक्शन लेने के बाद भी योजना के लाभ प्राप्त करते रह सकते हैं। 31 अक्टूबर, 2024 को शुरू की गई दीपम 2.0 योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को प्रति वर्ष तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाते हैं।

'सुपर सिक्स' वादों का हिस्सा, इस योजना का उद्देश्य परिवारों पर वित्तीय बोझ कम करना, महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार करना और स्वच्छ खाना पकाने को बढ़ावा देना है, जिससे 58 लाख से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने पीएनजी कनेक्शनों का विस्तार करने और आपूर्ति संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए तेल कंपनियों द्वारा उठाए जा रहे कदमों का आकलन किया। उन्होंने अगले छह महीनों के भीतर 10 लाख पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई देरी न हो। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सूचित किया कि घरेलू गैस की स्थिति में जल्द ही सुधार होने की उम्मीद है। श्रीकाकुलम-काकीनाडा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना में हुई देरी की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा। केंद्रीय स्तर पर कुछ निर्णयों के लंबित होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने सीधे केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से बात की और उनसे परियोजना को शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया, यह देखते हुए कि निविदा प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है।

हिंदी हटाने के विवाद पर दायर पीआईएल खारिज, कर्नाटक हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं पर लगाया 1 लाख का जुर्माना

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट की बेंच ने राज्य सरकार और हिंदी बहिष्कार विवाद से जुड़ी जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

यह पीआईएल कर्नाटक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा के उस बयान के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में तीसरी भाषा के विषयों के अंक मूल्यांकन में नहीं जोड़े जाएंगे, जिसमें हिंदी भी शामिल है।

यह याचिका बेंगलुरु के रहने वाले एच.एन. चंदना और एस. वेंकटेश ने दायर की थी।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार का यह अचानक लिया गया फैसला कर्नाटक के लाखों छात्रों के बीच अनिश्चितता पैदा कर रहा है। यह निर्णय संविधान तहत दिए गए समानता और शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन करता है।

याचिकाकर्ता चंदना की ओर से

पेश वकील ने अदालत में दलील दी कि शिक्षा मंत्री के बयान से यह संकेत मिला कि हिंदी को हटाया जा रहा है, जो सही नहीं हो सकता।

मुख्य न्यायाधीश विभु बखरू की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिका की आलोचना करते हुए कहा कि यह मामला किसी स्पष्ट सरकारी आदेश पर नहीं, बल्कि विवादित मुद्दों और मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह मामला केवल एक अखबार में छपी कुछ पंक्तियों के आधार पर दायर किया गया है, न कि किसी आधिकारिक घोषणा पर।

अदालत ने कहा कि वास्तव में ऐसा कोई आदेश नहीं है जिसमें हिंदी को हटाने की बात कही गई हो। कोर्ट ने इस याचिका को 'पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन' बताया, न कि वास्तविक जनहित याचिका। शुरुआत में अदालत ने याचिकाकर्ता पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया था, लेकिन बाद में दलीलें सुनने के बाद बेंच ने इसे बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दिया।

हालांकि कन्नड़ समर्थक संगठनों ने एसएसएलसी परीक्षा में तीसरी भाषा के लिए अंकों की जगह ग्रेड देने के फैसले का स्वागत किया, लेकिन इसका कुछ राजनीतिक दलों, जिनमें भाजपा के कुछ नेता भी शामिल हैं, ने विरोध किया। इस विवाद के बीच राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने हस्तक्षेप करते हुए मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखकर सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा।

वहीं, कर्नाटक विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी ने भी हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए सरकार को पत्र लिखा है।

दिल्ली में 13 अप्रैल को 'हेरिटेज वीक' की एक्टिविटी शुरू करेगा डीडीए

नई दिल्ली। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सहयोग से, राजधानी की विरासत को बढ़ावा देने के लिए 13 अप्रैल को 'हेरिटेज वीक' कार्यक्रम शुरू करेगा। एक अधिकारी ने कहा कि 13 से 18 अप्रैल तक चलने वाली इस पहल का मकसद लोगों को, खासकर युवाओं को दिल्ली की कला और संस्कृति से जोड़ने में मदद करना है। इसमें महरौली इलाके में संरक्षण के प्रयासों की एक प्रदर्शनी/डॉक्यूमेंटेशन भी शामिल होगा।

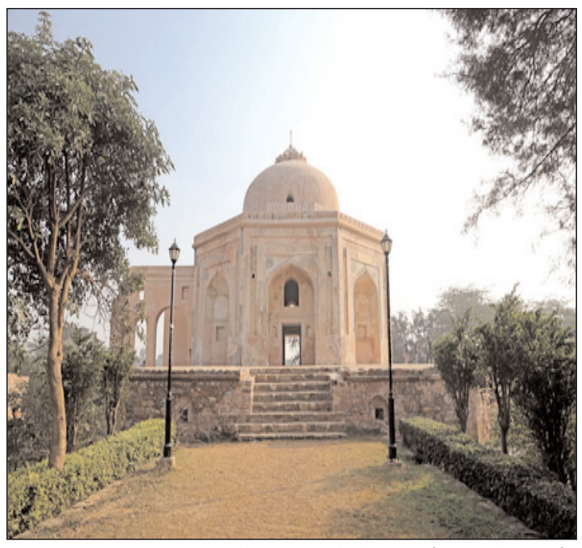

डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवना कुमार ने कहा कि दिल्ली की विरासत एक जीवंत धरोहर है, जो शहर के भविष्य के केंद्र में बनी रहनी चाहिए। हेरिटेज वीक के माध्यम से डीडीए इन अनमोल ऐतिहासिक जगहों के साथ लोगों का जुड़ाव, खासकर युवाओं का और मजबूत करना चाहता है।

उन्होंने कहा कि हमारा लगातार यही प्रयास है कि विरासत का संरक्षण, पारिस्थितिकी का पुनरुद्धार और सार्वजनिक जगहों का विकास, ये तीनों दिल्ली के संतुलित और टिकाऊ शहरी विकास के अभिन्न अंग के तौर पर साथ-साथ आगे बढ़ें। बयान में कहा गया है कि हेरिटेज वीक के माध्यम से डीडीए का मकसद दिल्ली की विरासत से जुड़ी संपत्तियों के प्रति लोगों में जागरूकता और गर्व की भावना को गहरा करना, सामुदायिक भागीदारी और युवाओं की सक्रियता को बढ़ावा देना, और विरासत के संरक्षण तथा शहरी पारिस्थितिकी के क्षेत्र में अपने चल रहे प्रयासों को प्रदर्शित करना है।

इसमें कहा गया है कि इसका बड़ा मकसद सभी उम्र के लोगों को शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को महत्व देने, उसे अनुभव करने और उसे बचाने में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करना है।

बयान में कहा गया है कि इस एक हफ्ते चलने वाली पहल में छात्रों के लिए गतिविधियां, एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता, छात्रों के बीच बातचीत की प्रतियोगिता, स्केचिंग और ड्राइंग प्रतियोगिता, कहानी लिखने की गतिविधि, प्रदर्शनियां और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं।

शेष पेज - 01

उज्जैन त्रासदी: 22 घंटे के बचाव अभियान

बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव घेरा और रस्सी लगाने के प्रयास भी किए गए। घटनास्थल पर मौजूद उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने पहले कहा था कि बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

एक दर्जन से अधिक भारी मशीनों और विशेष बचाव कर्मियों के अथक प्रयासों के बावजूद, शुक्रवार को बचाव अभियान दुखद रूप से समाप्त हो गया जब भागीरथ को मृत घोषित कर दिया गया।

मृत्यु के सटीक हालात और समय का अभी भी पता लगाया जा रहा है, लेकिन लंबे समय तक फंसे रहने और पथरीले इलाके की वजह से दुर्घटना से पार पाना असंभव साबित हुआ।

इस घटना से गांव और पशुपालक समुदाय में गहरा सदमा फैल गया है। ग्रामीण भारत में बच्चों से जुड़ी बोरवेल दुर्घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं, अक्सर कृषि क्षेत्रों में खुले या खराब तरीके से सुरक्षित बोरवेल के कारण ऐसा होता है।

इस त्रासदी ने एक बार फिर से सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया है, जिसमें चरागाह और कृषि क्षेत्रों में बोरवेल को ढकना और नियमित निरीक्षण करना अनिवार्य है।

लेबनान में नागरिकों पर हमले को लेकर भारत चिंतित

विदेश मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान में लेबनान में करीब 1,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते का युद्धविराम लागू हुआ है और शांति वार्ता शनिवार से शुरू होने वाली है। हालांकि, इजरायल ने स्पष्ट किया है कि यह युद्धविराम लेबनान में उसकी सैन्य कार्रवाई पर लागू नहीं होता।

इसी बीच, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने 8 अप्रैल को अमेरिका के ईरान पर हमले रोकने के फैसले का समर्थन किया, लेकिन कहा कि यह अस्थायी समझौता लेबनान में जारी सैन्य अभियानों को शामिल नहीं करता।

युद्धविराम की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद इजरायल ने दावा किया कि उसने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमला करते हुए 10 मिनट में 100 लक्ष्यों को निशाना बनाया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने दोहराया कि लेबनान इस सीजफायर का हिस्सा नहीं है।

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अज़ार ने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमताएं कमजोर हो चुकी हैं, लेकिन हिजबुल्लाह से खतरे के जवाब में इज़राइल अपनी कार्रवाई जारी रखेगा।

वहीं, इज़रायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने कहा कि उसने ईरान के खिलाफ अभियान रोक दिया है, लेकिन लेबनान में हिज्बुल्लाह के खिलाफ लक्षित जमीनी कार्रवाई जारी है। आईडीएफ ने कहा कि वह हर मोर्चे पर अपनी सुरक्षा के लिए कार्रवाई करता रहेगा।

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

जस्टिस वर्मा की दलील: मैं तो वहां था ही नहीं गौरतलब है कि जस्टिस यशवंत वर्मा ने खुद पर लगे इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। लोकसभा की जांच समिति के सामने उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि जिस दिन यह घटना हुई, वह देश की राजधानी में मौजूद ही नहीं थे। उनका कहना है कि अगर अधिकारी उस जगह को सुरक्षित रखने में नाकाम रहे, तो इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। उन्होंने कैश मिलने के दावों को पूरी तरह गलत करार दिया है।

इस्तीफे के पीछे की असली वजह?

जानकारों का मानना है कि महाभियोग की प्रक्रिया से बचने और सम्मानजनक विदाई के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। 3-सदस्यीय समिति की जांच अब निर्णायक मोड़ पर है। अगर महाभियोग सफल हो जाता, तो उन्हें पद से हटा दिया जाता, जिससे उनकी पेंशन और अन्य सुविधाओं पर भी असर पड़ता फिलहाल, प्रयागराज से लेकर दिल्ली के गलियारों तक इसी बात की चर्चा है कि क्या इस्तीफा देने के बाद उन पर चल रही जांच रुक जाएगी या सुरक्षा एजेंसियां इस 'कैश कांड' की फाइल को और गहराई से खंगालेंगी।

पश्चिम बंगाल चुनाव : भाजपा के 'भरोसा पत्र' में 15 बड़े वाद

महिला सुरक्षा के लिए महिला पुलिस बटालियन, 'दुर्गा सुरक्षा स्क्वॉड' और सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही गई है। इसके अलावा हर महिला को 3,000 रुपए मासिक आर्थिक सहायता देने का वादा किया गया है ।घोषणा पत्र में कुर्माली और राजबोंगशी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की बात कही गई है। किसानों के लिए चावल, आलू और आम की खेती में सहायता और उचित मूल्य सुनिश्चित करने का वादा किया गया है। मछुआरों को पीएम मत्स्य संपदा योजना के तहत पंजीकरण और राज्य को मछली निर्यात का बड़ा केंद्र बनाने की योजना है।

भाजपा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने और मवेशी तस्करी रोकने के लिए कड़े कानून बनाने का भी ऐलान किया है। चाय बागानों के पुनरुद्धार, दार्जिलिंग टी ब्रांडिंग और जूट उद्योग को आधुनिक बनाने की योजना भी शामिल है।

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना लागू करने, मुफ्त एचपीवी टीकाकरण, ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग और उत्तर बंगाल में एम्स, आईआईटी व आईआईएम स्थापित करने का वादा किया गया है। इसके साथ ही 'वंदे मातरम संग्रहालय' बनाने और धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कानून लाने की भी घोषणा की गई है।

5 मई के बाद बदल जाएगा बंगाल:अमित शाह

अब आपको इस कटमनी और सिंडिकेट से मुक्ति पानी है, घुसपैठिया मुक्त बंगाल बनाना है।

अमित शाह ने कहा कि भाजपा चाहती है कि बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कर दे, लेकिन ममता बनर्जी इन्हें संभालकर रखना चाहती हैं।

ममता दीदी, जितना जोर लगाना है, लगा दो, हम एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुनकर बंगाल से बाहर निकालेंगे। ये घुसपैठिये हमारे युवाओं की नौकरी खा रहे हैं, गरीबों का चावल हजम कर रहे हैं और यहां गुंडागर्दी कर रहे हैं। ममता बनर्जी नहीं चाहतीं कि बंगाल से घुसपैठिये जाएं। मगर मैं आज कहकर जाता हूं कि चुनाव के बाद पूरे बंगाल से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुनकर बाहर करने का काम भाजपा करेगी।

उन्होंने कहा कि सिंडिकेट यहां सभी को परेशान करता है। सीमेंट, बालू या पंखा खरीदना हो, तो हर जगह सिंडिकेट है। एक बार कमल के फूल का बटन दबा दीजिए, इस पूरे सिंडिकेट को गंगा नदी में डालने का काम भाजपा करेगी। मैं यहां ममता बनर्जी की ओर से अत्याचार कर रहे गुंडों से कहना चाहता हूं कि अपनी-अपनी जगह तय कर लो कि 5 मई के बाद कहां जाना है, क्योंकि भाजपा की सरकार आने वाली है। जो 5 तारीख के बाद यहां जनता को परेशान करेगा, उसको जेल की सलाखों में डालने का काम हम करेंगे।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, कटमनी और मोदी जी की सरकार का विरोध, इन तीनों चीजों ने यहां जनता को परेशान करके रखा है। बेरोजगारी युवाओं को परेशान कर रही है, मगर आप चिंता मत कीजिए। 5 मई के बाद भाजपा हर बेरोजगार युवा को हर महीने 3 हजार रुपए देने वाली है। हर बहन को भी उनके बैंक खाते में 3 हजार रुपए मिलेंगे। यहां के किसानों को एक साल के 9 हजार रुपए देने का काम भाजपा करेगी। जब घाटाल में बाढ़ आई, तो प्रधानमंत्री मोदी ने इस समस्या के समाधान के लिए 1,500 करोड़ रुपए का एक व्यापक मास्टर प्लान प्रस्तावित किया, जिसमें से 60 प्रतिशत खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी। हालांकि, टीएमसी सरकार ने घाटाल मास्टर प्लान को अस्वीकार कर दिया। यदि आप भाजपा सरकार को चुनते हैं, तो हम घाटाल मास्टर प्लान को मात्र एक वर्ष के भीतर लागू करेंगे और बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करेंगे। उन्होंने रूपनारायण नदी में भारी मात्रा में जमा हो रही गाद का भी मुद्दा उठाया और कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने भतीजे को बंगाल का अगला मुख्यमंत्री बनाने की राह तैयार करने में व्यस्त हैं। उनका आरोप है कि भाजपा सरकार के तहत बंगाल का शासन दिल्ली से चलेगा। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि बंगाल का अगला मुख्यमंत्री भाजपा का कार्यकर्ता होगा, जिसका जन्म और पालन-पोषण यहीं बंगाल में हुआ है। भाजपा की सरकार बनते ही हम यहां यूसीसी लाएंगे। पूरे बंगाल के अंदर किसी को भी 4 शादी करने की अनुमति नहीं होगी। कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए। ममता बनर्जी का एक ही उद्देश्य है, अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना, जबकि मोदी जी का उद्देश्य है बंगाल के युवाओं को नौकरी देना, रोजगार देना। बंगाल पर 8 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, लेकिन ममता दीदी को इसकी कोई परवाह नहीं है। उनका ध्यान वंचितों के लिए स्कूल बनाने के बजाय मदरसों के निर्माण पर केंद्रित है। उन्होंने मदरसों के लिए विशेष रूप से 5,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है।

पश्चिम एशिया के नाजुक हालात के बीच सोने-चांदी में जोरदार तेजी

वैश्विक बाजार और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी का रुख कायम है, जहां हाजिर सोना 11.52 डॉलर या 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,777.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि चांदी लगभग 1 प्रतिशत बढ़कर 75.91 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। इंडसइंड सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी के अनुसार, अमेरिका-ईरान युद्धविराम के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है, जिसने अर्थव्यवस्था में फिर से मुद्रास्फीति बढ़ने और ब्याज दर में संभावित बढ़ोतरी की चिंताओं को कम कर दिया है। इसी के चलते सोना 4,700 डॉलर के ऊपर स्थिर है और लगातार तीसरे सप्ताह बढ़त की ओर है। इसके अलावा, सुरक्षित निवेश के रूप में उभरे अमेरिकी डॉलर में आई नरमी ने भी बाजार की सकारात्मक धारणा को और समर्थन दिया है।

भू-राजनीतिक घटनाक्रम और सेक्टोरल असर

ऑगमोंट की शोध प्रमुख रेनीशा चैनानी ने बताया कि ईरान विवाद पर एक सतर्क कूटनीतिक आशावाद और केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी से कीमती धातुओं की कीमतों में यह मजबूती आई है। हालांकि, भू-राजनीतिक मोर्चे पर कुछ बड़े घटनाक्रम वैश्विक निवेश धारणा को लगातार प्रभावित कर रहे हैं:

इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट किया है कि लेबनान में उनका सैन्य अभियान अमेरिका-ईरान युद्धविराम समझौते के दायरे में नहीं आता है। व्यापक शांति व युद्धविराम के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए अगले सप्ताह वाशिंगटन में तेल अवीव और बेरूत से जुड़े पक्षों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा होने की उम्मीद है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में ट्रांजिट शुल्क लगाने को लेकर ईरान को दी गई चेतावनी ने ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है।

मौजूदा नाजुक शांति स्थितियों को देखते हुए जानकारों का मानना है कि सोने में तेजी की संभावना अभी सीमित है। रेनीशा चैनानी के अनुसार, यदि कूटनीतिक वार्ता विफल होती है, तो सोना तेजी से गिरकर 4,000 डॉलर के स्तर तक आ सकता है। इसके विपरीत, एक विश्वसनीय और ठोस शांति समझौता सोने को 5,000 डॉलर प्रति औंस के ऐतिहासिक स्तर तक ले जाने का रास्ता साफ करेगा, जिससे मौजूदा दायरा निवेशकों और बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णायक क्षेत्र बन गया है।

स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला : मुख्यमंत्री

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को कहा की स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला है और वाइस चांसलर मीट-2026 स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार को नई दिशा देगा ।

नवा रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित ऑल इंडिया हेल्थ साइंसेज वाइस चांसलर मीट-2026 में साय ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार और विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने सम्मेलन को राज्य के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस तरह के मंच स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं में सुधार के लिए विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करते हैं।

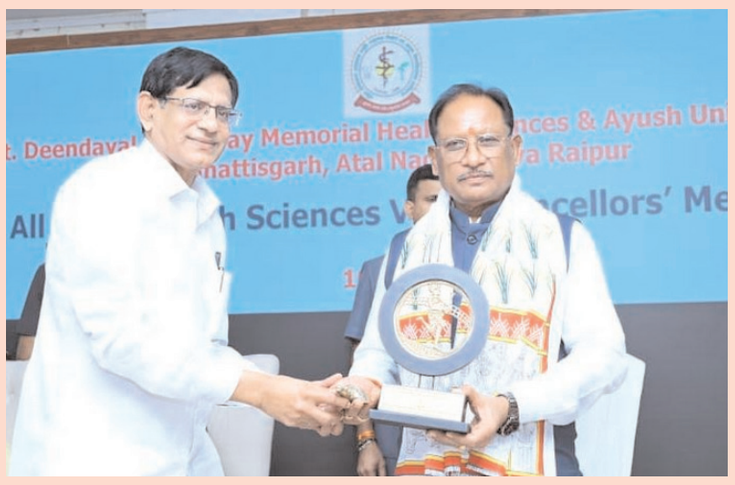

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने जानकारी दी कि प्रदेश में नए मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। इसके अलावा राजधानी क्षेत्र में एक मेडिसिटी हब विकसित करने की योजना है, जिसके तहत एक बड़े सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना प्रस्तावित है। उन्होंने यह भी कहा कि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को स्वास्थ्य सहायता मिल रही है, जिससे उपचार तक पहुंच में सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं, जिनमें चिकित्सा शिक्षा में सुधार और तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने बताया कि सुकमा में 'मुख्यमंत्री बस्तर स्वास्थ्य योजना' के तहत व्यापक स्वास्थ्य जांच अभियान शुरू किया जाएगा।

कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि सम्मेलन से प्राप्त सुझावों को संबंधित स्तर पर भेजा जाएगा।

आईआईएम रायपुर और सेज पब्लिकेशन्स के बीच एमओयू, लॉन्च होगा वैश्विक शोध जर्नल

रायपुर। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर और सेज पब्लिकेशन्स इंडिया ने एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक साझेदारी के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। शुक्रवार को बताया गया की इस समझौते का मुख्य उद्देश्य एक नया वैश्विक शोध जर्नल 'एंटरप्रेन्योरशिप एंड एंटरप्राइज डेवलपमेंट रिव्यू' लॉन्च करना है। यह नया फ्लैगशिप जर्नल संस्थान के मूल दृष्टिकोण 'बिल्डिंग बिजनेस ओनर्स' को आधार बनाकर तैयार किया गया है।

इस पहल के माध्यम से उद्यमिता, एंटरप्राइज डेवलपमेंट और बिजनेस इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध को एक सशक्त अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशक सेज पब्लिकेशन्स के साथ इस जुड़ाव से जर्नल को वैश्विक पहचान और उच्च प्रकाशन मानकों को प्राप्त करने में बड़ी सहायता मिलने की उम्मीद है।

संस्थान के डीन प्रोफेसर सत्यसिबा दास ने इस अवसर पर भारतीय शोधकर्ताओं के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि अब भारत को अपने स्वयं के सशक्त और वैश्विक स्तर के प्लेटफॉर्म विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जर्नल इसी दिशा में एक बड़ी पहल है जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए निरंतर गुणवत्ता बनाए रखी जाएगी। इसी क्रम में संस्थान के डायरेक्टर-इन-चार्ज प्रोफेसर संजीव प्रसार ने इसे संस्थान की शैक्षणिक और शोध यात्रा का एक स्वाभाविक विस्तार बताया जिससे संस्थान की बौद्धिक क्षमता और वैश्विक साख को और अधिक मजबूती मिलेगी। सेज पब्लिकेशन्स इंडिया के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सुगाता घोष ने कार्यक्रम के दौरान भारत में बिजनेस और मैनेजमेंट पब्लिशिंग के तेजी से विकसित होते स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास जताया कि यह शोध जर्नल भविष्य में वैश्विक स्तर पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने में सफल होगा।

अम्बिकापुर रेप कांडः आरोपी चिरमिरी से गिरफ्तार

अंबिकापुर। अंबिकापुर निर्भया कांड' के आरोपी को 8वें दिन पुलिस ने चिरमिरी से गिरफ्तार किया है। इस जघन्य रेप एवं हत्या के मामले में पुलिस ने 35 हजार का ईनाम घोषित किया था। महामाया प्रवेश द्वार के पास महिला से दुष्कर्म और हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना पर अंबिकापुर पुलिस चिरमिरी के लिए रवाना हो गई है। आखिरी बार उसे रेलवे स्टेशन के पास देखा गया था।

अम्बिकापुर, 10 अप्रैल 2026। अम्बिकापुर के रिंग रोड से लगे एक मटन शॉप में 2-3 अप्रैल की रात महिला से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। महिला के प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की बोतल मिली थी। उसकी 12 पसलियां टूटी हुई थीं और फेफड़े व दिल को गंभीर नुकसान पहुंचा था।सिर पर भी गहरे चोट के निशान पाए गए थे। घटना के बाद आरोपी की पहचान कर ली गई थी, लेकिन वह फरार हो गया था।

आठवें दिन चिरमिरी से पकड़ा गया आरोपी

महिला से रेप के बाद हत्या के आरोपी की पहचान पांडा उर्फ मिथुन के रूप में हुई है। आरोपी पहले भी महिला के साथ घूमता था और उसके घर आता-जाता था। दोनों साथ में कबाड़ बीनने का काम करते थे। गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से प्रतापपुर का रहने वाला है। वह पिछले करीब 7 साल से अंबिकापुर में रह रहा था। हत्या करने के बाद उसने महिलाओं से तंबाकू मांगी और खाई। इसके बाद उसकी फुटेज अंबिकापुर रेलवे स्टेशन के पास मिली थी।

पुलिस ने रखा था 35 हजार का इनाम

सरगुजा आईजी ने आरोपी की गिरफ्तारी पर 30 हजार और सरगुजा एसएसपी ने 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। आरोपी को सिलफिली के पास देखे जाने की सूचना मिलने पर ड्रोन कैमरों से भी तलाशी ली जा रही थी।

पुलिस ने पूरे संभाग के सभी थानों में आरोपी का फोटो और स्केच भेजा था। सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने गिरफ्तारी के लिए चार विशेष टीमें गठित की थीं। शुक्रवार को आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली। एमसीबी पुलिस ने आरोपी को चिरमिरी से गिरफ्तार कर लिया। इसकी सूचना मिलते ही सरगुजा पुलिस चिरमिरी के लिए रवाना हो गई। सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। बताया गया है कि आरोपी को आज अंबिकापुर लाया जाएगा।

वहीं कांग्रेस इस जघन्य अपराध के विरोध में अम्बिकापुर में कैंडल मार्च किया था। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने इसे छत्तीसगढ़ का निर्भया कांड कहा था।

रायपुर में 'बजट क्वेस्ट 2026' का फिनाले 12-13 अप्रैल को

रायपुर । रायपुर में 12-13 अप्रैल को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के 'मेरा युवा भारत' (MY Bharat) अभियान के अंतर्गत 'बजट क्वेस्ट 2026' का दो दिवसीय फिनाले आयोजित किया जाएगा।

इस राष्ट्रीय आयोजन के समापन सत्र में 13 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप-मुख्यमंत्री अरुण साव और केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू उपस्थित रहेंगे। रायपुर के राजीव गाँधी राष्ट्रीय भूजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान तथा ट्रिपल आईटी नया रायपुर में आयोजित होने वाले इस सत्र में विशेषज्ञ और शिक्षाविद युवाओं के साथ शिक्षा, कौशल विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे।

यह आयोजन देश भर के उन मेधावी युवाओं को एक साझा मंच प्रदान कर रहा है जो एक व्यापक राष्ट्रीय प्रतियोगिता के माध्यम से अंतिम चरण तक पहुँचे हैं। इस दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र में 17 विभिन्न स्थानों से 15,000 से अधिक युवा जुड़ेंगे जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं। छत्तीसगढ़ से लगभग 30,000 युवाओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था जिनमें से चयनित 471 प्रतिभागी रायपुर के मुख्य कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रतिभागी मुख्य रूप से मानव पूंजी में निवेश और कृषि कल्याण को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर अपने नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करेंगे।

आयोजन के पहले दिन 12 अप्रैल को एक विशेष 'महिला युवा संसद' का आयोजन होगा जिसका मुख्य विषय 'नारी शक्ति: विकसित भारत की आवाज़' रखा गया है।

बलौदाबाजार पुलिस ने सोलन में दी दस्तक 16 सट्टेबाज गिरफ्तार

बलौदाबाजार। बलौदा बाजार पुलिस ने सात समंदर पार नहीं, बल्कि सात राज्यों की सरहद लांघकर एक ऐसा सट्टा गिरोह को पकड़ा है जो बेहद घटिया तरीके से संचालित हो रहा था। आईपीएल मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टेबाजी का यह काला खेल हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले से चल रहा था। पुलिस ने वहां किराए के मकान में 16 बच्चों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

हाईटेक हैकिंग और नेपाल तक कनेक्शन

पुलिस की जांच में जो बात सामने आई है वह ऑर्थोडॉक्स तकनीक और साधारण पार्टी अनुप्रयोगों का उपयोग किया जा रहा था। इसका नेटवर्क छत्तीसगढ़ से शुरू होकर पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और यहां तक कि नेपाल तक फैल गया था। ये स्टॉक रियल-टाइम में विश्विद्यालयों को करोड़ों का दांव लगा रहे थे।

जब्त सामान देख पुलिस भी रह गई दंग

पुलिस को जो सामान मिला है, उसके बीच में इस हिस्से की विस्तृत जानकारी दी गई है। पुलिस ने 7 लैपटॉप और 2 आईपैड जब्त किए। 48 मोबाइल फ़ोन बरामद। 30 से अधिक बैंक खातों का खुलासा हुआ है। कुल 50 लाख रुपये से अधिक के इलेक्ट्रॉनिक सामान और बड़ी संख्या में एटीएम कार्ड जब्त किये गये।

हर किसी का काम था तय

पुलिस का कहना है कि यह किसी कंपनी की तरह काम कर रहा था। बदमाशों ने बताया कि गैंग में काम का बंटवारा किया गया था। कोई सिर्फ बैंक ट्रांजेक्शन देख रहा था, तो किसी नए उद्यम को जोड़ने का काम चल रहा था। तकनीकी भाग के लिए अलग-अलग ग्रेड रखे गए थे, ताकि पुलिस की नजरें बच सकें।

एसपी भावना गुप्ता के नेतृत्व में मिली बड़ी कार्यकर्ता

इस पूरी कार्रवाई की कमान खुद पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने रखी थी। केस की शुरुआत को देखते हुए होटल एसपी भाटापारा के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई है। सभी पुलिस अब इस नेटवर्क के असली मास्टरमाइंड तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, जो सेक्टर के पीछे से करोड़ों का लेन-देन हासिल कर रही थी।

त्रुटिरहित एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें प्रेक्षक : राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मई जून-2026 की तैयारियों को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में निर्वाचक नामावली प्रेक्षकों की ब्रीफिंग आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने की।राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए तथा सभी दावा-आपत्तियों का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में उनका निराकरण किया जाए। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य की सघन निगरानी और प्रभावी सुपरविजन पर विशेष बल दिया।

बैठक में आयोग ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची का व्यापक पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके लिए 01 अप्रैल 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। इस तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले तथा भारत निर्वाचन आयोग की विधानसभा मतदाता सूची में शामिल नागरिक ही स्थानीय चुनाव में मतदाता बनने के पात्र होंगे।

निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 13 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। इसके पश्चात 20 अप्रैल 2026 तक दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी तथा 27 अप्रैल 2026 तक उनका निराकरण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 05 मई 2026 को किया जाएगा। आयोग द्वारा बताया गया कि मतदाता

सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन के लिए निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। बैठक में रिक्त पदों की जानकारी भी साझा की गई। नगरीय निकायों में अध्यक्ष के 4पद एवं 60 पार्षद के पदों पर आम निर्वाचन तथा अध्यक्ष के 4 पद एवं 17 पार्षद पदों पर उप निर्वाचन प्रस्तावित है। वहीं, त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्य के 10 पद, सरपंच के 82 पद एवं पंचों के 1110 पद रिक्त हैं, जिन पर निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा।

इस अवसर पर आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने भी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ करें तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

नियमितीकरण हेतु एक हस्ताक्षर-मुख्यमंत्री के नाम अभियान

साय सरकार बेरुखी से निराश अनियमित कर्मचारी : फेडरेशन

रायपुर । साय सरकार की सवा दो साल में छत्तीसगढ़ प्रदेश के शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अनियमित कर्मचारियों जैसे- आउटसोर्सिंग (प्लेसमेंट), सेवा प्रदाता, ठेका, समूह/समिति के माध्यम से नियोजन, जॉबदर, संविदा, दैनिक वेतनभोगी, कलेक्टर दर, श्रमायुक्त दर पर कार्यरत श्रमिक, मानदेय, अशंकालिक के लिए किसी प्रकार किसी प्रकार की घोषणा नहीं होने से निराश एवं आहात है। जबकि ये कर्मचारी प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी जब विपक्ष में थे तो उनके अनेक वरिष्ठ नेता/जनप्रतिनिधियों ने हमारे मंच में आकर हमारी समस्याओं को सुना एवं अनियमित कर्मचारियों की समस्याओं को भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर इनका यथाशीघ्र निराकरण करने की बात कही थी तथा छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी 2023 पत्र के 'वचनबद्ध सुशासन' अंतर्गत बिंदु क्र. 2 में एक कमिटी गठित कर कमेटी में अनियमित कर्मचारियों को सम्मिलित करते हुए समीक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करने का उल्लेख किया है। लेकिन कमेटी गठन आदेश में अनियमित कर्मचारियों का कोई उल्लेख नहीं है । सरकार इन सवा 2 वर्षों में अनियमित कर्मचारियों के लिए कुछ नहीं किया। वादा के विपरीत अनियमित कर्मचारियों की छटनी की जा रही है, अनेक विभागों में वेतन लंबित है, संविदा वेतन अनुसार वेतन नहीं दिया जा रहा है, न्यूनतम वेतन में विगत 8 वर्षों से वृद्धि नहीं की गई है, संविदा वेतन में ढाई साल कोई बढ़ोत्तरी नहीं।अनेक विभाग में श्रम सम्मान राशी नहीं दी जा रही है।

अनियमित संघो के पदाधिकारियों ने अपने मांगो/समस्याओं को लेकर निरंतर माननीय मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसदों से आवेदन निवेदन करते आ रहे है, परन्तु सरकार अनियमित कर्मचारियों की अनदेखी कर रही है।

भारतीय योग संस्थान, रायपुर द्वारा दो दिवसीय प्रांतीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आज से

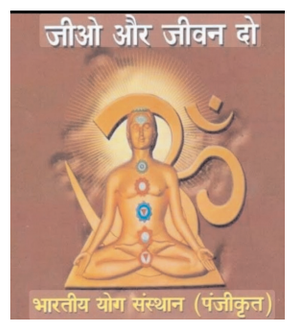

रायपुर। भारतीय योग संस्थान द्वारा रायपुर के सालासर धाम में दो दिवसीय प्रान्तीय योग प्रशिक्षण शिविर आगामी 11 एवं 12 अप्रैल को आयोजित है।

इस शिविर में विशेष रूप से दिल्ली से पधारे अखिल भारतीय प्रधान देशराज व महामंत्री ललित गुप्ता का मार्गदर्शन एवं सानिध्य प्राप्त होगा भारतीय योग संस्थान का सिद्धान्त वसुदेव कुटुम्बकम और सर्वे भवन्तु सुखिनः हैं एवं उद्देश्य भारतीय संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन तथा नारा जीयो और जीवन दो है . यह पूर्णतः योग प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर होगा । प्रांत प्रमुख मुकेश सोनी ने बताया कि इस दो दिन की कार्यशाला में शुद्धि क्रियाओं, आसनों के प्रत्यक्ष लाभ, प्राणायाम के रहस्य, विभिन्न प्रकार के ध्यान के साथ - साथ शारीरिक संरचना, पाचन प्रणाली जैसे अनेकों विषयों पर सत्र होंगे। प्रचार प्रमुख नीतू मूंधड़ा व ममता रथ ने बताया कि पूरे छत्तीसगढ़ के अनेक जिलों जैसे रायपुर,कोरबा, बिलासपुर, भिलाई, धमतरी आदि से लगभग 700 साधक आयेंगे। इस आवासीय शिविर को लेकर साधकों में भारी उत्साह है। सालासर धाम में साधकों के रहने की व्यवस्था,योग अनुकूल आहार व योग साधना के लिए मैदान की व्यवस्था पूर्ण कर ली गई है।

इस शिविर में भाग लेने के लिए पूर्व पंजीयन आवश्यक है। शिविर को सफल बनाने में राजेश डागा, राजेश अग्रवाल, रिया फतनानी, सुदेशना मेने ,वंदना आहूजा, के आर साहू सहित अनेक साधकों का विशेष योगदान है।

31 लोगों ने थामा कमल का साथ, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कराया भाजपा में प्रवेश

रायपुर। प्रदेश में भाजपा के संगठन विस्तार को ग्राम स्तर पर भी मजबूती मिलती नजर आ रही है। इसी कड़ी में ग्राम बतरा में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया, जहां प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की उपस्थिति में 31 महिला एवं पुरुषों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। खास बात यह रही कि यह कार्यक्रम पूर्व कांग्रेस विधायक पारसनाथ राजवाड़े के गृह ग्राम में आयोजित हुआ, जिससे इस घटनाक्रम को राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सभी नवप्रवेशित सदस्यों को अपने हाथों से

भाजपा का दुपट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल किया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सोच और सेवा भाव से जुड़ा एक व्यापक आंदोलन है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पारदर्शी कार्यशैली से प्रभावित होकर लोग स्वेच्छा से भाजपा से जुड़ रहे हैं। लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि गांव-गांव तक विकास पहुंचाने और अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भाजपा सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने नवसदस्यों से आह्वान किया कि वे पार्टी की रीति-नीति और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। ग्राम बतरा में हुए इस सदस्यता अभियान को क्षेत्र में भाजपा की बढ़ती स्वीकार्यता और जनविश्वास का प्रतीक माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि आने वाले समय में इससे राजनीतिक समीकरणों में बदलाव देखने को मिल सकता है।

इस अवसर पर भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें क्षेत्र के समग्र विकास और समाज की प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

अखिल भारतीय रेल क्रिकेट प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम उपविजेता

बिलासपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की क्रिकेट टीम ने अखिल भारतीय रेल क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का गौरव प्राप्त किया। फाइनल मुकाबले में टीम ने मेट्रो रेलवे के विरुद्ध शानदार संघर्ष का परिचय दिया और द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए रजत पदक अपने नाम किया।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का लीग चरण चेन्नई में तथा नॉकआउट चरण मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें देशभर की विभिन्न रेलवे टीमों ने भाग लिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का प्रभावशाली सफर तय किया।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की क्रिकेट टीम ने पिछले चार वर्षों में तीन बार

फाइनल में स्थान बनाकर पदक सुनिश्चित किया है, जिसमें एक स्वर्ण पदक एवं दो रजत पदक शामिल हैं। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं उत्कृष्ट खेल भावना को दर्शाती है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपरांत आज टीम के खिलाड़ियों ने महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने खिलाड़ियों को कहा कि 'टीम ने जिस समर्पण, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रदर्शन किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। यह उपलब्धि न केवल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बल्कि पूरे भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय है। मुझे विश्वास है कि आप सभी भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त महासचिव एवं समस्त खेल परिवार द्वारा भी टीम के सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

हिमंता बिस्वा सरमा पर गौरव गोगोई का तंज, आप शोर कर सच्चाई को दबा नहीं सकते

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं ने गुरुवार को रिकॉर्ड स्तर पर वोटिंग की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि बंगाल की जनता ने कांग्रेस पार्टी का न्यू असम अभियान को स्वीकार किया है।

गुवाहाटी में आईएएनएस से बातचीत में गौरव गोगोई ने कहा कि पिछली विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार 1 प्रतिशत से अधिक वोटिंग हुई है।

गोगोई ने कहा कि मैं बहुत आशावादी हूं कि लोगों ने हमारे 'न्यू असम' अभियान को स्वीकार किया है। चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा जो सभ्य चुनाव प्रचार किया गया, लोगों ने उसे स्वीकारा है। हमारे कैंपेन के तरीके की भी सराहना की है। हम जो संदेश लोगों तक पहुंचाना चाहते थे, उसमें हम काफी हद तक सफल रहे हैं। इसलिए हमें पूरी उम्मीद है कि असम में नई कांग्रेस सरकार बनेगी।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को जमानत मिलने पर गौरव गोगोई ने सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा डरे हुए नहीं है। अगर कोई डरा है तो वे सीएम सरमा हैं। उनके डर का अंदाजा उनके बर्ताव, धमकी देने के तरीके और बोलने के अंदाज से लगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि अगर उनमें इतना आत्मविश्वास होता तो उनका बर्ताव बिल्कुल अलग होता। उन्हें खुद भी पता है कि पवन खेड़ा की प्रेस कॉन्फ्रेंस से सच्चाई सामने आ चुकी है।

गोगोई ने कहा कि आप चाहे अपने बाल कितने भी खींच लें, लेकिन शोर-शराबे कर सच्चाई को मिटा नहीं सकते। वे पुलिस का दुरुपयोग कर सच को झूठ में नहीं बदल सकते।

भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, असम में गुरुवार को 2026 के विधानसभा चुनावों में अब तक की सबसे ज्यादा वोटिंग दर्ज की गई। इस बार 85.38 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले, जो पूरे राज्य में लोगों की जबरदस्त भागीदारी को दिखाता है। वोटिंग में लोगों की भागीदारी ने 2016 के विधानसभा चुनावों में दर्ज 84.67 प्रतिशत के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो राज्य के चुनावी इतिहास में एक अहम मील का पत्थर साबित हुआ।

चांदिवली में ईवीएम जांच पर महाराष्ट्र सीईओ का स्पष्टीकरण, दावे को बताया गलत

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने शुक्रवार को मुंबई उपनगरीय जिले के चांदिवली विधानसभा क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के निरीक्षण से जुड़ी रिपोर्टों पर स्पष्टीकरण जारी किया। यह स्पष्टीकरण कांग्रेस के पूर्व मंत्री नसीम खान के दावों के बाद आया है। उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा था कि भारत के चुनावी इतिहास में पहली बार किसी अदालत ने चांदिवली में ईवीएम की जांच और निरीक्षण की अनुमति दी है, जहां वे 2024 का विधानसभा चुनाव हार गए थे।

सीईओ के कार्यालय ने कहा कि ऐसी रिपोर्टें, जिनमें यह सुझाव दिया गया था कि महाराष्ट्र में यह अपनी तरह का पहला सत्यापन था, तथ्यात्मक रूप से गलत थीं। उन्होंने बताया कि फरवरी और अगस्त 2025 के बीच राज्य भर में 17 उम्मीदवारों के लिए इसी तरह की सत्यापन प्रक्रियाएं पहले ही पूरी की जा चुकी थीं।

कार्यालय ने कहा कि न्यायिक आदेशों के अनुसार, 16 अप्रैल, 2026 को 168-चांदिवली विधानसभा क्षेत्र में 20 ईवीएम का सत्यापन-'डायग्नोस्टिक चेक' का उपयोग करके ईवीएम जांच और सत्यापन के माध्यम से किया जाएगा। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद, भारत निर्वाचन आयोग ने 2024 और 2025 में दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें चुनाव में दूसरा या तीसरा स्थान पाने वाले उम्मीदवारों को ईवीएम सत्यापन का अनुरोध करने की अनुमति दी गई। औपचारिक आवेदन जमा करने और निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर, यह प्रक्रिया किसी निर्वाचन क्षेत्र में उपयोग की गई कुल ईवीएम में से 5 प्रतिशत तक का सत्यापन करने की अनुमति देती है, जो या तो 'मॉक पोल' या 'डायग्नोस्टिक चेक' के माध्यम से किया जाता है।

2024 के महाराष्ट्र लोकसभा और विधानसभा चुनावों के संबंध में, 17 उम्मीदवारों ने ऐसे सत्यापन के लिए आवेदन किया था, जो बाद में फरवरी और अगस्त 2025 के बीच उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में पूरा किया गया। विज्ञप्ति में यह भी जोड़ा गया कि नसीम खान ने आवश्यक शुल्क का भुगतान करने के बाद नवंबर 2024 में सत्यापन के लिए एक आवेदन जमा किया था। हालांकि, उस समय हाई कोर्ट में उनके द्वारा दायर एक चुनाव याचिका लंबित थी, इसलिए सत्यापन तुरंत नहीं किया जा सका, क्योंकि ऐसे मामलों में अदालत की पूर्व अनुमति अनिवार्य होती है।

पश्चिम एशिया संकट: यूएई से 95 और कतर से 8-10 उड़ानें, भारत लौटे 8.43 लाख यात्री

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच जिन देशों का हवाई क्षेत्र खुला है, वहां से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि 28 फरवरी से अब तक करीब 8.43 लाख यात्री खाड़ी क्षेत्र से भारत आ चुके हैं।

संयुक्त अरब अमीरात से भारत के लिए सीमित गैर-निर्धारित वाणिज्यिक उड़ानें संचालित हो रही हैं। संचालन और सुरक्षा स्थितियों को देखते हुए गुरुवार को यहां से लगभग 95 उड़ानों के संचालन की उम्मीद है।

कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है, जहां से कतर एयरवेज भारत के लिए करीब 8-10 उड़ानें संचालित करने की संभावना है।

सऊदी अरब और ओमान के विभिन्न हवाई अड्डों से भी भारत के लिए उड़ानें जारी हैं। बहरीन का हवाई क्षेत्र खुला है और गल्फ एयर भारत के लिए सीमित उड़ानों की योजना बना रही है। साथ ही सऊदी अरब के दम्माम एयरपोर्ट से भी विशेष उड़ानें संचालित की जा रही हैं।

कुवैत का हवाई क्षेत्र अभी बंद है। ऐसे में जज़ीरा एयरवेज और कुवैत एयरवेज दम्माम एयरपोर्ट के जरिए भारत के लिए विशेष उड़ानें चला रही हैं। कुवैत से भारतीय नागरिकों की आवाजाही सऊदी अरब के माध्यम से कराई जा रही है। ईरान में भारतीय दूतावास अब तक 2,180 भारतीयों को

आर्मेनिया और अज़रबैजान पहुंचाने में मदद कर चुका है, जहां से उनकी भारत वापसी कराई जा रही है। इनमें 981 छात्र और 657 मछुआरे शामिल हैं।

इज़रायल का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है और सीमित उड़ानें संचालित हो रही हैं। यहां से भारतीय नागरिकों को जॉर्डन और मिस्र के रास्ते भारत लाया जा रहा है।

इराक का हवाई क्षेत्र भी सीमित संचालन के साथ खुला है। यहां से भारतीयों की वापसी जॉर्डन और सऊदी अरब के जरिए कराई जा रही है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि स्थिति पर नजर रखने के लिए एक विशेष नियंत्रण कक्ष 24×7 काम कर रहा है, जो भारतीय मिशनों के साथ समन्वय बनाए हुए है। साथ ही राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से भी लगातार संपर्क रखा जा रहा है।

भारतीय मिशन 24 घंटे हेल्पलाइन के जरिए नागरिकों की मदद कर रहे हैं और समय-समय पर यात्रा, स्थानीय दिशा-निर्देशों और कांसुलर सेवाओं से जुड़ी अपडेट जारी कर रहे हैं। साथ ही भारतीय समुदाय, पेशेवर समूहों और कंपनियों के साथ भी लगातार समन्वय बनाए रखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने विकास कार्यों, घोषणाओं एवं परियोजनाओं की समीक्षा की

देहरादून । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में नैनीताल एवं ऊधमसिंहनगर जनपद के अंतर्गत आने वाली विधानसभाओं के विकास कार्यों, घोषणाओं एवं अन्य कार्यों की समीक्षा बैठक की।

सीएम धामी ने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि बैठक में विधायकगणों द्वारा क्षेत्र के विकास से सम्बंधित रखे गए विभिन्न विषयों पर अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं के समाधान हेतु विधायकगणों के साथ निरंतर संवाद किया जाए। जिन योजनाओं में एक से अधिक विभागों की सहभागिता है, उनके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आपसी समन्वय स्थापित किया जाए।

अधिकारियों को आगामी वर्षाकाल को ध्यान में रखते हुए बरसात से पूर्व सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। गर्मियों में अनावश्यक बिजली कटौती न करने एवं पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, राम सिंह कैड़ा, बंशीधर भगत, दीवान सिंह बिष्ट, त्रिलोक सिंह चीमा, सीए शिव अरोरा व सरीता आर्य मौजूद रहे।

इससे पहले सीएम धामी ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि कैंप कार्यालय, देहरादून में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विकसित श्रमिक सेवा मोबाइल एप का लोकार्पण करने के साथ ही 8005 श्रमिकों के खाते में 17 करोड़ रुपए से अधिक राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का गुजरात दौरा, एम्स राजकोट के दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल

राजकोट/गांधीनगर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 13 और 14 अप्रैल को गुजरात में दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राजकोट स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 13 अप्रैल को संस्थान का पहला दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें वर्ष 2020 में प्रवेश लेने वाले एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।

दीक्षांत समारोह में कुल 49 छात्रों को एमबीबीएस की डिग्रियां मिलेंगी, जबकि एक छात्र को वायरोलॉजी में पोस्ट डॉक्टोरल सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने वालीं राष्ट्रपति मुर्मु दीक्षांत भाषण देंगी। साथ ही, पदक व डिग्री प्रमाण पत्र वितरित करेंगी।

एमबीबीएस छात्रों को दस पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमें शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए चार स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य

पदक शामिल हैं।

इस समारोह में लगभग 700 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें ग्रेजुएट, उनके परिवार, फैकल्टी सदस्य और आमंत्रित मेहमान शामिल हैं। इस समारौह में जिन लोगों के मौजूद रहने की संभावना है, उनमें गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया शामिल हैं। एम्स राजकोट की स्थापना 2019 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में की गई थी।

इसके बाद अगले दिन 14 अप्रैल को राष्ट्रपति गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम शाम लगभग 5 बजे विश्वविद्यालय के लवाद-देहगाम स्थित कैंपस में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तथा पुलिस अध्ययन पर केंद्रित 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' के रूप में नामित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। उनके दौरे की तैयारियां फिलहाल चल रही हैं।

राष्ट्रपति ने पिछली बार पिछले साल अक्टूबर में गुजरात का दौरा किया था। यह 9 से 11 तारीख तक चला तीन दिवसीय दौरा था, जिसके दौरान उन्होंने अहमदाबाद स्थित गुजरात विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह सहित कई आधिकारिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था।

गौतमबुद्ध नगर में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन, राजनीतिक दलों को सौंपी गई लिस्ट

गौतमबुद्ध नगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत जिले की विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य राजनीतिक दलों को अंतिम रूप से तैयार की गई निर्वाचक नामावली (मतदाता सूची) उपलब्ध कराना था।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के प्रावधानों के तहत

तैयार की गई सूची को औपचारिक रूप से सभी दलों के प्रतिनिधियों को सौंपा। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रक्रिया के जरिए मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने का प्रयास किया गया है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन हो चुका है और आम नागरिक अपने-अपने मतदान केंद्रों पर जाकर अगले एक सप्ताह तक इस सूची का अवलोकन कर सकते हैं। यदि किसी प्रकार की त्रुटि या सुधार की आवश्यकता हो तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसका निराकरण कराया जा सकता है। जनपद गौतमबुद्धनगर में कुल 15,05,082 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 8,23,304 पुरुष, 6,81,728 महिला और 50 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो 61-नोएडा में कुल 5,87,195 मतदाता हैं, जिनमें 3,24,477 पुरुष, 2,62,708 महिला और 10 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। वहीं, 62-दादरी में 6,05,204 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 3,28,244 पुरुष, 2,76,926 महिला और 34 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। 63-जेवर विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,12,683 मतदाता हैं, जिनमें 1,70,583 पुरुष, 1,42,094 महिला और 6 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

मतदान केंद्रों की बात करें तो जनपद में कुल 743 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें 61-नोएडा में 233, 62-दादरी में 303 और 63-जेवर में 207 मतदान केंद्र शामिल हैं। इसके अलावा कुल 2,024 मतदेय स्थल बनाए गए हैं, जिनमें नोएडा में 811, दादरी में 794 और जेवर में 419 मतदेय स्थल हैं। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

प्रशासन ने सभी दलों से सहयोग की अपील करते हुए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है और इससे आगामी चुनावों की तैयारी को गति मिलेगी।

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए सख्त तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. एसएस संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर राज्य में तैनात सभी केंद्रीय पर्यवेक्षकों की समीक्षा बैठक की।

तमिलनाडु में 23 अप्रैल 2026 को एक चरण में 234 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। इसको लेकर शुक्रवार को आयोजित बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कुल 326 केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने हिस्सा लिया। इनमें 136 सामान्य पर्यवेक्षक, 40 पुलिस पर्यवेक्षक और 150 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं। तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी इस बैठक में जुड़े।

बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ने पर्यवेक्षकों को साफ निर्देश दिए कि वे चुनाव को उत्सव के माहौल में कराने पर पूरा ध्यान दें। मतदान पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए। किसी भी तरह के प्रलोभन, धमकी, या हिंसा को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आयोग ने आदर्श आचार

संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अगर कहीं कोई उल्लंघन होता है, तो तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

पर्यवेक्षकों को यह भी कहा गया कि वे अपने संपर्क नंबर और शिकायत सुनने के स्थान-समय की अच्छी तरीके से जानकारी दें। आम जनता, राजनीतिक दल, उम्मीदवार और उनके एजेंट आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें।

मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान देने को कहा गया। इसमें पीठासीन अधिकारियों का सही प्रशिक्षण शामिल है। हर दो घंटे पर और मतदान खत्म होने के बाद वोटर टर्नआउट की जानकारी समय पर ईसीआईएनईटी के वोटर टर्नआउट मॉड्यूल में दर्ज करनी होगी। अमिट स्याही का सही इस्तेमाल, फॉर्म 17-सी को ठीक से भरना और मतदान एजेंटों के साथ साझा करना भी जरूरी है। मॉक पोल का डेटा मतदान शुरू होने से पहले हटा देना चाहिए। सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश भी दिए गए। इसमें मोबाइल फोन जमा करने की व्यवस्था और मतदाताओं के लिए बैठने की बेंच शामिल हैं। गर्म मौसम को देखते हुए हर केंद्र पर पर्याप्त पीने का पानी और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

इजरायल-लेबनान बॉर्डर पर तैनात 600 भारतीय सैनिक सुरक्षित

नई दिल्ली। ईरान के साथ भले ही अमेरिका का दो हफ्तों का सीजफायर हो गया हो, लेकिन इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अपने ऑपरेशन जारी रखे हैं। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच जारी इस संघर्ष के बीच भारतीय सेना भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही है। यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फोर्स इन लेबनान (यूएनआईएफआईएल) के तहत इजरायल-लेबनान सीमा पर 600 भारतीय सैनिक तैनात हैं। रक्षा अधिकारियों के अनुसार मौजूदा हालात में सभी भारतीय सैनिक सुरक्षित हैं। सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सामरिक (टैक्टिकल) गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी तैयारियां यूएन मैंडेट के अनुरूप बनाए रखी गई हैं। भारत भी वर्तमान स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्रालय ने लेबनान में बड़ी संख्या में नागरिक हताहतों की खबरों पर गहरी चिंता जताई है। इजरायल और लेबनान के बीच 'ब्लू लाइन' पर शांति सेना तैनात है। यह पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय सीमा नहीं, बल्कि 'लाइन ऑफ विदड्रॉल' है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2000 में इजरायली सेना की लेबनान से वापसी के बाद निर्धारित किया था। यह ब्लू लाइन अस्थायी है और यूएनआईएफआईएल इसकी निगरानी करता है।

ब्लू लाइन पर भारतीय सैनिकों सहित लगभग 50 देशों के 10,000 से अधिक सैनिक तैनात हैं। यूएनआईएफआईएल के तहत इस क्षेत्र को दो सेक्टरों—ईस्ट सेक्टर और वेस्ट सेक्टर—में विभाजित किया गया है। भारतीय सेना की एक बटालियन ईस्ट सेक्टर में, गोलान हाइट्स की ओर मरजायूं क्षेत्र में तैनात है। दोनों सेक्टरों में ब्रिगेड स्तर की तैनाती है, जिसमें प्रत्येक सेक्टर में 3 से 4 बटालियन शामिल हैं, और हर बटालियन में लगभग 600 से अधिक सैनिक होते हैं। भारतीय सेना की एक बटालियन कई दशकों से यूएनआईएफआईएल में तैनात है।

संपादकीय

महात्मा फुले: सामाजिक क्रांति के अग्रदूत

महेन्द्र तिवारी

महात्मा ज्योतिराव फुले भारतीय समाज सुधार के इतिहास में एक ऐसे युगप्रवर्तक के रूप में प्रतिष्ठित हैं, जिन्होंने उस समय सामाजिक परिवर्तन की मशाल जलाई जब समाज गहरी रूढ़ियों, जातिगत विभाजन और स्त्री-वंचना के अंधकार में डूबा हुआ था। उनका जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के पुणे में एक साधारण माली परिवार में हुआ। उनका पूरा नाम ज्योतिराव गोविंदराव फुले था। उनके पिता गोविंदराव फूलों का व्यापार करते थे, इसी कारण उनके परिवार को 'फुले' नाम से जाना जाने लगा। बचपन से ही उन्होंने जाति आधारित भेदभाव और अपमान का सामना किया, जिसने उनके भीतर अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की तीव्र चेतना जागृत की। ज्योतिराव फुले का जीवन केवल व्यक्तिगत संघर्ष की कहानी नहीं है, बल्कि वह उस सामाजिक क्रांति की कथा है जिसने भारत में समानता, शिक्षा और मानव अधिकारों की नई दिशा निर्धारित की। प्रारंभिक शिक्षा के लिए उन्हें स्कॉटिश मिशन विद्यालय में प्रवेश मिला, जहाँ उन्हें स्वतंत्र चिंतन, समानता और मानवता के विचारों से परिचित होने का अवसर मिला। यही शिक्षा उनके जीवन का निर्णायक मोड़ बनी और उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने का संकल्प लिया। उनकी जीवन यात्रा में उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। सावित्रीबाई स्वयं उस समय की सामाजिक व्यवस्था की पीड़ित थीं, जहाँ स्त्रियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। ज्योतिराव ने उन्हें शिक्षित किया और आगे चलकर दोनों ने मिलकर समाज सुधार का ऐसा कार्य आरंभ किया, जिसने इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। 1848 में उन्होंने पुणे में भारत का पहला कन्या विद्यालय स्थापित किया, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था, क्योंकि उस दौर में स्त्रियों और निम्न वर्गों के लिए शिक्षा की कल्पना भी नहीं की जाती थी। इस विद्यालय की स्थापना केवल एक शैक्षिक प्रयास नहीं थी, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था के विरुद्ध एक खुली चुनौती थी। समाज के रूढ़िवादी वर्गों ने इसका तीव्र विरोध किया। सावित्रीबाई जब विद्यालय जाती थीं, तो उन पर पत्थर, कीचड़ और गोबर तक फेंका जाता था, फिर भी उन्होंने अपने कार्य को नहीं छोड़ा। यह संघर्ष दर्शाता है कि फुले दंपत्ति केवल विचारक ही नहीं, बल्कि साहसी कर्मयोगी भी थे। ज्योतिराव फुले ने समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था को मानवता के विरुद्ध बताया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जाति के आधार पर मनुष्य का मूल्यांकन अन्यायपूर्ण है। 1873 में उन्होंने 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य शूद्रों, अतिशूद्रों और स्त्रियों को सामाजिक अन्याय से मुक्त करना था। इस संस्था ने धार्मिक आडंबरों और ब्राह्मणवादी वर्चस्व को चुनौती दी तथा समाज में समानता और आत्मसम्मान की भावना को जागृत किया। फुले ने केवल शिक्षा और संगठन के माध्यम से ही नहीं, बल्कि अपने लेखन के द्वारा भी समाज को जागृत किया। उनकी प्रसिद्ध कृति 'गुलामगिरी' में उन्होंने जाति व्यवस्था की तीखी आलोचना की और यह बताया कि किस प्रकार सामाजिक ढांचे ने एक बड़े वर्ग को मानसिक और सामाजिक दासता में जकड़ रखा है। उनका लेखन केवल आलोचना नहीं था, बल्कि वह एक वैचारिक क्रांति का आह्वान था। उन्होंने विधवाओं और अनाथों के लिए आश्रय स्थल स्थापित किए, जहाँ उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिल सके। उस समय विधवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय थी, उन्हें समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता था। फुले दंपत्ति ने इस अन्याय के विरुद्ध खड़े होकर उन्हें संरक्षण और सम्मान दिया। उन्होंने बाल हत्या को रोकने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए और समाज को मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। ज्योतिराव फुले का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने समाज के सबसे वंचित वर्गों को यह विश्वास दिलाया कि वे भी सम्मान और अधिकार के साथ जीवन जी सकते हैं। उन्होंने अपने घर का कुआँ सभी जातियों के लिए खोल दिया, जो उस समय एक अत्यंत साहसिक कदम था। यह कार्य केवल प्रतीकात्मक नहीं था, बल्कि यह सामाजिक समानता का वास्तविक उदाहरण था। उनकी विचारधारा ने आगे चलकर अनेक समाज सुधार आंदोलनों को प्रेरित किया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने उन्हें अपने प्रमुख प्रेरणा स्रोतों में शामिल किया और उनके विचारों को आगे बढ़ाया। फुले का यह मानना था कि शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से समाज में वास्तविक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक मुक्ति का उपकरण माना। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सामाजिक परिवर्तन केवल विचारों से नहीं, बल्कि साहस और निरंतर प्रयास से संभव होता है। उन्होंने उस समय के समाज में व्याप्त अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया, जब इसके लिए उन्हें सामाजिक बहिष्कार और अपमान का सामना करना पड़ा। फिर भी उन्होंने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया। 28 नवंबर 1890 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं। उनका जीवन और कार्य आज भी उन सभी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है, जो समाज में समानता, न्याय और मानवता की स्थापना के लिए प्रयासरत हैं। आज जब हम आधुनिक भारत में शिक्षा, समान अधिकार और सामाजिक न्याय की बात करते हैं, तो उसके मूल में कहीं न कहीं ज्योतिराव फुले के विचार और संघर्ष मौजूद हैं। महात्मा फुले का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा परिवर्तन वही है, जो समाज के सबसे कमजोर और वंचित वर्ग तक पहुंचे।

आस्था का बाज़ारीकरण: वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं'—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 'प्रीमियम सेवा' बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है।

धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना।

दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है।

तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है। आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो?

मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है—जहाँ सब बराबर हैं।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

तीन राज्यों में बंपर वोटिंग ने क्या संदेश दिया? क्या जनादेश अभी से साफ नजर आ रहा है?

असम, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में इस बार जबरदस्त मतदान ने लोकतंत्र की मजबूती का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। लगभग 80 प्रतिशत के औसत मतदान ने यह संकेत दिया है कि जनता न केवल राजनीतिक रूप से जागरूक है, बल्कि अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इतना ही नहीं, इस भारी मतदान ने राजनीतिक दलों की धड़कनें भी तेज कर दी हैं, क्योंकि हर दल इसे अपने पक्ष में जनसमर्थन के रूप में देख रहा है। हालांकि इस बंपर मतदान के वास्तविक मायने क्या हैं, यह समझने के लिए तीनों राज्यों का अलग अलग विश्लेषण जरूरी है।

सबसे पहले बात असम की करें तो यहां का मतदान प्रतिशत न केवल पिछले चुनावों से अधिक रहा बल्कि कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पहले के चुनावों के मुकाबले अधिक है। खास बात यह रही कि सोलह निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान नब्बे प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। दलगांव में तो मतदान लगभग 95 प्रतिशत के करीब रहा, जो राज्य में सबसे अधिक है। असम में चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से दो ध्रुवों के बीच रहा। एक ओर भाजपा के नेतृत्व वाला सत्तारुढ़ गठबंधन है जो लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष गठबंधन सत्ता में वापसी के लिए संघर्षरत है। इसके अलावा कुछ क्षेत्रीय दल भी कुछ सीटों पर प्रभाव डालने की स्थिति में हैं।

यहां मतदान का एक महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता के रूप में सामने आया। निचले असम के क्षेत्रों में, जहां अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहां मतदान प्रतिशत अत्यधिक रहा। बरपेटा, बोंगाईगांव और धुबरी जैसे जिलों में मतदान नब्बे प्रतिशत से ऊपर दर्ज किया गया। इसके विपरीत ऊपरी असम के क्षेत्रों में मतदान अपेक्षाकृत कम रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि चुनावी उत्साह उन क्षेत्रों में अधिक था जहां मुकाबला अधिक तीखा है।

हालांकि मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर हिंसा की घटनाएं भी सामने आईं, लेकिन कुल मिलाकर मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। भारी मतदान को लेकर सत्तारुढ़ नेतृत्व ने इसे ऐतिहासिक बताया और इसे जनता के विश्वास का प्रतीक माना।

अब केरल की बात करें तो यहां का चुनाव परंपरागत रूप से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच होता रहा है। इस बार भी मुख्य मुकाबला सत्तारुढ़ वाम मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ मोर्चे के बीच रहा, जबकि तीसरा विकल्प बनने की कोशिश कर रहा भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगा है। केरल में लगभग 77 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले चुनाव से अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक कोझिकोड जिले में सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जबकि कुछ क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। केरल में इस बार चुनाव का मुख्य सवाल यह रहा कि क्या सत्तारुढ़ गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगा या फिर विपक्ष वापसी करेगा? उच्च मतदान को लेकर अलग अलग राजनीतिक दलों ने अलग अलग दावे किए हैं। सत्तारुढ़ पक्ष इसे अपनी नीतियों के समर्थन के रूप में देख रहा है, जबकि विपक्ष इसे बदलाव की इच्छा का संकेत बता रहा है। हम आपको बता दें कि उत्तर केरल यानी मलाबार क्षेत्र इस बार भी चुनावी परिणामों की कुंजी माना जा रहा है। यहां की साठ सीटों पर तीनों प्रमुख राजनीतिक धाराओं की नजर है। पिछले चुनाव में इस क्षेत्र में सत्तारुढ़ दल को बड़ी सफलता मिली थी, लेकिन इस बार विपक्ष यहां बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है। कई सीटों पर कड़ा मुकाबला और अस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान इस क्षेत्र को और भी महत्वपूर्ण बना देता है।

अब पुडुचेरी की बात करें तो यहां सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो लगभग नब्बे प्रतिशत के करीब रहा। यह पिछले सभी रिकॉर्ड को पार करता हुआ दिखाई देता है। यहां मुकाबला मुख्य रूप से दो गठबंधनों के बीच है।

बोध कथा

अनुत्तीर्ण विद्यार्थिनी बनी महाविद्यालय की टॉपर

मेरा गणित विषय बहुत कमजोर था, जिससे महाविद्यालय में पास होना मुझे चुनौती-सा लगता था।

मेरी जन्मकुंडली में लिखा था कि मेरी पढ़ाई छूट जायेगी और हुआ भी ऐसा ही !! महाविद्यालय के प्रथम वर्ष की परीक्षा में मैं पास नहीं हो सकी और मेरी पढ़ाई छूट गयी । परंतु मेरे सद्गुरुदेव बापूजी ने मेरे लेख पर मेख मार दी और मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

चेटीचंड के अवसर पर अहमदाबाद में मैंने गुरुमंत्र लिया और फिर से पढ़ाई चालू की।

गुरुमंत्र लेने के बाद मेरी किस्मत के सितारे तो ऐसे चमके कि मैं हर सेमेस्टर में आगे बढ़ती चली गयी। आखिर पूज्य बापूजी की कृपा से मैं सरदार पटेल विश्वविद्यालय (गुजरात) में प्रथम आयी । अब मैं एन्वायरमेंट बायोटेक से मास्टर्स कर रही हूँ।

कहाँ तो मैं एक सामान्य विद्यार्थिनी थी जो गणित विषय में अनुत्तीर्ण हो जाती थी और कहाँ मैं पूरी यूनिवर्सिटी में प्रथम आयी। यह सब पूज्य बापूजी की कृपा से हुआ ।

पूज्यश्री ने हमें हमेशा हर मुश्किल घड़ी से उबारा है। बापूजी के श्रीचरणों में मेरी श्रद्धा-भक्ति हमेशा बढ़ती रहे यही मेरी प्रार्थना है।

जिन्होंने पूरी दुनिया में संयम-शिक्षा, निःस्वार्थ समाज-सेवा, देश-सेवा, गौ-सेवा और भक्ति-ज्ञानयोग की गंगा बहाकर करोड़ों लोगों को पवित्र किया है, ऐसे परम पवित्र पूज्य बापूजी पर षड्यंत्र करके जो आरोप लगाये जा रहे हैं वे सब-के-सब पूरी तरह झूठे और मनगढंत हैं। मैं उनका खंडन करती हूँ।

व्यंग्य केसरी

सोशल' बनाम 'वोकल' मीडिया

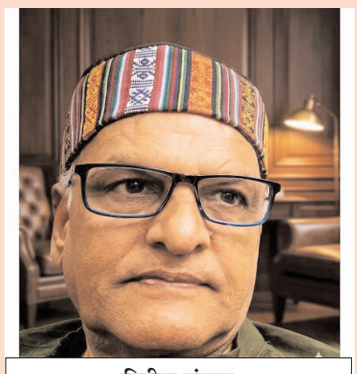

गिरीश पंकज

बड़ी चर्चा है भाई कि अब सोशल मीडिया आ गया है. 'फेसबुक', 'ट्विटर', और 'व्हाट्सऐप' आदि -आदि. मतलब मीडिया का नया अवतार, लेकिन लोग भूल रहे हैं कि 'सोशल मीडिया' पर अपना 'वोकल मीडिया' आज भी कित्ता भारी पड़ता है. हमारे इलाके के लंपटलालजी इस 'वोकल मीडिया' के महान 'एडमिन' है. 'वोकल' का अर्थ आप जानते ही है. वोकल यानी जो चीजो को मौखिक तरीके से इधर-उधर करता रहता है. अपने नारद मुनि की तरह। लंपटलाल जी 'वोकलिस्ट' यानी गायक भी रहते तो कोई बात नहीं थी, मगर वे अखंड 'वोकलिस्ट' है यानी बकवादी हैं। पहले खुद को 'सोशलिस्ट' कहते थे। फिर अचानक 'चोचलिस्ट' हो गए यानी नौटंकीबाज़ दिखने के लिए समाजवाद और जीने के लिए पूंजीवाद और जब से पूंजी का ओवरफ्लो होने लगा है. उनका 'वोकल आर्गन' यानी कंठ-गला हर घड़ी सक्रिय रहता है, बिलकुल बेताब। मौका मिला और गुरु हो जाते हैं शुरु. पहले लोग उनको गंभीरता सेलेते थे, मगर अब उनको देखते ही पतली गली से भागने लगते है कि पता नहीं,किसकी पगड़ी उछलने लग जाएं। वोकलिस्टजी केवल अफवाहे ही फैलाते है. इस काम में उनको परम सुख मिलता है. कहते ही रहे हैं कि वही काम करो जिसमे परम सुख मिले, उन्होंने अपना एक गीत बनाया है-' 'मन लाग्यो मेरो यार चुगली में। जो सुख पायो चुगली मे, वो सुख नहीं खुजली में.''

वोकल-एडमिन को देखते ही लोग उनसे

बच कर निकल जाना चाहते है, मगर कोई-न-कोई फंस ही जाता है. उस दिन एडमिन मुझसे टकरा गए तो मैंने ऐसे ही कह दिया, कहा, ' 'मैंने रामस्वरूप से भेंट की थी , उसने तो ऐसा कुछ नहीं कहा मेरे बारे में. वो तो मेरीतारीफ़ ही कर रहा था.'' मेरी बात सुन कर वोकल मीडिया के एडमिन जी बोले, ' 'ऐसा क्या, तो फिर वो किसी दूसरे आदमी के बारे में बोल होगा। उसने रामलाल की बात की थी, मुझे लगा कि आप ही होंगे।''

मैंने हंस कर कहा- ' 'लेकिन मैं तो श्यामलाल हूँ।''

एडमिनजी बोले- ओह, सॉरी, हम नाम के कारण तनिक कन्फुजिया गए थे। रामलाल और श्यामलाल मे. खैर, अब रामलाल के पास जा कर बताना पड़ेगा.''

वे चले गए. फिर बहुत दिनों तक मिले नहीं, मुझे अच्छा लगा. लेकिन उनकी तारीफे सुनता रहा, लोग उनके बारे में यही कहते हैं कि 'सोशल मीडिया एक तरफ और इनका वोकल मीडिया एक तरफ' लेकिन दिक्कत यही है कि ये अब लंपटलाल जी अकेले नहीं रहे,यहाँ अब वोकलमीडया वाले बढ़ते ही जा रहे हैं.प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में भी और नए-नए सोशलमीडिया में भी ।

मध्यपूर्व में तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 918 अंक उछला

मुंबई। मध्यपूर्व में तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 918.60 अंक या 1.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,550.25 और निफ्टी 275.50 अंक या 1.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,050.60 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व ऑटो स्टॉक्स ने किया। इस कारण सूचकांक में निफ्टी ऑटो 2.85 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। निफ्टी रियल्टी 2.08 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 2.06 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.01 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.98 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.74 प्रतिशत और निफ्टी कंजप्शन 1.55 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 1.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 865.20 अंक या 1.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,843.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 274.10 अंक या 1.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ 16,840.10 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, इंडिगो, एसबीआई, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एचयूएल, पावर ग्रिड, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, बीईएल और एनटीपीसी गेनर्स थे। सन फार्मा, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक लूजर्स थे।

एसबीआई सिक्योरिटीज के टेक्निकल और डेरिवेटिव्स रिसर्च हेड सुदीप शाह ने कहा कि बाजार की शुरुआत गैपअप के साथ हुई थी। इसके बाद बाजार ने एक रेंज में कारोबार किया और 24,000 के ऊपर बंद होने में सफल रहा।

उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी के लिए रुकावट का स्तर 24,200 से लेकर 24,250 है। अगर यह स्तर पार होता है तो निफ्टी 24,400 और फिर 24,600 तक निकट अवधि में जा सकता है। गिरावट की स्थिति में सपोर्ट जोन 23,850 से लेकर 23,800 के बीच में है।

निर्माण लागत घटाने के लिए आधुनिक तकनीक और तेज फैसलों की जरूरत: नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को निर्माण लागत कम करने और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए तेज फैसले लेने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने और टिकाऊ (सस्टेनेबल) तरीकों पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करने के लिए जमीन अधिग्रहण और जरूरी मंजूरियां (क्लीयरेंस) पहले ही पूरी कर लेना बेहद जरूरी है। इससे प्रोजेक्ट्स का काम बिना रुकावट के आगे बढ़ सकता है।

उन्होंने बताया कि पहले क्लीयरेंस में देरी और प्रक्रियात्मक अड़चनों के कारण कई प्रोजेक्ट्स की समयसीमा प्रभावित हुई और ठेकेदारों की वित्तीय स्थिति पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ा।

गडकरी ने भविष्य के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए बायोफ्यूल, बायोमास-आधारित ईंधन और अन्य वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि इससे पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम होगी और संचालन लागत घटेगी। उन्होंने वेस्ट-टू-वेल्थ तकनीकों के ज्यादा इस्तेमाल पर भी जोर दिया, जैसे सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरे और पुराने टायरों का पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग)।

सफल नवाचारों का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग से अच्छे परिणाम मिले हैं, खासकर नागपुर में पॉजिटिव रिजल्ट देखने को मिले हैं।

उन्होंने भविष्य की तकनीकों और रिसर्च-आधारित समाधान अपनाने की जरूरत पर भी जोर दिया और इंडस्ट्री, रिसर्च संस्थानों और शिक्षा संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग को बढ़ावा देने की बात कही। गडकरी ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए तेज फैसले, बेहतर योजना और गुणवत्ता के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि नवाचार, उद्यमिता, विज्ञान, तकनीक, रिसर्च और कुशल कार्यप्रणाली के जरिए ही ज्ञान को संपत्ति में बदला जा सकता है।

मंत्री ने प्रोजेक्ट्स के मूल्यांकन में गुणवत्ता को प्राथमिकता देने की बात कही और कहा कि लागत के साथ-साथ प्रदर्शन और गुणवत्ता को भी बराबर महत्व मिलना चाहिए।

शासन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए केन्या ने अपनाया भारत का डीपीआई मॉडल: रिपोर्ट

नई दिल्ली। केन्या ने अपनी शासन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) को अपनाया है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें यूपीआई जैसे इंस्टेंट पेमेंट सिस्टम और डिजीलॉकर जैसी डिजिटल डॉक्यूमेंट स्टोरेज सुविधा शामिल है।

इंडिया नैरेटिव की रिपोर्ट में कहा गया है कि केन्या की प्रशासनिक व्यवस्था, जो लंबे समय से देरी और बिखरे हुए पहचान सिस्टम की समस्याओं से जूझ रही थी, अब भारतीय डिजिटल सिस्टम की मदद से बड़ा बदलाव करने जा रही है। इससे सरकारी सेवाएं तेज होंगी और तेजी से बढ़ रही अफ्रीकी अर्थव्यवस्था में डिजिटल व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, '2023 से 2026 के बीच यूपीआई जैसे पेमेंट सिस्टम और डिजीलॉकर जैसी डॉक्यूमेंट स्टोरेज के पायलट प्रोजेक्ट्स एक मजबूत दक्षिण-

दक्षिण साझेदारी का उदाहरण हैं। इससे केन्या महाद्वीप में डिजिटल क्षेत्र का अग्रणी देश बन सकता है और आम लोगों के लिए सरकारी प्रक्रियाएं आसान होंगी।

यूपीआई जैसे सिस्टम को केन्या के नागरिकों को दिए जाने वाले यूनिक पर्सनल आईडी नंबर 'माईशा नंबा' के साथ जोड़ा जा रहा है, जिससे शिक्षा सुधार और केनेक जैसे पोर्टल्स को मजबूती मिलेगी।

इन पायलट प्रोजेक्ट्स का उद्देश्य पहचान, पेमेंट और सुरक्षित डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन को एक साथ जोड़ना है, ताकि सरकार से नागरिकों तक सेवाएं (जी2सी), शिक्षा सुधार और छोटे व्यवसायों के पेमेंट सिस्टम को बेहतर बनाया जा सके। साथ ही यह एम-पेसा जैसे मौजूदा मोबाइल मनी प्लेटफॉर्म के साथ भी काम करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, पूरी तरह लागू होने के बाद यह सिस्टम रेमिटेंस, व्यापारिक भुगतान और सरकारी सेवाओं को गति प्रदान करेगा, साथ ही धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने में भी मदद करेगा।

अप्रैल 2026 में पायलट प्रोजेक्ट्स के दौरान बेहतर नतीजे देखने को मिले, जैसे तेज आईडी प्रोसेस, कम भ्रष्टाचार और मजबूत डिजिटल संप्रभुता। रिपोर्ट में कहा गया कि 'केन्या सिर्फ अपनाने ही नहीं, बल्कि अफ्रीकी जरूरतों के हिसाब से डीपीआई को ढाल भी रहा है।

डिजीलॉकर जैसे टूल्स ने डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को हफ्तों से घटाकर मिनटों में कर दिया, जिससे लोगों को लंबी लाइनों से राहत मिली। वहीं यूपीआई और माइशा नंबा का एकीकरण शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक कई क्षेत्रों को फायदा पहुंचा सकता है। केन्या में करीब 60 प्रतिशत टेक्नोलॉजी पहुंच होने के कारण डिजिटल पेमेंट को और बढ़ावा मिल सकता है।

वैश्विक संघर्षों के चलते मार्च में गोल्ड ईटीएफ निवेश में आई गिरावट

मुंबई। एम्फी यानी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मार्च 2026 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में मार्च के दौरान निवेश में भारी गिरावट देखने को मिली और गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपए रह गया, जो फरवरी के मुकाबले आधे से भी कम है।

फरवरी में निवेशकों ने इन फंड्स में 5,255 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था, जिससे यह गिरावट काफी अहम मानी जा रही है।

इस गिरावट की मुख्य वजह भू-राजनीतिक अनिश्चितता रही, खासकर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित किया।

गोल्ड ईटीएफ, जो सोने की कीमत को ट्रैक करते हैं, निवेश का एक आसान और टैक्स-

एफिशिएंट विकल्प माने जाते हैं। इनमें निवेश करने पर फिजिकल गोल्ड रखने की जरूरत नहीं होती, जिससे सुरक्षा और स्टोरेज की चिंता खत्म हो जाती है।

फिलहाल भारत में ऐसे 25 गोल्ड ईटीएफ स्कीम्स निवेशकों के लिए उपलब्ध हैं। निवेश में यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब सोने की कीमतों में भारी गिरावट आई है।घरेलू बाजार में मार्च के दौरान सोने की कीमतों में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट आई, जो उसी अवधि में बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स में आई गिरावट के समान रही।

कीमतों में इस गिरावट से निवेशकों की रुचि कम हुई है, जबकि आमतौर पर अनिश्चितता के समय सोना एक सुरक्षित निवेश (सेफ-हेवन) माना जाता है।

हालांकि, इनफ्लो में कमी के बावजूद गोल्ड ईटीएफ का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) मजबूत बना रहा।

31 मार्च तक एयूएम 1.71 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पहले सोने की कीमतों में आई तेजी के कारण बढ़ा था।

वैश्विक स्तर पर स्थिति और ज्यादा कमजोर रही। विश्व स्वर्ण परिषद (वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल) के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में गोल्ड ईटीएफ से 12 अरब डॉलर की निकासी हुई, जो अब तक की सबसे बड़ी मासिक गिरावट है।

इस भारी निकासी ने उस उम्मीद को झटका दिया, जिसमें माना जा रहा था कि यह तिमाही गोल्ड ईटीएफ निवेश के लिहाज से सबसे मजबूत रहेगी।

इसके बावजूद, लंबे समय के नजरिए से देखें तो वैश्विक स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में लगातार सातवीं तिमाही में शुद्ध निवेश दर्ज किया गया है, जो इस सेक्टर की मजबूती को दिखाता है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ग्रोथ की गति धीमी होने के बावजूद भारत के चीन समेत अन्य अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकलने का अनुमान: एडीबी

नई दिल्ली । भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि धीमी पड़ने के बावजूद भारत इस क्षेत्र और चीन से आगे निकलने के लिए तैयार है। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) द्वारा शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

एडीबी के विश्लेषण के मुताबिक, विकासशील एशिया और प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि दर भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के कारण पिछले वर्ष के 5.4 प्रतिशत से घटकर 2026 और 2027 में 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके विपरीत, भारत की आर्थिक वृद्धि 2026 में 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो मजबूत घरेलू खपत के चलते 2027 में बढ़कर 7.3 प्रतिशत हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल और 2027 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र की ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं की ग्रोथ धीमी पड़ने की आशंका है, लेकिन भारत की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है।

एडीबी ने यह भी कहा कि यह क्षेत्र मजबूत घरेलू मांग, स्थिर श्रम बाजार और बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च के चलते अभी भी बेहतर स्थिति में है, हालांकि जोखिम नीचे की ओर बने हुए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) में आर्थिक वृद्धि इस साल घटकर 4.6 प्रतिशत और अगले साल 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 5 प्रतिशत थी। इसके पीछे प्रॉपर्टी सेक्टर की कमजोरी और निर्यात में धीमापन मुख्य कारण हैं।

एडीबी के चीफ इकोनॉमिस्ट अल्बर्ट पार्क ने कहा कि मिडिल ईस्ट में लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष ऊर्जा और खाद्य कीमतों को बढ़ा सकता है और वित्तीय स्थितियों को और खराब कर सकता है, जो इस क्षेत्र के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक व्यापार नीतियों में लगातार उतार-चढ़ाव से भी क्षेत्र की ग्रोथ पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

हालांकि, मजबूत निजी खपत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े उत्पादों की बढ़ती मांग क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं को कुछ हद तक समर्थन मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा, तेल की कीमतें फिलहाल ऊंची बनी रह सकती हैं, लेकिन अगर भू-राजनीतिक तनाव कम होता है, तो आने वाले समय में इनमें स्थिरता आ सकती है।

वुमानिया पहल से जीईएम प्लेटफॉर्म से जुड़े 2.1 लाख महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसई, 13.7 लाख ऑर्डर्स मिले

नई दिल्ली। 'वुमानिया' पहल से वित्त वर्ष 26 में सरकारी-ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर 2.1 लाख से ज्यादा महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म और लधु उद्यम (एमएसई) ने पंजीकरण किया है और उन्हें 13.7 लाख ऑर्डर्स मिले हैं। यह जानकारी शुक्रवार को सरकार की ओर से दी गई।

आधिकारिक बयान के अनुसार, महिला के नेतृत्व वाले लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसई) को 28,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के कॉन्ट्रैक्ट दिए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 27.60 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

कार्यक्रम के लाभार्थियों ने वित्त वर्ष 2026 में जीईएम के कुल ऑर्डर का 5.6 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त किया, जो निर्धारित 3 प्रतिशत के खरीद लक्ष्य से अधिक है।

इस पहल से महिला उद्यमी और स्वयं सहायता समूह जेईएम प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीधे सरकारी खरीदारों को अपना सामान बेच सकेंगे।

यह योजना हस्तशिल्प, हथकरघा, जूट, नारियल, गृह सज्जा और कार्यालय साज-सज्जा जैसी निर्दिष्ट श्रेणियों की खरीद को कवर करती है। बयान में कहा गया कि जमीनी स्तर पर, जिला प्रशासन, उद्यम सहायता केंद्र और प्रशिक्षण संस्थान विक्रेताओं की तत्परता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और उत्पाद सूची कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। जेईएम पर यह पहल मौजूदा उत्पादन क्षमताओं को औपचारिक, टिकाऊ

उद्यम भागीदारी में परिवर्तित करती है।

बयान में कहा गया है, 'जैसे-जैसे अधिक महिलाएं दृश्यता प्राप्त करती हैं, क्षमता निर्माण करती हैं और सरकारी खरीदारों से जुड़ती हैं, वुमनिया न केवल एक खरीद पहल बन जाती है, बल्कि अधिक आर्थिक स्वतंत्रता और व्यापक प्रतिनिधित्व का मार्ग भी बन जाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सार्वजनिक खरीद समाज के बेहतर वर्ग की क्षमताओं और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है। महिला नेतृत्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों की डिजिटल ऑनबोर्डिंग उद्यम सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजीकरण के माध्यम से की जाता है, जबकि उत्पाद सूची में परिभाषित तकनीकी विशिष्टताओं के साथ एकसमान कैटलॉग टेम्पलेट का पालन किया जाता है ताकि खरीदार का मूल्यांकन आसान हो सके। बोली लगाना, ऑर्डर देना, स्वीकृति, बिलिंग और भुगतान आदि सहित सभी खरीद गतिविधियां डिजिटल रूप से की जाती हैं, जिससे मध्यस्थों पर निर्भरता कम होती है और महिला नेतृत्व वाले उद्यमों और सरकारी खरीदारों के बीच सीधा संपर्क स्थापित होता है।

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 8 महीनों के उच्चतम स्तर पर; एसआईपी ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा शुक्रवार को जारी मासिक आंकड़ों के अनुसार, मार्च में एक्टिव इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 40,450.26 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश (इनफ्लो) दर्ज हुआ, जो जुलाई 2025 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। फरवरी में यह आंकड़ा 25,977.81 करोड़ रुपए था।

वहीं, पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग से 2.39 लाख करोड़ रुपए की निकासी हुई, जबकि फरवरी में 94,530 करोड़ रुपए का निवेश आया था।

इस बीच, सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश ने नया रिकॉर्ड बनाया। मार्च में एसआईपी का

योगदान बढ़कर 32,087 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो फरवरी के 29,845 करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रिटेल निवेशकों की लगातार भागीदारी को दिखाता है।

हालांकि, पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में मार्च के दौरान 2.39 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी देखी गई, जबकि फरवरी में इसमें 94,530 करोड़ रुपए का निवेश आया था। इसका मुख्य कारण डेट फंड्स से भारी पैसे का निकलना रहा।

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, निवेश में यह तेजी एसआईपी के जरिए लगातार निवेश, साल के अंत में पोर्टफोलियो एडजस्टमेंट और हाल की बाजार गिरावट को खरीदारी के मौके के रूप में देखने के कारण आई है।

उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण बाजार में आई अस्थिरता ने लॉन्ग-टर्म निवेशकों के लिए अच्छे एंट्री पॉइंट दिए, जिससे कई निवेशकों ने म्यूचुअल फंड्स के जरिए इक्विटी में निवेश बढ़ाया।

इक्विटी कैटेगरी में सभी सेगमेंट्स में निवेश बढ़ा। इसमें फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे आगे रहे, जिनमें मार्च में 10,054.12 करोड़ रुपए का निवेश आया, जबकि फरवरी में यह 6,924.65 करोड़ रुपए था। मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड्स में भी निवेश बढ़ा। मिड-कैप में 6,063.53 करोड़ रुपए और स्मॉल-कैप में 6,263.56 करोड़ रुपए का इनफ्लो आया, जो फरवरी के क्रमशः 4,002.99 करोड़ और 3,881.06 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसके अलावा, लार्ज-कैप फंड्स में 2,997.84 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में 2,698.82 करोड़ रुपए का स्थिर निवेश देखा गया।

इसके उलट, डेट म्यूचुअल फंड्स में मार्च में 2.94 लाख करोड़ रुपए की भारी निकासी हुई, जबकि फरवरी में इनमें 42,106.31 करोड़ रुपए का निवेश आया था। ओवरनाइट और लिक्विड फंड्स इस निकासी के मुख्य कारण रहे।

हाइब्रिड स्कीम्स में भी 16,538.47 करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई, जबकि आर्बिट्रेज फंड्स से 21,113.70 करोड़ रुपए की निकासी हुई।

इसके अलावा, गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपए रह गया, जो फरवरी के 5,254.95 करोड़ रुपए का लगभग आधा है।

हालांकि, नए फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए मार्च में 24 लॉन्च के माध्यम से 3,985 करोड़ रुपए जुटाए गए, जबकि फरवरी में 21 स्कीम्स के जरिए 4,979 करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

अमेरिका के खिलाफ ऑनलाइन सूचना युद्ध में ईरान ने कैसे लड़ी लड़ाई, और क्यों कुछ लोग मानते हैं कि वह जीत गया

ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमलों के साथ जो कुछ हुआ, वह सिर्फ एक सैन्य टकराव नहीं था, बल्कि स्क्रीन पर लड़ा जाने वाला एक समानांतर युद्ध भी था—तेज़, विकेंद्रीकृत और अक्सर अदृश्य। 28 फरवरी को पहले हमलों के कुछ ही घंटों के भीतर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीडियो, दावों, मीम्स और कथाओं से भर गए, जिन्होंने वास्तविकता और मनगढ़ंत बातों के बीच की रेखा धुंधली कर दी।

संघर्ष पर नजर रखने वाले शोधकर्ताओं और विश्लेषकों का कहना है कि ईरान इस सूचना युद्ध में सिर्फ शामिल नहीं था, बल्कि पूरी तैयारी के साथ उतरा था। कुछ का तो यह भी मानना है कि वैश्विक धारणा को आकार देने में उसने अपने विरोधियों को मात दे दी, जबकि जमीनी स्थिति कहीं अधिक जटिल बनी रही।

सिर्फ 69 मिनट में लाखों तक पहुंचा एक वीडियो

ईरान के सूचना अभियानों की गति और पैमाना एक चौंकाने वाले उदाहरण में दिखा, जिसका विश्लेषण द न्यूयॉर्क टाइम्स ने किया: एक हिलता-डुलता वीडियो, जिसमें कथित तौर पर एक अमेरिकी F/-18 लड़ाकू विमान पर हमला होते दिखाया गया।

एनवाईटी के पुनर्निर्माण के अनुसार, यह क्लिप पहली बार पूर्वी समयानुसार दोपहर 1:04 बजे पर एक कम-ज्ञात ईरान-समर्थित अकाउंट से पोस्ट हुआ। एक मिनट के भीतर इसे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने टेलीग्राम पर साझा किया, और लगभग उसी समय ईरानी दूतावास और वाणिज्य दूतावास के आधिकारिक ङ्क अकाउंट्स ने भी इसे पोस्ट किया, जिससे दावे को तुरंत वैधता का एक स्तर मिल गया।

इसके बाद इसका प्रसार तेज़ और बहु-स्तरीय हो गया। ईरानी राज्य टीवी ने क्लिप प्रसारित किया, और एक मिनट के भीतर रूस के सरकारी समर्थित नेटवर्क ऋञ्ज ने भी इसे अपने ब्रांडिंग के साथ रीपोस्ट कर दिया, जिससे तेहरान और मॉस्को के बीच समन्वित संदेश का संकेत मिला।

दोपहर 1:14 बजे तक, 'Megatron' नामक एक प्रो-रूसी इन्फ्लुएंसर अकाउंट ने इस वीडियो को लगभग 20 लाख व्यूज़ तक पहुंचा दिया, जबकि अभी तक इस दावे की कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं थी। कुछ ही मिनटों बाद, ढ्ढक्रत्रष्ट ने एक अहम विवरण जोड़ा कि जेट को 'सटीक रूप से निशाना बनाया गया' और वह हिंद महासागर में गिर गया—यह कथानक बदलाव मलबे की अनुपस्थिति को समझाने में मदद करता था।

इसके बाद एक जाना-पहचाना लेकिन प्रभावशाली पैटर्न सामने आया। मॉनिटरिंग फर्म Cyabra के विश्लेषण (जिसका हवाला NYT रिपोर्ट में दिया गया) के अनुसार, संदिग्ध बॉट अकाउंट्स ने कमेंट सेक्शन में छोटे-छोटे जश्न वाले संदेश और इमोजी की बाढ़ ला दी, जबकि प्रमुख इन्फ्लुएंसर्स ने भी इस दावे को और बढ़ाया। इनमें सुलैमान अहमद शामिल थे, जिन्होंने RT का वीडियो अपने बड़े फॉलोअर बेस (8.63 लाख फॉलोअर्स) के साथ साझा किया, और एड क्रासेंस्टीन, जिन्होंने एक मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के बीच इसे पोस्ट किया, हालांकि यह भी लिखा कि इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

इन्फ्लुएंसर मारियो नॉफाल ने भी वीडियो शेयर करते हुए इसे 'अगर सच है तो ऐतिहासिक' बताया।

इन सावधानी भरे पोस्ट्स ने भी इसकी पहुंच बढ़ाने में मदद की। सिर्फ एक घंटे से थोड़ा अधिक समय में F/-18 का उल्लेख तेजी से बढ़ा, जिससे केवल ङ्क पर ही 3.5 करोड़ से अधिक व्यूज़ मिले, और वीडियो टेलीग्राम, टिकटॉक, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर फैल गया।

दोपहर 2:13 बजे जब यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने बयान जारी कर कहा कि कोई भी अमेरिकी विमान नहीं गिराया गया है, तब तक यह कथा वैश्विक स्तर पर स्थापित हो चुकी थी—जिसे कई देशों में राज्य मीडिया, इन्फ्लुएंसर्स और समन्वित नेटवर्क ने मिलकर फैलाया था।

इस दावे के समर्थन में कभी कोई सबूत सामने नहीं आया।

यह कोई अकेली घटना नहीं थी। विश्लेषकों के अनुसार, ईरान का तरीका एक बहु-स्तरीय इकोसिस्टम जैसा है, जिसमें आधिकारिक संदेश, गुप्त प्रभाव नेटवर्क और वैश्विक यूज़र्स द्वारा अनजाने में किया गया प्रसार शामिल है।

इसके केंद्र में राज्य मीडिया और ढ्ढक्रत्रष्ट से जुड़े अकाउंट्स थे, जो कथाओं को तैयार कर उन्हें फैलाते थे। इसके बाद इन्हें एक व्यापक नेटवर्क उठाता था—कुछ असली, कुछ नकली—जो अलग-अलग क्षेत्रों के सामान्य यूज़र्स जैसे दिखते थे।

क्लेम्सन यूनिवर्सिटी मीडिया फॉरेंसिक्स हब के शोधकर्ताओं ने ङ्क, इंस्टाग्राम और ब्लूस्काई पर ऐसे कम से कम 62 अकाउंट्स की पहचान की। ये प्रोफाइल टेक्सास और कैलिफोर्निया जैसे अमेरिकी राज्यों, वेनेजुएला और चिली में स्पेनिश बोलने वाले यूज़र्स के रूप में, और यूनाइटेड किंगडम व आयरलैंड जैसे देशों में अंग्रेज़ी बोलने वाले यूज़र्स के रूप में सामने आए।

केमिकल से पके आम की पहचान कैसे करें? इस ट्रिक से देखते ही पहचान सकेंगे

आम को फलों का राजा कहा जाता है। ऐसे में गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोगों को इस फल का इंतजार रहता है। आम एक ऐसा फल जिसका स्वाद हर किसी को पसंद आता है। गर्मियों में मीठे, रसीले न केवल मुंह का स्वाद बदल देते हैं बल्कि माइंड को भी तरोताजा कर देते हैं। बाजार में आम बिकने लगे हैं। लेकिन बाजार में मिलने वाले आमों को पकाने के लिए केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक माने जाते हैं। ऐसे में यहां हम कुछ आसान ट्रिक के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे आप केमिकल से पके आम की पहचान आसानी से कर सकेंगे। तो चलिए जानते हैं केमिकल से पके आम की पहचान कैसे करें। प्राकृतिक रूप से पका आम हर जगह से एक जैसा पीला नहीं होता, उसमें कहीं हरा तो कहीं हल्का पीलापन होता है। जबकि केमिकल से पके आम पूरी तरह से एक समान चमकीले पीले दिखते हैं। इनमें कहीं भी हरापन नहीं होता, जो कि अप्राकृतिक है। पूरी तरह से एक समान चमकीले पीले दिखते हैं। इनमें कहीं भी हरापन नहीं होता। केमिकल से पके आमों पर अक्सर सफेद या भूरे रंग के धब्बे नज़र आते हैं।

यह सबसे आसान तरीका माना जाता है। इसके लिए एक बाल्टी में पानी भरें और उसमें आम डाल दें। जो आम प्राकृतिक रूप से पके होते हैं, वे भारी होते हैं और पानी में डूब जाते हैं। यदि आम पानी के ऊपर तैरने लगे, तो समझ जाइए कि उसे कार्बाइड से पकाया गया है, क्योंकि केमिकल के कारण उनमें हवा/गैस भर जाती है और वे हल्के हो जाते हैं। प्राकृतिक रूप से पके आम दबाने पर यह कहीं से नरम और कहीं से थोड़ा सख्त हो सकता है। लेकिन केमिकल वाले आम छूने पर हर तरफ से एक समान नरम लगते हैं।

नेचुरली पके आम की अपनी एक मीठी खुशबू होती है। जबकि केमिकल वाले आमों में या तो खुशबू बिल्कुल नहीं होती या फिर उनमें से अजीब सी केमिकल जैसी गंध आती है।

तरबूज या खरबूजा वजन घटाने के लिए क्या है ज्यादा फायदेमंद, किसे खाने से तेजी से कम होता है मोटापा

मोटापा कम करने के लिए आपको डाइट पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। कई बार हम ऐसी चीजें खा रहे होते हैं जो वजन कम करने में मुश्किलें पैदा करती हैं। वजन घटाना है तो खाने में ज्यादा से ज्यादा फल और सब्जियां शामिल करें। फलों में खासतौर से पानी से भरपूर फल अच्छे माने जाते हैं। गर्मी के दिनों में पानी से भरपूर फल आते हैं। जिसमें तरबूज और खरबूजा जैसे फल वेट लॉस में असरदार साबित होते हैं। हालांकि कुछ लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि तरबूज और खरबूजा में से कौन सा फल तेजी से वजन कम करता है। आइये डाइटिशियन स्वाति सिंह से जानते हैं वजन घटाने के लिए तरबूज खाना अच्छा है या खरबूजा खाना।

वजन घटाने के लिए तरबूज या खरबूजा क्या है फायदेमंद

डाइटिशियन स्वाति सिंह की मानें तो तरबूज और खरबूजा दोनों ही वजन घटाने के लिए फायदेमंद फल है। दोनों में अंतर ये होता है कि खरबूजा में तरबूज से कैलोरी ज्यादा होती हैं। वहीं तरबूज में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, इसलिए इसे खाने के काफी देर बाद तक पेट भरा रहता है। खरबूजा में पानी भी होता है और इसमें फाइबर ज्यादा होता है। जिससे पेट साफ होता है और पाचन मजबूत होता है। तो तरबूज और खरबूजा दोनों वजन घटाने के लिए अच्छे होते हैं।

तरबूज में कैलोरी बहुत कम होती हैं। तरबूज में 92% से अधिक पानी की मात्रा पाई जाती है। अगर आप 100 ग्राम तरबूज खाते हैं तो इससे 30 कैलोरी और 1 कप कटे हुए तरबूज में सिर्फ 46 कैलोरी होती है। गर्मी के दिनों में तरबूज खाना सेहत के लिए फायदेमंद साबित होता है। इससे शरीर हाइड्रेट रहता है और लो कैलोरी फूड पेट को लंबे समय तक फुल रखता है।

खरबूजा भी लो कैलोरी वाला फल है, करीब 100 ग्राम खरबूजा में 34 से 36 कैलोरी होती है। अगर आप 1 कप खरबूज खाते हैं तो इसमें 60 कैलोरी मिलती है। खरबूजा गर्मी के दिनों में नाश्ते के लिए अच्छा लो कैलोरी विकल्प है। इसमें विटामिन﹐, विटामिन सी और पानी पाया जाता है, जो वजन घटाने में हेल्प करते हैं।

डाइटिशियन की मानें तो वेट लॉस के लिए आपको किसी एक फल पर निर्भर रहना ठीक नहीं है। कोई एक चीज खाने से वजन कम नहीं होता है। इसके लिए बैलेंस डाइट लेना बहुत जरूरी है। जिसमें आपका खाना, खाने का समय, उम्र, लंबाई और जेंडर क्या है। इन सारी चीजों को ध्यान में रखते हुए आपको अपना डाइट प्लान करना चाहिए। इससे आप लंबे समय में आसानी से वजन कम कर सकते हैं।

'40% फायर सेल': दक्षिण एशिया को 'लॉक-इन' करने के लिए रूस गैस की कीमतें क्यों घटा रहा है और भारत के लिए इसका क्या मतलब

वैश्विक प्राकृतिक गैस बाजार हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के प्रभावी बंद होने से झटके झेल रहा है, इसी बीच रूस ने ऊर्जा संकट से जूझ रहे दक्षिण एशियाई बाजार पर कब्जा जमाने के लिए आक्रामक अभियान शुरू किया है। गुरुवार को आई रिपोर्टों के अनुसार, मॉस्को अपने अमेरिकी प्रतिबंधित संयंत्रों से निकलने वाली द्रवीकृत प्राकृतिक गैस को तात्कालिक बाजार कीमतों से करीब 40 प्रतिशत सस्ते में पेश कर रहा है। ये खेपें मुख्य रूप से ब्लैकलिस्ट किए गए प्रोजेक्ट्स से आ रही हैं और इन्हें चीन और रूस की कम-ज्ञात मध्यस्थ कंपनियों के जरिए बेचा जा रहा है। रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि ईंधन के रूसी स्रोत को छिपाने के लिए फर्जी दस्तावेज़ बनाने की पेशकश भी की जा रही है।

रूस गैस की कीमतें इतनी तेजी से क्यों घटा रहा है?

40 प्रतिशत छूट देने का फैसला भू-राजनीतिक परिस्थितियों के जटिल मेल का नतीजा है। सबसे अहम कारण है आपूर्ति में अचानक आई बड़ी कमी। दुनिया के सबसे बड़े गैस निर्यातकों में शामिल कतर के ढांचे पर हमलों और हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य की नाकेबंदी के कारण वैश्विक आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत प्रभावित हुआ है। इससे भारत और बांग्लादेश जैसे पारंपरिक खरीदारों को तात्कालिक बाजार की ओर रुख करना पड़ा, जहां हाल के हफ्तों में कीमतें कई बार दोगुनी हो चुकी हैं।

ऐसे में भारी छूट देकर रूस खुद को एक 'आर्थिक राहत' के रूप में पेश कर रहा है—खासकर उन देशों के लिए जिन्हें उर्वरक और बिजली जैसे अहम क्षेत्रों में गैस आपूर्ति घटानी पड़ रही है। रूस का लक्ष्य इस क्षेत्रीय मजबूरी को दीर्घकालिक बाजार हिस्सेदारी में बदलना है, यानी वैश्विक आपूर्ति सामान्य होने से पहले दक्षिण एशियाई देशों को अपने साथ 'स्थायी रूप से जोड़ लेना'।

क्या यह हताशा का संकेत है या रणनीतिक बदलाव?

यह कदम रणनीतिक जरूर है, लेकिन इसके पीछे दबाव भी साफ दिखता है। रूस को जल्द ही राजस्व में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि यूरोपीय संघ रूसी गैस आयात पर व्यापक प्रतिबंध लागू करने जा रहा है। यह प्रतिबंध 25 अप्रैल से अल्पकालिक अनुबंधों पर लागू होगा और 2027 तक पूरी तरह समाप्त करने की योजना है। यूरोप जैसा बड़ा बाजार तेजी से बंद हो रहा है, ऐसे में रूस को अपने उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्रों के बड़े गैस संयंत्रों के लिए नए खरीदार ढूंढने ही होंगे, वरना उत्पादन ठप होने का खतरा है। फिलहाल चीन ही एक बड़ा देश है जो प्रतिबंधित रूसी गैस की ढुलाई के लिए 'छाया बेड़े' का उपयोग कर रहा है। अब दक्षिण एशिया को सस्ती गैस का लालच देकर रूस अपने ग्राहकों का दायरा बढ़ाना चाहता है और चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है।

यह सिर्फ भंडार निकालने की कोशिश नहीं है, बल्कि पश्चिमी बैंकिंग प्रणाली से बाहर नए व्यापारिक रास्ते और वित्तीय तंत्र बनाने की रणनीति भी है।

भारत और बांग्लादेश जैसे देशों के सामने सबसे बड़ी बाधा अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा है। अमेरिका पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि प्रतिबंधित रूसी गैस परियोजनाओं से जुड़े किसी भी लेन-देन पर कड़ी कार्रवाई हो सकती है। इन प्रतिबंधों से बचने के लिए रूसी और चीनी बिचौलिए 'साफ-सुथरे' कागजात देने की पेशकश कर रहे हैं, जिनमें गैस का स्रोत ओमान या नाइजीरिया जैसे तटस्थ देशों को दिखाया जाता है। भारत ने अब तक प्रतिबंधित गैस को लेकर सावधानी बरती है, भले ही उसने रियायती रूसी तेल खरीदा हो। हाल ही में भारत ने 2019 के बाद पहली बार ईरानी तेल की खरीद एक अस्थायी अमेरिकी छूट के तहत की, लेकिन क्या वह रूसी गैस के मामले में भी ऐसा जोखिम उठाएगा—यह अभी स्पष्ट नहीं है।

विश्व होम्योपैथी दिवस 2026: क्या है होम्योपैथी? फायदे, जोखिम और विज्ञान क्या कहता है

विश्व होम्योपैथी दिवस हर साल 10 अप्रैल को मनाया जाता है, ताकि होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन के योगदान को याद किया जा सके। यह दिन आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में होम्योपैथी की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को इसके संभावित लाभों के बारे में जानने के लिए प्रेरित करता है। होम्योपैथी एक वैकल्पिक उपचार पद्धति है, जिसमें अत्यधिक पतले किए गए पदार्थों का उपयोग कर शरीर की प्राकृतिक उपचार क्षमता को सक्रिय करने की कोशिश की जाती है। यह दिन चिकित्सकों और मरीजों दोनों को अपने अनुभव साझा करने और यह चर्चा करने का अवसर देता है कि होम्योपैथी उनके लिए कैसे काम करती है। हालांकि यह कई लोगों के बीच लोकप्रिय है, लेकिन इसके फायदे और संभावित जोखिमों को समझना भी जरूरी है।

तो, विज्ञान होम्योपैथी के बारे में क्या कहता है?

इस वर्ष की थीम 'सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी' है, जिसे आयुष मंत्रालय के तहत केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद ने घोषित किया है। यह थीम सार्वजनिक स्वास्थ्य में समग्र और टिकाऊ उपचार पद्धतियों के समावेश पर जोर देती है।

विश्व होम्योपैथी दिवस का संबंध डॉ. सैमुअल हैनिमैन के जन्म से है, जिनका जन्म 10 अप्रैल 1755 को हुआ था। उन्होंने 'समरूपता का सिद्धांत' दिया, जिसके अनुसार जो पदार्थ स्वस्थ व्यक्ति में लक्षण पैदा करता है, वही अत्यधिक पतले रूप में बीमार व्यक्ति के उन्हीं लक्षणों के उपचार में उपयोगी हो सकता है। भारत में इस दिवस का आयोजन 1997 में शुरू हुआ और जल्द ही इसे वैश्विक पहचान मिल गई। प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. आर.के. मंचंदा ने इस दिन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और 2002 तक इसके आयोजन के लिए एक समिति का गठन किया गया, जो आज दुनिया भर में कार्यक्रमों का समन्वय करती है। दिन लोगों को होम्योपैथी के बारे में जागरूक करने और इसे एक वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह इसके संभावित लाभों को उजागर करता है, साथ ही इसकी प्रभावशीलता पर अधिक वैज्ञानिक शोध की आवश्यकता को भी स्वीकार करता है।

यह दिन प्रमाण-आधारित उपचार, वैज्ञानिक चुनौतियों और चिकित्सा प्रणाली के रूप में होम्योपैथी की सीमाओं पर खुली चर्चा का मंच भी प्रदान करता है। साथ ही, यह अधिक लोगों को इस क्षेत्र में करियर चुनने के लिए प्रेरित करता है और इसके वैश्विक विस्तार को बढ़ावा देता है।

होम्योपैथी को अक्सर प्राकृतिक उपचार और बीमारी के मूल कारण पर ध्यान देने के लिए सराहा जाता है, न कि केवल लक्षणों के उपचार के लिए। यह दृष्टिकोण आधुनिक समय में प्राकृतिक और टिकाऊ चिकित्सा पद्धतियों को मुख्यधारा में शामिल करने की प्रवृत्ति से मेल खाता है।

व्यक्तिगत उपचार: होम्योपैथी में दवाएं व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्थिति को ध्यान में रखकर दी जाती हैं।

कम दुष्प्रभाव: दवाओं के अत्यधिक पतले होने के कारण इन्हें सामान्यत: सुरक्षित माना जाता है और इनके दुष्प्रभाव अपेक्षाकृत कम होते हैं।

दीर्घकालिक बीमारियों में उपयोग: एलर्जी, अस्थमा और गठिया जैसी पुरानी बीमारियों में इसका उपयोग किया जाता है और इसे लंबे समय तक चलने वाली दवाओं का प्राकृतिक विकल्प माना जाता है।

वैज्ञानिक प्रमाण की कमी: व्यापक उपयोग के बावजूद कई बीमारियों में इसकी प्रभावशीलता के समर्थन में ठोस वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं। इलाज में देरी का खतरा: केवल होम्योपैथी पर निर्भर रहने से गंभीर बीमारियों के सही निदान या उपचार में देरी हो सकती है।

विशेषज्ञ से सलाह जरूरी: किसी भी नए उपचार की शुरुआत से पहले प्रशिक्षित चिकित्सक या स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है।

अंटार्कटिका से गायब होने की कगार पर क्यों पेंगुइन? पिघलती बर्फ के बीच घट रही आबादी की क्या वजह

दुनिया में जलवायु परिवर्तन की मार अब अंटार्कटिका के सबसे फेमस निवासी, 'एम्परर पेंगुइन' (Emperor Penguin) पर साफ दिखाई देने लगी है। इंटरनैशनल यूनियन फॉर कन्जर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) ने आधिकारिक तौर पर सम्राट पेंगुइन को 'संकटग्रस्त' श्रेणी से हटाकर 'लुप्तप्राय' श्रेणी में डाल दिया है। एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि अगर ग्लोबल वार्मिंग पर तुरंत लगाम नहीं लगाई गई, तो 2080 के दशक तक इनकी वैश्विक आबादी आधी रह सकती है। ऐसा क्यों है और किस वजह से हो रहा है? आइए समझते हैं।

क्यों खतरे में है अंटार्कटिका का सम्राट?

यह रिपोर्ट 9 अप्रैल 2026 को जारी की गई, जिसके अनुसार पेंगुइन के अस्तित्व पर मंडराते संकट का सबसे बड़ा कारण समुद्री बर्फ का तेजी से गायब होना है। एम्परर पेंगुइन, जो पेंगुइन प्रजातियों में सबसे भारी और बड़े होते हैं, पूरी तरह से समुद्री बर्फ पर निर्भर हैं। आइसबर्ग्स के विपरीत, समुद्री बर्फ जमे हुए समुद्र का पानी होती है, जो एक स्थिर प्लेटफॉर्म प्रदान करती है। पेंगुइन इसी बर्फ पर प्रजनन करते हैं, अपने चूजों को पालते हैं और शिकारियों से बचाते हैं।

साल 2016 के बाद से अंटार्कटिक समुद्री बर्फ रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। वसंत के मौसम में अगर बर्फ समय से पहले टूट जाती है, तो पेंगुइन के छोटे चूजे समुद्र में डूब जाते हैं या ठंड से जमकर मर जाते हैं, क्योंकि उनके पंख अभी वाटरप्रूफ नहीं होते हैं। आबादी में भारी गिरावट भी दर्ज की गई है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि 2009 से 2018 के बीच लगभग 20 हजार वयस्क पेंगुइन गायब हो गए हैं, जो उनकी कुल आबादी का करीब 10 प्रतिशत हैं।

संकट में पूरा अंटार्कटिक पारिस्थितिकी तंत्र

केवल एम्परर पेंगुइन ही नहीं, बल्कि अंटार्कटिका के अन्य जीव भी तबाह होने की कगार पर हैं। अंटार्कटिक फर सील को भी ढ्ढष्टहृ ने 'लुप्तप्राय' श्रेणी में रखा है। 1999 के बाद से इनकी आबादी में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। वहीं, सदर्न एलीफेंट सील को वल्नरेबल माना जा रहा है। बदलती जलवायु के साथ-साथ एक घातक रोगजनक इनके झुंडों को खत्म कर रहा है।

पेंगुइन पहले से ही धरती पर सबसे अधिक खतरे में घिरे पक्षियों में से एक हैं। सम्राट पेंगुइन का 'लुप्तप्राय' श्रेणी में आना एक सख्त चेतावनी है कि जलवायु परिवर्तन हमारी आंखों के सामने विलुप्ति के संकट को और तेज कर रहा है। सरकारों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं को कार्बन-मुक्त करने के लिए अब तत्काल कदम उठाने चाहिए।

मार्टिन हार्पर, सीईओ, बर्डलाइफ इंटरनेशनल

IUCN डायरेक्टर डॉ. ग्रेथेल एगुइलर ने कहा, 'ये महत्वपूर्ण निष्कर्ष हमें समाज के सभी क्षेत्रों और स्तरों पर जलवायु परिवर्तन से निर्णायक रूप से निपटने के लिए प्रेरित करने चाहिए। ढ्ढष्टहृ की रेड लिस्ट में सम्राट पेंगुइन और अंटार्कटिक फर सील की संख्या में गिरावट जलवायु परिवर्तन की वास्तविकताओं को लेकर एक चेतावनी है। जैसे-जैसे देश मई में अंटार्कटिक संधि परामर्श बैठक के लिए एकत्रित होने की तैयारी कर रहे हैं, ये आंकलन इस महाद्वीप और इसके विस्मयकारी वन्यजीवों के संबंध में निर्णय लेने के लिए आवश्यक डेटा प्रदान करते हैं। हमारे ग्रह के गार्जियन के रूप में अंटार्कटिका की भूमिका अपूरणीय है।

मेकअप में और खराब लगती हूं, नेहा शर्मा ने खुद पर किया मजेदार कमेंट

फिल्मी दुनिया में जहां सितारे अक्सर अपने परफेक्ट लुक और ग्लैमरस अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वहीं कई बार वही सितारे अपने फैंस के सामने अपनी असलियत भी खुलकर रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने शुक्रवार को एक ऐसा बयान दिया, जिसने फैंस को भी हैरान कर दिया।

नेहा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मेकअप किए हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह अपने बालों को फ्लिप करते हुए अपने लुक को दिखा रही हैं। आमतौर पर जहां सेलेब्रिटीज अपने मेकअप लुक की तारीफ करते हैं। वहीं नेहा ने इस बार बिल्कुल अलग अंदाज अपनाया।

वीडियो के साथ उन्होंने बेहद ईमानदारी से लिखा, ''मुझे अपने बाल और मेकअप ठीक से करना नहीं आता। मुझे इस स्किल को सीखने की जरूरत है, ताकि मैं खुद को बेहतर तरीके से प्रजेंट कर सकूं।'' इतना ही नहीं, नेहा ने अपने मेकअप लुक पर मजाकिया अंदाज में सवाल भी उठाया। उन्होंने लिखा, 'क्या मैं ही अकेली लड़की हूं जिसे लगता है कि मेकअप के साथ मैं और भी खराब दिखती हूं?' नेहा शर्मा की बात करें तो उन्हें कुकिंग, म्यूजिक सुनना, किताबें पढ़ना और डांस करना बेहद पसंद है। नेहा ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की ट्रेनिंग ली है और इसके अलावा, उन्होंने लंदन के पाइनएप्पल डांस स्टूडियो से स्ट्रीट हिप-हॉप, सालसा, मेरेंग्यू, जाइव और जैज जैसे कई वेस्टर्न डांस फॉर्म भी सीखे हैं।

फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 2007 में तेलुगु फिल्म 'चिरुथा' से करियर शुरू किया और बाद में 'क्रूक', 'क्या सुपर कूल हैं हम', 'यमला पगला दीवाना 2', 'तान्हाजी' और 'जोगीरा सारा रा रा' जैसी फिल्मों में नजर आईं। इसके अलावा, वह 'इल्लिगल' जैसी वेब सीरीज और कई म्यूजिक वीडियोज में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

जना नायकन के लीक पर चिंतित हुए सुपरस्टार चिरंजीवी, सिनेमा को बचाने की लगाई गुहार

मुंबई। साउथ के सुपरस्टार और राजनीति में कदम रख चुके राजनेता विजय की राजनीति में कदम रखने से पहले की आखिरी फिल्म 'जना नायकन' बीते काफी समय से चर्चा में बनी हुई है।

फिल्म की रिलीज डेट को बार-बार बदला जा रहा है, लेकिन अब फिल्म से जुड़े ऑनलाइन क्लिप सोशल मीडिया पर लीक हो गए हैं, जिससे मेकर्स और अभिनेता दोनों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इसी कड़ी में सुपरस्टार चिरंजीवी ने अभिनेता का सपोर्ट किया है और सभी से मिलकर सिनेमा को बचाने की गुहार लगाई है।

सुपरस्टार चिरंजीवी ने सोशल मीडिया के जरिए रिलीज से पहले फिल्म के लीक होने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है क्योंकि एक फिल्म को बनाने में पूरी टीम की मेहनत लगती है। अभिनेता ने सिनेमा के ऊपर मंडराते पाइरेसी को खतरे को सिनेमा की ग्रोथ के लिए घातक बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जना नायकन' के दुर्भाग्यपूर्ण लीक होने से मैं बहुत चिंतित हूँ। सिनेमा विश्वास, मेहनत और कई लोगों के सामूहिक सपनों पर टिका है। ऐसी घटनाएँ हम सभी फिल्म जगत के लोगों को प्रभावित करती हैं और हमें याद दिलाती हैं कि अपनी रचनात्मक कृतियों की रक्षा करना कितना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने आगे लिखा, 'मेरी संवेदनाएँ और समर्थन फिल्म टीम के साथ हैं। आइए हम सब मिलकर सिनेमा का सम्मान और संरक्षण करने की जिम्मेदारी लें। पाइरेसी को खत्म करो। सिनेमा बचाओ। अभिनेता के ट्वीट का यूजर्स भी सपोर्ट कर रहे हैं और फिल्म के नुकसान पर चिंता भी जता रहे हैं। यूजर्स फिल्म निर्माता, केवीएन प्रोडक्शंस को टैग करते हुए वीडियो लीक करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर फिल्म के मेकर्स की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है।

बता दें कि सोशल मीडिया पर विजय का एंट्री सीन और फिल्म का टाइटल क्रेडिट्स लीक हुई है। क्लिप में अभिनेता की एंट्री दिखाई जा रही है, जिससे उनका लुक और फिल्म को लेकर बनाया गया सस्पेंस दोनों की खत्म हो चुका है। वीडियो देखकर लग रहा है कि सेट से जुड़े किसी शख्स ने ही फिल्म के कुछ सीन्स को लीक किया है।

काम के नहीं ये दोस्त', गुलशन देवैया ने 'कांतारा: चैप्टर 1' से शेयर किया बीटीएस फोटो

मुंबई। बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के सितारे अक्सर फिल्मों के सेट से जुड़ी खास झलकियां अपने फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। ये बिहाइंड-द-सीन (बीटीएस) मोमेंट्स न सिर्फ फिल्म की मेहनत को दिखाते हैं, बल्कि कलाकारों के बीच की दोस्ती और मस्ती भरे रिश्तों की भी झलक देते हैं। इस कड़ी में शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर अभिनेता गुलशन देवैया ने अपनी आने वाली फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' के सेट से मजेदार तस्वीर शेयर की।

तस्वीर में गुलशन देवैया अपने को-एक्टर्स के साथ पानी में खड़े नजर आ रहे हैं। सभी कलाकार अपने-अपने किरदार के कॉस्ट्यूम में दिखाई दे रहे हैं और कैमरे के सामने पोज देते हुए दिख रहे हैं।

इस फोटो के साथ गुलशन ने छोटा, लेकिन मजेदार कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'काम के नहीं ये दोस्त! 'कांतारा: चैप्टर 1' से कट किए गए सीन का बीटीएस पल फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' एक बड़ी पौराणिक और एक्शन से भरपूर ड्रामा फिल्म है, जिसे ऋषभ शेट्टी ने डायरेक्ट किया है। खास बात यह है कि ऋषभ शेट्टी इस फिल्म में एक नहीं, बल्कि चार अहम किरदार निभा रहे हैं, जिनमें बर्मे, मयकारा, अन्नप्पा और काडुबेट्टू शिवा जैसे रोल शामिल हैं। फिल्म की कहानी पहले आई 'कांतारा' का प्रीक्वल है, जिसमें परंपरा, आस्था और पुराने संघर्षों की जड़ों को और गहराई से दिखाया गया है।

इस फिल्म में जयराम, रुक्मिणी वसंत और गुलशन देवैया अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अगर गुलशन देवैया के करियर की बात करें, तो वे इंडस्ट्री के उन कलाकारों में से हैं जिन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। वे 'शैतान', 'हेट स्टोरी' और 'हंटर' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं।

इसके अलावा उन्होंने कई चर्चित वेब सीरीज में भी काम किया है, जैसे 'अफसोस', 'दुरंगा', 'दहाड़', 'गन्स एंड गुलाब' और 'बैड कॉप्स'। हर प्रोजेक्ट में उनका अलग अंदाज देखने को मिलता है।

हाल ही में वे ओटीटी शो 'परफेक्ट फैमिली' में नजर आए, जिसे पंकज त्रिपाठी ने प्रोड्यूस किया। इस शो में नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा और गिरिजा ओक जैसे कलाकार भी नजर आए।

अनंत अंबानी की पीठ पर चढ़े सलमान खान, बोले- लिख लो, यह आदमी देश को भी उठाएगा

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की हर पोस्ट चर्चा का विषय बन जाती है। इस कड़ी में उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ऐसी तस्वीर साझा की, जिसने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया। इस तस्वीर में वह जाने-माने उद्योगपति परिवार के सदस्य अनंत अंबानी के साथ एक बेहद मजेदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। सलमान खान द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में वह अनंत अंबानी की पीठ पर चढ़े हुए दिखाई दे रहे हैं और दोनों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आ रही है। फोटो में उनके बीच की दोस्ती साफ झलक रही है। सलमान खान ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, ''यह बात सुनो, अगर याददाश्त कमजोर हो तो लिख लो, यह आदमी देश को भी उठाएगा।'' पोस्ट में सलमान खान ने आगे अनंत को अपना छोटा भाई बताया और उनके लंबे जीवन की कामना की। उन्होंने लिखा, ''मेरे छोटे भाई अनंत अमर रहे। वह दिल और दिमाग दोनों से बहुत मजबूत इंसान हैं और एक बेहद सच्चे स्वभाव वाला व्यक्ति हैं।'' इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रियाएं भी काफी दिलचस्प रही। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान और अनंत... दोनों की बॉन्डिंग कमाल की लग रही है।'' दूसरे यूजर ने लिखा, 'सलमान सर, आपने जो भरोसा अनंत अंबानी पर दिखाया है, वो आपके भाईचारे को बयां करता है।' अन्य यूजर्स ने लिखा, 'भाईजान, आप हमेशा दिल जीत लेते हो', 'सल्लू भाई का स्वैग अलग ही लेवल का है', 'कितने क्यूट लग रहे हो आप दोनों, सच में, बहुत फनी मोमेंट है।' बता दें कि सलमान खान ने अनंत के जन्मदिन के मौके पर एक इंस्टा पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने अनंत के साथ दो तस्वीरें साझा की, जिसमें पहले मुस्कुराते हुए, गले मिलते हुए और मस्ती करते दिखे। इस पोस्ट के साथ सलमान खान ने लिखा, ''सबसे निस्वार्थ, सबसे दयालु इंसान और कई लोगों के लिए प्रेरणा, मेरे छोटे भाई अनंत को जन्मदिन की बधाई।''

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री का 'अमिताभ बच्चन': 'इंद्रदेव' से मिली पहचान, मगर दर्द से भरा रहा अंतिम समय

मुंबई। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में एक समय वह सुपरस्टार थे। दर्शक उन्हें प्यार से 'पंजाबी सिनेमा का अमिताभ बच्चन' कहते थे। 'महाभारत' धारावाहिक में इंद्रदेव का किरदार निभाकर उन्होंने देशभर में ख्याति हासिल की। लेकिन शोहरत के बावजूद उनके जीवन का अंतिम दौर बेहद दर्द भरा और संघर्षपूर्ण रहा। जी हां! हम बात कर रहे हैं मंझे हुए सितारे अभिनेता सतीश कौल की।

8 सितंबर 1946 को कश्मीर में जन्में दिवंगत अभिनेता सतीश कौल की कहानी सफलता, लोकप्रियता और अंत में आई लाचारी के बारे में बताती है। उनके पिता मोहन लाल कौल एक जाने-माने कश्मीरी कवि थे। श्रीनगर में स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अभिनय का सपना देखा और पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में दाखिला लिया। वहां उनकी सहपाठी में डैनी डेन्जोंगपा, जया बच्चन और शत्रुघ्न सिन्हा जैसे कलाकार भी शामिल थे।

1970 के दशक में सतीश कौल ने पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की। उनकी रोमांटिक और भावुक भूमिकाओं ने जल्द ही उन्हें पंजाबी सिनेमा का चहेता बना दिया। 'सस्सी पुन्नू', 'इश्क निमाना', 'सुहाग चूड़ा', 'पटोला', 'आजादी', 'शेरा दे पुत्त शेर', 'मौला जट्ट' और 'पींगा प्यार दीयां' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अभिनय किया। चार दशक से अधिक के करियर में उन्होंने लगभग 300 फिल्मों में काम किया और पंजाबी दर्शकों के दिलों पर राज किया।

पंजाबी के साथ ही हिंदी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी किस्मत आजमाई। 'वारंट', 'कर्मा', 'आग ही आग', 'कमांडो', 'राम लखन' और 'प्यार तो होना ही था' जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया। हालांकि, हिंदी फिल्मों में उन्हें उतनी सफलता नहीं मिली जितनी पंजाबी सिनेमा में मिली।

सतीश कौल के करियर के लिए वरदान साबित हुआ बी.आर. चोपड़ा का धार्मिक टीवी शो 'महाभारत'। अभिनेता को सबसे ज्यादा पहचान बी.आर. चोपड़ा के लोकप्रिय धारावाहिक 'महाभारत' में इंद्रदेव के किरदार से मिली। इस भूमिका ने उन्हें घर-घर लोकप्रिय बना दिया। इसके अलावा, उन्होंने 'विक्रम और बेताल' और शाहरुख खान के साथ 'सर्कस' जैसे टीवी शो में भी यादगार किरदार निभाए।

शाहरुख खान ने एक बार इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने सबसे पहले सतीश कौल की फिल्म की शूटिंग देखी थी, जो उन्हें काफी पसंद आई और अभिनय में आने की प्रेरणा में से एक बनी।

पंजाबी सिनेमा में उनके योगदान को सम्मान देते हुए साल 2011 में उन्हें पीटीसी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया।लेकिन निजी जीवन में सतीश कौल को बहुत दुख झेलने पड़े। शादी के कुछ साल बाद ही उनका तलाक हो गया और पत्नी बेटे को लेकर अलग हो गई।

'टटीरी' विवाद के बाद बादशाह ने गाने को नए अंदाज में रिलीज करने की घोषणा, इस दिन देख सकेंगे

मुंबई। पंजाबी सिंगर और रैपर बादशाह का विवादित सॉन्ग 'टटीरी' को अश्लील लिरिक्स की वजह से सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया था। सिंगर ने गलती को मानते हुए माफी भी मांग ली थी, लेकिन अब सिंगर इसी गाने के साथ दोबारा दर्शकों के दिलों में हरियाणा की लोकल और लोक संगीत की झलक दिखाने के लिए तैयार हैं।

बादशाह ने बदलावों के साथ 'टटीरी' गाने को दोबारा रिलीज करने की घोषणा की है और नए टाइटल की घोषणा भी की है।

सिंगर बादशाह ने सोशल मीडिया के जरिए 'टटीरी' को 'टटीरी फिर से' के रूप में रिलीज करने की घोषणा की है। सिंगर ने गाने के साथ सभी की भावनाओं का सम्मान करने की भी बात कही है और सभी को भरोसा दिलाया है कि जिन कारणों से हरियाणा और देश की भावनाओं को ठेस पहुंची थी, वो दोबारा नहीं होगा। गाना 14 अप्रैल को दोबारा यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा।

सिंगर ने इंस्टाग्राम पर गाने की झलक शेयर करते हुए लिखा, 'पिछले कुछ हफ्तों में हमने अपने गीत 'टटीरी' को लेकर सरकारी अधिकारियों, महिला आयोग, समाजसेवियों और हमारी संस्कृति की परवाह करने वाले कई लोगों की बातों को सुना है। उसी के आधार पर हमने गाने में जरूरी बदलाव किए हैं और जो भी हिस्सा अपमानजनक माना गया, उसे हटा दिया है। मैं इस प्रतिक्रिया और उसके पीछे की भावना का सम्मान करता हूं। एक कलाकार होने के साथ-साथ, अपनी समाज और संस्कृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी उतनी ही अहम है।

उन्होंने लिखा, 'टटीरी फिर से उसी सफर का अगला कदम है। आपका साथ, आपकी आवाज और आपका विश्वास ही है, जिसने इस गाने को जिंदा रखा है।

आयशा टाकिया : कुछ हिट फिल्म देकर छोड़ा बॉलीवुड, शादी के लिए अपनाया इस्लाम

मुंबई। चेहरे पर मुस्कान और अंदाज बिल्कुल स्टाइलिश। हम बात कर रहे हैं अजय देवगन के साथ अपना करियर शुरू करने वाली अभिनेत्री आयशा टाकिया की।

'टार्जन: द वंडर कार' से पहचान बनाने वाली आयशा ने अपनी सादगी से करोड़ों दिलों पर राज किया। आज वे फिल्मों से दूर अपनी निजी जिंदगी और सामाजिक कार्यों में व्यस्त हैं, लेकिन उनकी 'वॉन्टेड' जैसी सुपरहिट फिल्में आज भी दर्शकों की पसंदीदा हैं। अभिनेत्री 10 अप्रैल को अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं।

मुंबई में जन्मी आयशा टाकिया ने बचपन में ही सोच लिया था कि वह हिंदी सिनेमा का हिस्सा बनेंगी। उन्होंने 5 साल की छोटी उम्र में अपनी इच्छा जाहिर की थी और मात्र 15 साल की उम्र में अपने पहले वीडियो सॉन्ग में दिखी थीं। अभिनेत्री ने सिंगर फाल्गुनी पाठक के गाने 'मेरी चुनर उड़-उड़ जाए' से डेब्यू किया था। पहला ही गाना सुपरहिट रहा और आगे भी सफलता इंतजार कर रही थी। साल 2004 में आयशा के लिए बॉलीवुड के दरवाजे खुले। उन्हें अभय देओल के साथ फिल्म 'सोचा ना था' में कास्ट किया गया। फिल्म की शूटिंग पूरी हुई लेकिन फिल्म समय पर रिलीज नहीं हुई, जिसके बाद अभिनेत्री को फिल्म 'टार्जन : द वंडर कार' के लिए कास्ट किया गया, जो उसी साल, यानी साल 2004 में रिलीज हुई, जबकि 'सोचा ना था' साल 2005 में रिलीज हुई।

'टार्जन : द वंडर कार' से आयशा बॉलीवुड में छा गईं, क्योंकि उनके चुलबुले अंदाज ने फैंस का दिल जीतने में अहम भूमिका निभाई। इसी फिल्म के लिए अभिनेत्री को बेस्ट फिल्मफेयर डेब्यू अवॉर्ड भी मिला। आयशा ने 'दिल मांगे मोर,' 'वॉन्टेड,' 'सलाम-ए-इश्क,' 'पाठशाला,' 'शादी नंबर 1' और तेलुगु में 'रॉबरी' जैसी फिल्मों में काम किया। लेकिन ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। हालांकि, सलमान खान के साथ उनकी फिल्म 'वॉन्टेड' को खूब सराहा गया।

उनकी आखिरी फिल्म 'मोड़' भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही, लेकिन अभिनेत्री के किरदार को खूब सराहा गया। उन्होंने फिल्म में चुलबुली लड़की की बजाय एक गंभीर महिला का रोल प्ले किया था। हालांकि, इस फिल्म के बाद आयशा ने बॉलीवुड को छोड़ अपने बॉयफ्रेंड फरहान आजमी से शादी कर ली और इस्लाम कबूल कर लिया। इसके बाद उन्होंने कभी वापस सिनेमा में काम नहीं किया।

उन्होंने साफ कहा कि शादी के बाद वो सिर्फ अपनी पर्सनल लाइफ पर फोकस करना चाहती हैं और वो कभी सिनेमा में वापसी नहीं करेंगी।

गबरू और लाहौर-1947 के बीच सनी देओल ने की नई फिल्म की अनाउंसमेंट, एक्साइडेट हुए फैंस

मुंबइ। 'गबरू' और 'लाहौर-1947' के बाद सनी देओल ने नई फिल्म की अनाउंसमेंट कर दी है। अभिनेता ने फिल्म 'जाट' के एक साल पूरा होने की खुशी में 'जाट' का दूसरा पार्ट बनाने का एलान कर दिया है और फिल्म के मेकर्स और अपने को-स्टार्स को दिल से शुक्रिया कहा है।

सनी देओल की नई फिल्म की अनाउंसमेंट के बाद फैंस भी काफी उत्साहित हैं।

सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'जाट' की कुछ झलकिया सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें वे हाथ में बंदूक लिए एक्शन करते दिख रहे हैं। वीडियो में रणदीप हुड्डा की भी झलक देखने को मिल रही है। अभिनेता ने फिल्म जाट की शूटिंग के वक्त दिल खोलकर मस्ती की थी और वे दोबारा उस मस्ती को 'जाट-2' के जरिए जीना चाहते हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'जाट की रिलीज़ को एक साल हो गया और क्या शानदार सफर रहा! फिल्म की शूटिंग के दौरान हमने जो मस्ती, एक्शन और मस्ती की, वो आज भी याद आती है। सेट पर हर दिन ऊर्जा, जोश और जाट की उस खास भावना से भरा रहता था। वाकई सबसे सुखद अनुभवों में से एक। उन्होंने आगे लिखा, 'गोपीचंद मलिनेनी को उनके विजन और इस दुनिया को इतनी दमदार तरीके से जीवंत करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार सिंह को भी शुभकामनाएं। आप दोनों के साथ स्क्रीन शेयर करना बहुत अच्छा लगा। अब शायद अब फिर से कमर कसने का समय आ गया है। जाट-2 जल्द आ रही है।

मॉरीशस में जयशंकर और सेशेल्स के विदेश मंत्री की मुलाकात, आर्थिक सहयोग पर हुई चर्चा

पोर्ट लुइस। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को मॉरीशस में आयोजित 9वें इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस के इतर सेशेल्स के अपने समकक्ष बैरी फॉरे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सेशेल्स की मौजूदा आर्थिक चुनौतियों से निपटने में भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '9वें इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस के मौके पर सेशेल्स के विदेश मंत्री बैरी फॉरे से शानदार मुलाकात हुई। भारत, सेशेल्स को उसकी मौजूदा आर्थिक चुनौतियों से उबरने में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्पेशल इकोनॉमिक पैकेज के क्रियान्वयन में उठाए गए कदमों का स्वागत करता हूं।

विदेश मंत्री जयशंकर इन दिनों मॉरीशस के आधिकारिक दौरे पर हैं, जहां वे 9वें इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के साथ-साथ विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से द्विपक्षीय वार्ता भी कर रहे हैं। इस दौरान वह मॉरीशस के नेतृत्व से भी मुलाकात कर भारत-मॉरीशस संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा कर रहे हैं।

इससे पहले मंगलवार को भारत ने सेशेल्स को 250 मीट्रिक टन खाद्यान्न की खेप भेजी थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह सहायता 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज के तहत दी जा रही है, और आगे भी ऐसी सहायता भेजी जाएगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा, 'सेशेल्स के लिए 250 मीट्रिक टन खाद्यान्न की खेप भेजी गई है। 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज के तहत आगे भी सहायता जारी रहेगी।

फरवरी में भारत यात्रा के दौरान सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने भारत द्वारा विकास, सुरक्षा जरूरतों और आकांक्षाओं को लेकर दिए जा रहे सहयोग की सराहना की थी। उन्होंने लाइंस ऑफ क्रेडिट, अनुदान, क्षमता निर्माण और हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के माध्यम से भारत की मदद को महत्वपूर्ण बताया था।

9 फरवरी को नई दिल्ली में हर्मिनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। सेशेल्स में सुशासन को मजबूत करने के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के विकास, खासकर डिजिटल पेमेंट सिस्टम को लेकर भारत ने सहयोग का आश्वासन दिया। दोनों देशों द्वारा अपनाए गए 'जॉइंट विजन फॉर सस्टेनेबिलिटी, इकोनॉमिक ग्रोथ एंड सिक्योरिटी थ्रू एन्हांस्ड लिंकिज' (सेसेल) के तहत प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रीय विकास एजेंडा में भारत के विश्वसनीय साझेदार बने रहने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें सतत विकास, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण, लचीलापन और समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया गया है। दोनों देशों ने लोगों के हितों को केंद्र में रखते हुए विकास साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प भी जताया। भारत ने 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर के 'स्पेशल इकोनॉमिक पैकेज' की घोषणा की, जिसमें 125 मिलियन डॉलर की रुपये आधारित लाइन ऑफ क्रेडिट और 50 मिलियन डॉलर की ग्रांट सहायता शामिल है। इस पैकेज के तहत विकास परियोजनाएं, नागरिक और रक्षा अधिकारियों का प्रशिक्षण, समुद्री सुरक्षा और अन्य सहयोगात्मक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा।

चीनी राज्य परिषद ने 'भीतरी मंगोलिया पायलट मुक्त व्यापार क्षेत्र के लिए समग्र योजना' की जारी

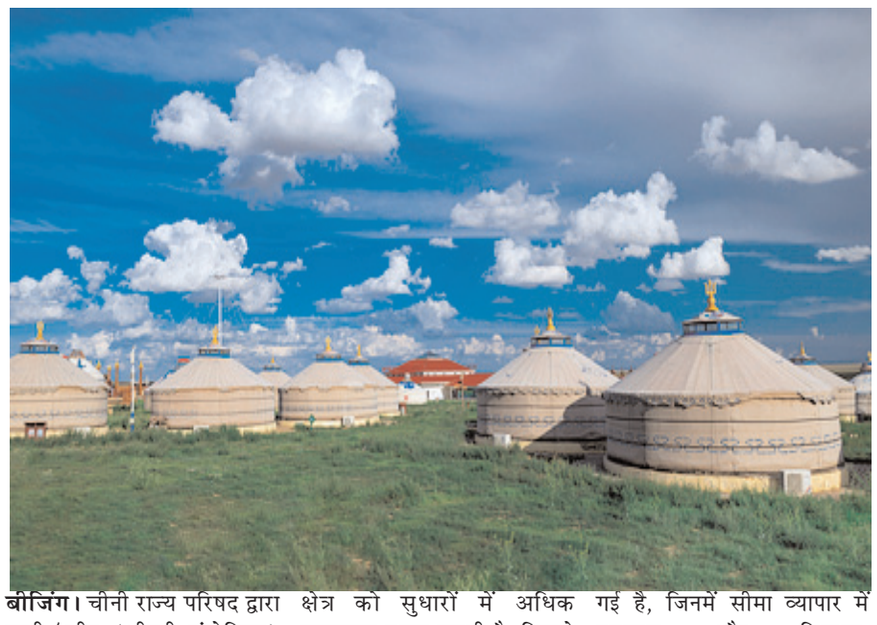

बीजिंग। चीनी राज्य परिषद द्वारा जारी 'चीन (भीतरी मंगोलिया) पायलट मुक्त व्यापार क्षेत्र के लिए समग्र योजना' 9 अप्रैल को सार्वजनिक की गई। इसके साथ ही चीन में पायलट मुक्त व्यापार क्षेत्रों की कुल संख्या 23 हो गई है।

समग्र योजना भीतरी मंगोलिया पायलट मुक्त व्यापार क्षेत्र को सुधारों में अधिक स्वायत्तता प्रदान करती है, जिससे इसे प्रायोगिक परियोजनाएं संचालित करने और व्यापक क्षेत्रों में गहन स्तर पर मौलिक, एकीकृत और विशिष्ट अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इसमें 19 सुधार और नवाचार उपायों की रूपरेखा दी गई है, जिनमें सीमा व्यापार में नवाचार और विकास, अंतरराष्ट्रीय रसद सेवाओं को मजबूत करना, वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों के रूपांतरण और अनुप्रयोग की दक्षता में सुधार करना और विभिन्न क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान का विस्तार करना शामिल है।

ह लीफंग ने ब्रिजवाटर एसोसिएट्स के संस्थापक के साथ मुलाकात की

बीजिंग। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के वित्तीय कार्यालय के प्रमुख ह लीफंग ने 9 अप्रैल को राजधानी पेइचिंग में अमेरिका के ब्रिजवाटर एसोसिएट्स के संस्थापक रे डालियो के साथ मुलाकात की।

इस मौके पर ह लीफंग ने कहा कि इस साल चीन की अर्थव्यवस्था अच्छे तरीके से बढ़ रही है। 15वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान चीन लगातार उच्च स्तरीय खुलापन बढ़ाएगा और निवेश करने के लिए विभिन्न देशों के निवेशकों का स्वागत करेगा, ताकि उच्च गुणवत्ता वाले विकास के अवसर साझा किए जा सके। स्वस्थ और सतत चीन-अमेरिका आर्थिक व व्यापारिक संबंध दोनों देशों के मूल हितों के अनुरूप है। आशा है कि अमेरिका का व्यावसायिक समुदाय लगातार सक्रिय भूमिका निभाएगा और चीन-अमेरिका आर्थिक व व्यापारिक संबंधों का अनुरक्षक और प्रवर्तक बनेगा।

वहीं, रे डालियो ने कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय स्थिति में मजबूत लचीलापन और स्थिरता दिखा रही है। यह प्रभावशाली है। रे डालियो चीन के आर्थिक विकास की संभावना को लेकर आशावादी हैं।

139वें कैंटन मेले में पहली बार स्मार्ट वियरेबल्स समेत नौ विशेष जोन जोड़े जाएंगे

बीजिंग। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने 139वें कैंटन मेले के संबंध में एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इसमें घोषणा की गई कि 139वां कैंटन मेला 15 अप्रैल से 5 मई तक चीन के क्वांगतोंग प्रांत की राजधानी क्वांगचो में तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें कुल प्रदर्शनी क्षेत्र, बूथों की संख्या और भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या पिछले कैंटन मेलों से अधिक होगी। जानकारी के अनुसार, 139वां कैंटन मेला कुल 15.5 लाख वर्ग मीटर के प्रदर्शनी क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 75,700 बूथ और 32,000 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी। इनमें से लगभग 3,900 कंपनियां पहली बार प्रदर्शनी में शामिल हो रही हैं। तैयारी सुचारू ढंग से चल रही है और लगभग पूरी हो चुकी है।

चीनी वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार विभाग के निदेशक वांग जीहुआ ने बताया कि इस वर्ष के कैंटन मेले में प्रदर्शनी क्षेत्रों की संख्या बढ़कर 179 हो गई है, जिसमें पहली बार नौ नए क्षेत्र जोड़े गए हैं, जिनमें स्मार्ट वियरेबल, डिस्प्ले तकनीक, उपभोक्ता ड्रोन, एकीकृत आवास और आंगन सुविधाएं शामिल हैं। विशेषीकृत, परिष्कृत, नवोन्मेषी और एकल-उत्पाद चैंपियन जैसे खिताबों वाली उच्च-गुणवत्ता वाली कंपनियों की संख्या 11,000 से अधिक हो गई है, जो 5.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है और पिछले स्तरों को पार कर गई है। इनमें से 61 प्रतिशत कंपनियों ने अपने उत्पादन या सेवाओं में औद्योगिक इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5जी और हरित एवं कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीकों जैसी नई तकनीकों और मॉडलों को लागू किया है।

सुरक्षा की दृष्टि से अमेरिका का भरोसा पाकिस्तान पर ज्यादा या भारत पर? अब तक कितने राष्ट्रपतियों ने किया दौरा

नई दिल्ली। अमेरिका और इजरायल के बीच स्थायी संघर्ष विराम को लेकर इस सप्ताह के अंत में पाकिस्तान की मध्यस्थता में बैठक होने जा रही है। इस बैठक में अमेरिका और ईरान के डेलिगेशन शामिल होंगे। इस बीच अमेरिका की तरफ से पाकिस्तान जाने वाले डेलिगेशन की सुरक्षा को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

असुरक्षा की भावना कहें या पाकिस्तान के प्रति भरोसे की कमी, अमेरिका के किसी राष्ट्रपति ने साल 2006 के बाद से अब तक इस देश का दौरा नहीं किया है। राष्ट्रपति तो छोड़िए, 2011 से अब तक अमेरिका के शीर्ष अधिकारी भी यहां नहीं आए। वहीं भारत पर अमेरिका का भरोसा ज्यादा नजर आता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका के कुल आठ राष्ट्रपतियों ने नौ बार भारत का दौरा किया है, जबकि पांच ने पाकिस्तान का दौरा किया है। अमेरिका ने भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में आधिकारिक तौर पर मान्यता दी। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध 2 सितंबर 1946 में ही स्थापित किए गए थे। थॉमस एच. विल्सन 1941 में भारत में पहले अमेरिकी कमिश्नर नियुक्त किए गए थे। अमेरिका और पाकिस्तान के बीच राजनयिक संबंध 15 अगस्त 1947 को स्थापित हुए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका में 1789 से अब तक 47 राष्ट्रपति हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपतियों ने नौ बार भारत का दौरा किया है। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति 1978 में भारत के दौरे पर पहुंचे थे।

जिम्मी कार्टर ने 1-3 जनवरी, 1978, बिल क्लिंटन ने 19-25 मार्च, 2000, जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने 1-3 मार्च, 2006, बराक ओबामा ने 6-9 नवंबर, 2010 में और फिर 6-9 नवंबर, 2010 में भारत का दौरा किया। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने 24-25 फरवरी 2020 और जो. बाइडेन ने 8-10 सितंबर 2023 के बीच बतौर अमेरिकी राष्ट्रपति भारत का दौरा किया। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फिर से भारत दौरे को लेकर भी चर्चा है। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में भी भारत का दौरा कर सकते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति पहली बार 1959 में पाकिस्तान के दौरे पर पहुंचे थे। ड्वाइट डी. आइजनहावर ने 7-9 दिसंबर, 1959, लिंडन बी. जॉनसन ने 23 दिसंबर, 1967, रिचर्ड निक्सन ने 1-2 अगस्त, 1969, बिल क्लिंटन ने 25 मार्च, 2000 और जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने 3-4 मार्च, 2006 में बतौर अमेरिका के राष्ट्रपति पाकिस्तान का दौरा किया था।

2006 के बाद किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया, हालांकि इसके पीछे एक कारण अमेरिका में हुए 26/11 का हमला भी है। अमेरिका को संदेह था कि इस हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान ने पनाह दी है। हालांकि, पाकिस्तान इससे इनकार करता रहा। फिर अमेरिका ने पाकिस्तान के एबटाबाद में 2 मई 2011 को एक गुप्त ऑपरेशन के तहत आतंकी ओसामा बिन लादेन को मार गिराया थ, जिसके बाद से दोनों देशों के संबंधों में खिंचाव आ गया। इसी तनाव को कम करने और संबंधों को संभालने के लिए उस समय की अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पाकिस्तान का दौरा किया था। इसके अलावा, पाकिस्तान में चीन का दबदबा बढ़ता जा रहा है। ऐसे में यह भी एक कारण हो सकता है कि अमेरिका इस देश से दूरी बनाकर रखे हुए है। अब 2011 के बाद अमेरिका का प्रतिनिधिमंडल ईरान से संघर्ष को खत्म करने के लिए पाकिस्तान जाने वाला है।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम में पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल

नई दिल्ली। देश के पूर्व सैनिकों ने शुक्रवार को उन रिपोर्ट्स का मजाक उड़ाया, जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने में मध्यस्थता की। उन्होंने कहा कि इजराइल और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध अच्छे नहीं हैं, इसलिए ऐसे जटिल और बहुपक्षीय संघर्ष में पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठते हैं।

पूर्व सैनिकों का कहना है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच की बातचीत को गलत तरीके से पेश किया और स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर बताया।

अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम पर सहमति बनने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर से बातचीत के आधार पर लिया।

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने उनसे अनुरोध किया था कि ईरान पर भेजी जा रही विनाशकारी कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया जाए।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी संकेत दिया कि तेहरान ने यह समझौता पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के 'भाईचारे वाले अनुरोध' के जवाब में स्वीकार किया। इसके बाद पाकिस्तान की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे।

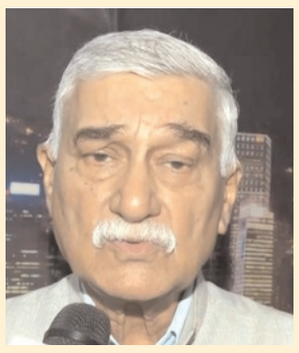

भारतीय सेना के सेवानिवृत्त कैप्टन अनिल गौड़ ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान एक ईमानदार मध्यस्थ की तरह काम नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच सही और पूरा संदेश नहीं पहुंचाया, जिससे गलतफहमी पैदा हुई।

मध्यस्थ का काम बहुत अहम होता है और उसे दोनों पक्षों के बीच सभी शर्तें और बातें स्पष्ट रूप से पहुंचानी चाहिए, ताकि बातचीत सही आधार पर आगे बढ़ सके।

उन्होंने इजराइल और पाकिस्तान के बीच खराब संबंधों का भी जिक्र किया और कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की एक पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट में इजराइल के खिलाफ की गई टिप्पणी से स्थिति और संवेदनशील हो जाती है।

इजराइल के भारत में राजदूत रूवेन अजार ने भी पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा था कि तेल अवीव पाकिस्तान को एक 'विश्वसनीय पक्ष' नहीं मानता।

कैप्टन अनिल गौड़ ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान सिर्फ अपने फायदे के लिए काम कर रहा है और खुद को जरूरत से ज्यादा अहमियत देने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान केवल अमेरिका के करीब रहने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि शहबाज शरीफ के सोशल मीडिया पोस्ट के शुरुआती ड्राफ्ट में 'ड्राफ्ट-पाकिस्तान पीएम संदेश' जैसा उल्लेख था, जिससे यह सवाल उठे कि संदेश तैयार किसने किया। कमोडोर (सेवानिवृत्त) उदय भास्कर ने बातचीत में कहा कि पाकिस्तान को 'पीसमेकर' कहना सही नहीं होगा, बल्कि उसे एक 'सुविधा देने वाला' या 'मध्यस्थ को मदद करने वाला पक्ष' कहा जा सकता है।

पश्चिम एशिया संकट : मीरवाइज उमर फारूक ने कूटनीति का समर्थन किया, न्याय आधारित समाधान की अपील

श्रीनगर। कश्मीर के मुख्य धर्मगुरु और ऑल पार्टीज़ हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज़ उमर फ़ारूक़ ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच शांति के लिए कूटनीतिक प्रयासों का समर्थन करते हुए न्याय आधारित समाधान की जरूरत पर जोर दिया।

श्रीनगर के पुराने शहर के नौहट्टा स्थित ऐतिहासिक जामा मस्जिद में जुमे की नमाज के बाद संबोधित करते हुए मीरवाइज उमर ने कहा कि पूरा विश्व इस समय इस्लामाबाद की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है और क्षेत्र में शांति बहाली के लिए किसी ठोस पहल की प्रतीक्षा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग

भी उम्मीद करते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता हिंसा और पीड़ा के दौर को खत्म करने में मदद करेगी और लेबनान, फ़िलिस्तीन समेत पूरे क्षेत्र में न्याय स्थापित होगा।

मीरवाइज उमर ने कहा कि कश्मीर के लोग दशकों से संघर्ष और हिंसा का दर्द झेलते आए हैं, इसलिए वे युद्ध की निरर्थकता और उसके मानवीय नुकसान को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने कहा, 'युद्ध में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता, हर कोई हारता है- जिंदगी, गरिमा और इंसानियत के स्तर पर।

उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थायी शांति केवल गंभीर संवाद और न्यायपूर्ण समाधान से ही संभव है, न कि बल प्रयोग से।

लेबनान की हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए मीरवाइज ने बेरूत में नागरिकों की हत्या की कड़ी निंदा की और इजरायल पर लगातार हिंसा करने और शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं संकट को और गहरा करती हैं और तनाव कम करने की कोशिशों को कमजोर करती हैं।

उन्होंने दोहराया कि जब तक फिलिस्तीनी लोगों के उनके अधिकारों और जमीन से जुड़े मूल मुद्दे का न्यायपूर्ण समाधान नहीं होता, तब तक स्थायी शांति संभव नहीं है। अपने संबोधन के अंत में मीरवाइज उमर फारूक ने वैश्विक शांति के लिए दुआ की और मानवता से संघर्ष का रास्ता छोड़कर शांति और भाईचारे का मार्ग अपनाने की अपील की।

व्यापक बचाव अभियान और मजबूत उपचार व्यवस्था ही बनेगी भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार: सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तेजी से बदलती जीवनशैली और नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज के बढ़ते खतरे के बीच स्वास्थ्य नीति के केंद्र में अब केवल उपचार नहीं, बल्कि बचाव (प्रिवेंशन) और उपचार (ट्रीटमेंट), दोनों का संतुलित समन्वय अनिवार्य हो गया है। इसी व्यापक दृष्टि को सामने रखते हुए सीएम योगी ने कहा कि यदि देश को दीर्घकालिक रूप से स्वस्थ और उत्पादक बनाना है तो चिकित्सा व्यवस्था को इलाज-केंद्रित मॉडल से आगे बढ़ाकर जन-जागरूकता और जीवनशैली में सुधार पर आधारित मॉडल की ओर ले जाना होगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी में कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के सम्मेलन 'एनआईसी-2026' को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना और किफायती उपचार के विस्तार पर काम कर रही है। दूसरी ओर, समाज को बीमारियों से पहले ही सुरक्षित करने की रणनीति यानी 'बचाव' को प्राथमिकता देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यही द्विस्तरीय दृष्टिकोण (मजबूत उपचार व्यवस्था और व्यापक बचाव अभियान) आने वाले भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार बनेगा और 'विकसित भारत' की परिकल्पना को वास्तविकता में बदलने की दिशा तय करेगा।

उन्होंने कहा कि नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज आज समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं, जबकि भारत की परंपरा में संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या हमेशा से स्वस्थ जीवन का आधार रही है। बदलती जीवनशैली के चलते उत्पन्न चुनौतियों के बीच अब स्वास्थ्य के दो प्रमुख आयाम—बचाव (प्रिवेंशन) और उपचार (ट्रीटमेंट)—स्पष्ट रूप से सामने हैं। जहां विशेषज्ञों की स्वाभाविक रुचि उपचार और नवाचार में होती है, वहीं उनका मानना है कि इन बीमारियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए बचाव को प्राथमिकता देनी होगी। जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिससे भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तेजी से नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियां बढ़ रही हैं और समाज का बड़ा वर्ग इसकी चपेट में आ रहा है, वह गंभीर चिंता का विषय है। पहले गंभीर बीमारी का मतलब पूरे परिवार के लिए आर्थिक संकट होता था, क्योंकि न पर्याप्त स्वास्थ्य संस्थान थे और न ही विशेषज्ञों की उपलब्धता, लेकिन पिछले वर्षों में स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से आज देश के लगभग 55-60 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपए तक की स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है, जो दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ कवरेज योजनाओं में एक है और आमजन को उपचार की बड़ी चिंता से राहत प्रदान कर रही है। न्होंने कहा कि वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से लगभग 1400 करोड़ रुपए उपचार के लिए जनता को उपलब्ध कराए गए, जो सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण है। आयुष्मान भारत योजना से वंचित रह गए वर्गों को भी मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत शामिल कर स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा बढ़ाया गया है।

एआईएमआईएम ने हुमायूं कबीर की पार्टी से तोड़ा गठबंधन, अब अकेले लड़ेगी चुनाव

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनाव से ठीक पहले हलचल तेज हो गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने बड़ा फैसला लेते हुए हुमायूं कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया है। अब पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह बंगाल में किसी भी दल के साथ मिलकर नहीं, बल्कि अकेले चुनाव लड़ेगी।

एआईएमआईएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए साफ कहा, 'हुमायूं कबीर के खुलासों से यह जाहिर हो गया है कि बंगाल के मुसलमान कितने कमजोर हैं। एआईएमआईएम ऐसे किसी भी बयान से खुद को नहीं जोड़ सकती, जिससे मुसलमानों की गरिमा पर सवाल उठे। आज की तारीख में, एआईएमआईएम ने कबीर की पार्टी के साथ अपना

गठबंधन तोड़ लिया है। बंगाल के मुसलमान सबसे गरीब, उपेक्षित और शोषित समुदायों में से एक हैं। दशकों तक धर्मनिरपेक्ष शासन रहने के बावजूद, उनके लिए कुछ भी नहीं किया गया है। किसी भी राज्य में चुनाव लड़ने के पीछे एआईएमआईएम की नीति यह है कि हाशिए पर पड़े समुदायों की अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक आवाज हो। हम बंगाल चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेंगे और आगे किसी भी पार्टी के साथ हमारा कोई गठबंधन नहीं होगा।

दरअसल, पूरा मामला एक कथित वीडियो के सामने आने के बाद शुरू हुआ। इस वीडियो में हुमायूं कबीर को कथित तौर पर भाजपा नेताओं के साथ बैठकर ममता बनर्जी को हराने की रणनीति बनाते हुए दिखाया गया है। यह वीडियो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जारी किया, जिसके बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया।

टीएमसी का आरोप है कि हुमायूं कबीर भाजपा के बड़े नेताओं, जैसे सुवेंदु अधिकारी और हिमंत बिस्वा सरमा के संपर्क में थे। इतना ही नहीं, पार्टी ने दावा किया कि ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये की बड़ी डील हुई है, जिसमें से 200 करोड़ रुपये एडवांस भी दिए जा चुके हैं।

संक्षिप्त खबर

गिरिराज सिंह का बड़ा बयान- बंगाल में टीएमसी को मिलेगी करारी हार, असम में हिमंत बिस्वा सरमा की वापसी का दावा

पटना । केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार होगी और असम में हिमंत बिस्वा सरमा फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। गिरिराज सिंह ने कहा कि इस बार केरल, असम और पुडुचेरी में इतना मतदान प्रतिशत रहा, इतिहास में उतने वोट कभी नहीं पड़े। उन्होंने कहा, 'केरल, असम और पुडुचेरी का मतदान प्रतिशत बताता है कि चुनाव आयोग का एसआईआर गलत मतदाताओं को सूची से बाहर करने में सफल हुआ है। इस बार पात्र मतदाताओं ने अपने मत का इस्तेमाल किया, जिससे वोटिंग प्रतिशत बढ़ा। यह पीएम मोदी के प्रति विश्वास, भारत सरकार के विकास और डबल इंजन सरकार का वोट है। पश्चिम बंगाल में 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल में टीएमसी को बुरी तरह हार मिलेगी। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि असम में हिमंत बिस्वा सरमा डंके की चोट पर चुनाव जीतकर फिर से मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्षी दलों की ओर से सकारात्मक संकेत नहीं मिलने पर गिरिराज सिंह ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि 2047 तक भारत को सशक्त देश बनाने में हमारे यहां की आधी आबादी यानी महिलाओं का भागेदारी होनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि तीन दिन के सत्र के दौरान सभी राजनीतिक पार्टियां एकजुट होकर महिला आरक्षण विधेयक पर बहुमत से पास कराएंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस के शासन में 22 हजार करोड़ बैंक लिंकेज था और सवा दो करोड़ के करीब 'जीविका दीदी' थीं। आज साढ़े 10 करोड़ महिलाएं बैंक से जुड़ी हैं और 12 लाख करोड़ का बैंक लिंकेज है। यह बताता है कि प्रधानमंत्री मोदी की सोच महिला सशक्तिकरण की ओर है। आर्थिक सशक्तिकरण के साथ राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण चुनाव के दौरान ही हो सकता है। गिरिराज सिंह ने कहा, 'अगर एससी-एसटी के लिए सीटें आरक्षित नहीं होतीं, तो वे जीत कर नहीं आ पाते। इसी तरह से महिलाओं के लिए आरक्षण जरूरी है।

महराजगंज दो ट्रेलरो की भिड़ंत में चालक की मौत, कई दुकानें क्षतिग्रस्त

महराजगंज । उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो ट्रेलरों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। यह हादसा श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत परतावल मेन चौराहे पर करीब रात 2 बजे हुआ, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक, एक ट्रेलर कप्तानगंज की तरफ से आ रहा था और जैसे ही वह पनियरा रोड की ओर मुड़ा, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रहा दूसरा ट्रेलर उससे जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। एक ट्रेलर का पहिया फट गया, जबकि दूसरे ट्रेलर की तेल टंकी फटने से सड़क पर तेल फैल गया, जिससे स्थिति और भी खतरनाक हो गई। हादसे के बाद एक ट्रेलर सड़क किनारे पलट गया और वहां खड़ी कई दुकानों को भी भारी नुकसान पहुंचा। बताया जा रहा है कि टक्कर की चपेट में आने से फल की दुकान समेत कई छोटी दुकानें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और यातायात भी कुछ समय के लिए बाधित रहा।

गगनयान मिशन के लिए आईएडीटी-02 के सफल समापन पर इसरो को मंत्री जितेंद्र सिंह ने दी बधाई

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) को भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के दूसरे एकीकृत वायु अपवाह परीक्षण (आईएडीटी-02) के सफल समापन पर बधाई दी। गगनयान मिशन 2027 में लॉन्च होने वाला है। उन्होंने इस उपलब्धि को महत्वाकांक्षी मिशन की तैयारियों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंह ने लिखा, 'भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान, गगनयान के लिए दूसरे एकीकृत वायु निकासी परीक्षण के सफल समापन के लिए इसरो को बधाई, जो अगले साल निर्धारित है।

उन्होंने आगे कहा, 'सतीश धवन अंतरिक्ष स्टेशन, श्रीहरिकोटा में दूसरा एकीकृत वायु निक्षेप परीक्षण (आईएडीटी-02) सफलतापूर्वक

संपन्न हुआ। यह गगनयान मिशन की तैयारियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 2027 में श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया जाएगा। तकनीकी जटिलता के कारण मिशन में कई बार देरी हुई है, लेकिन भारत स्वदेशी रूप से इसकी क्षमता विकसित कर रहा है। गौरतलब है कि अंतरिक्ष मिशन से जुड़ी ऐसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां गोपनीय रखी जाती हैं और कोई भी देश इन्हें साझा नहीं करता है।

सरकार ने गगनयान कार्यक्रम के लिए लगभग 10,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह मिशन अब अपने अंतिम चरण में है और पहली मानवयुक्त उड़ान 2027 की पहली तिमाही में होने की उम्मीद है। इससे पहले, 8 अप्रैल को, इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा था कि मानवरहित गगनयान मिशन की सभी तैयारियां सुचारू रूप से चल रही हैं। स्मार्ट स्पेसक्राफ्ट मिशन ऑपरेशंस पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए उन्होंने कहा, 'हम पहले मानवरहित गगनयान मिशन से ठीक पहले मिल रहे हैं। यह कोई साधारण मिशन नहीं, बल्कि भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मिशन है। अंतिम मानवयुक्त प्रक्षेपण से पहले तीन मानवरहित मिशन होंगे। पहले मिशन की सभी गतिविधियां अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं, हालांकि चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। इस सम्मेलन में आईएसआरओ के पूर्व प्रमुख ए.एस. किरण कुमार और एस. सोमनाथ के साथ-साथ आईएसआरओ केंद्र के निदेशक, छात्र और अंतरिक्ष स्टार्टअप के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

इस बीच, भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारियों में 4 अप्रैल को और प्रगति हुई, जब चयनित चार अंतरिक्ष यात्रियों ने लद्दाख में 'मिशन मित्रा' (अंतरसंचालनीय विशेषताओं का मानचित्रण और विश्वसनीयता मूल्यांकन) के तहत उच्च ऊंचाई वाला प्रयोग शुरू किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य चरम वातावरण में मानव प्रदर्शन का मूल्यांकन करना है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और पी. बालकृष्णन नायर समेत अंतरिक्ष यात्री अनुकूलन के लिए इस सप्ताह की शुरुआत में लेह पहुंचे। इस मिशन को वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, चिकित्सा विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों की एक बहुविषयक टीम का समर्थन प्राप्त है, जो मानव अंतरिक्ष अन्वेषण की दिशा में भारत की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

आंगनबाड़ी केंद्र 8.9 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रहे : अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के अनुसार, 14 लाख से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ आंगनबाड़ी दीदियां गर्भवती माताओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों और बच्चों तक पहुंच रही हैं। साथ ही, 8.9 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रही हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'पोषण माह' और 'पोषण पखवाड़ा' ने एक सच्चे 'जन आंदोलन' का रूप ले लिया है, जिसमें देशभर में करोड़ों गतिविधियां हो रही हैं।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा, 'हमारी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, आंगनबाड़ी सहायिकाएँ और आशा दीदियाँ प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण और लक्ष्यों को सामूहिक प्रयासों से हर घर तक पहुँचाने में पूरे लगन से लगी हुई हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का दायित्व व्यापक है और हम देशभर के हर घर और हर बच्चे तक पहुँच रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'हमारे बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएंगे। उन्हें बेहतर पोषण मिले, यह सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है, जिसे हमें जन आंदोलन के रूप में मिलकर निभाना होगा।

उन्होंने राज्यों से एक-दूसरे से सीखने, सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने और उन्हें अनुकूलित करने तथा जिलों, विशेष रूप से आकांक्षी जिलों में बेहतर प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया।

मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि 'पोषण' एक सतत प्रक्रिया है और बच्चों के समग्र और मानसिक विकास में सहयोग देने के लिए अधिक समय, देखभाल और सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

इस राष्ट्रीय आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 'पोषण पखवाड़ा' के 8वें संस्करण का शुभारंभ किया है, जो 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत का प्रतीक है।

केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2018 से अब तक आठ पोषण माह और सात पोषण पखवाड़े आयोजित किए जा चुके हैं। जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अवधि महत्वपूर्ण है क्योंकि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत से अधिक विकास प्रारंभिक वर्षों में होता है, जिसमें पहले 1,000 दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण होते हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल पोषण तक सीमित न रहकर, समग्र बाल विकास सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा पर समान रूप से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

भारतीय सेना ने कर्नल श्रीकांत पुरोहित को ब्रिगेडियर रैंक में पदोन्नति के लिए मंजूरी दी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने कर्नल श्रीकांत पुरोहित को ब्रिगेडियर के पद पर पदोन्नति के लिए मंजूरी दे दी है, जो उनके करियर की प्रगति और 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में पहले की कानूनी कार्यवाही से जुड़े लंबे समय से चल रहे सेवा विवाद में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) के पूर्व निर्देशों के बाद लिया गया है, जिसने पदोन्नति पर विचार करने की उनकी याचिका पर सुनवाई के बाद 31 मार्च को निर्धारित उनकी सेवानिवृत्ति पर रोक लगा दी थी।

न्यायाधिकरण के हस्तक्षेप ने यह सुनिश्चित किया कि पदोन्नति और सेवा लाभों से संबंधित उनकी वैधानिक शिकायत पर निर्णय होने तक उनकी सेवा अवधि सक्रिय बनी रहे।

अपने पूर्व आदेश में एएफटी ने कर्नल पुरोहित की याचिका पर ध्यान दिया था, जिसमें उन्होंने कर्नल और ब्रिगेडियर के पदों पर पदोन्नति की मांग की थी। उन्होंने

तर्क दिया था कि मालेगांव विस्फोट मामले में उनकी गिरफ्तारी और उसके बाद चली लंबी कानूनी कार्यवाही के कारण उनके करियर की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

मामले की विस्तृत पृष्ठभूमि के अनुसार, कर्नल पुरोहित को 2008 में गिरफ्तार किया गया था और वे 2017 तक हिरासत में रहे, जब उन्हें सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिल गई। इसके बाद उन्होंने भारतीय सेना में अपनी सेवा पुन: शुरू की और अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते रहे। जुलाई 2025 में मुंबई की एक विशेष एनआईए अदालत ने उन्हें मालेगांव विस्फोट मामले में बरी कर दिया।

इससे पहले ट्रिब्यूनल ने भारत सरकार और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर यह पूछा था कि अधिकारी द्वारा मांगी गई राहत क्यों नहीं दी जानी चाहिए। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया था कि लंबे और बेदाग सेवा रिकॉर्ड के बावजूद, मामले से संबंधित परिस्थितियों के कारण उनकी पदोन्नति पर विचार नहीं किया गया।

अपने निष्कर्षों में एएफटी ने यह भी कहा कि उनकी वैधानिक शिकायत पर अंतिम निर्णय आने तक उनकी सेवानिवृत्ति को स्थगित रखा जाना चाहिए। अंतरिम राहत पर विचार करते समय न्यायाधिकरण ने उनके बरी होने और पुन: कार्यभार ग्रहण करने के बाद के सेवा रिकॉर्ड दोनों को ध्यान में रखा था।

आधिकारिक सूत्रों ने अब पुष्टि की है कि इन कार्यवाही के बाद सेना ने प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के अधीन उन्हें ब्रिगेडियर के पद पर पदोन्नत करने को मंजूरी दे दी है।

हरिवंश नारायण सिंह फिर बने राज्यसभा सांसद: राष्ट्रपति के मनोनीत करने के बाद हुई उच्च सदन में वापसी

नई दिल्ली। जदयू के वरिष्ठ नेता हरिवंश नारायण सिंह एक बार फिर राज्यसभा सांसद बन गए हैं। इस बार उनका चयन जनता दल (यूनाइटेड) की ओर से नहीं, बल्कि भारत के राष्ट्रपति के मनोनयन के जरिए हुआ है। इससे पहले वे राज्यसभा के उपसभापति के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियां निभा चुके हैं और संसदीय कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

हरिवंश नारायण सिंह का मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने वाला था, ऐसे में उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन राष्ट्रपति द्वारा उन्हें पुन: मनोनीत किए जाने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि उनकी संसदीय भूमिका अभी

जारी रहेगी। उनका नाम उन चुनिंदा व्यक्तियों में शामिल है जिन्हें समाज, साहित्य, पत्रकारिता या सार्वजनिक जीवन में विशेष योगदान के आधार पर राज्यसभा के लिए नामित किया जाता है।

गौरतलब है कि राज्यसभा में राष्ट्रपति को 12 सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार होता है। इन सदस्यों का चयन उनके विशिष्ट योगदान को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। हरिवंश नारायण सिंह लंबे समय तक पत्रकारिता से जुड़े रहे हैं और उन्होंने सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर अपनी मजबूत पकड़ बनाई है।

उनका राजनीतिक करियर भी काफी संतुलित और प्रभावशाली रहा है। जदयू से जुड़े रहते हुए उन्होंने पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। राज्यसभा में उनके अनुभव और संसदीय प्रक्रियाओं की समझ को देखते हुए उनका दोबारा चयन महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हरिवंश का पुनर्नियुक्त होना यह दर्शाता है कि सरकार अनुभवी और संतुलित व्यक्तित्वों को संसद में बनाए रखना चाहती है।

'दो-चार दिनों में सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफे पर फैसला', जदयू नेताओं ने नए मुख्यमंत्री को लेकर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली/पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण करेंगे। इसी बीच, उनके इस्तीफे और बिहार के नए मुख्यमंत्री को लेकर हलचल तेज हो गई है। जदयू नेताओं ने दावा किया है कि दो चार-दिनों में इस्तीफे को लेकर फैसला लिया जाएगा।

बिहार सरकार में मंत्री और जदयू नेता विजय चौधरी ने शुक्रवार को दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए नामांकन किया था और जीते थे। इसके बाद वे आज राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा को लेकर विजय चौधरी ने कहा, 'नीतीश कुमार शपथ लेने के बाद वापस पटना जाएंगे। वहां पर बैठक होगी और दो-चार दिनों में

इस्तीफे को लेकर फैसला लिया जाएगा।' उन्होंने यह भी कहा कि अगला मुख्यमंत्री वही होगा, जिसे एनडीए विधायक दल का नेता चुना जाएगा। चंद दिनों में इस बारे में फैसला होगा।

वहीं, जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'राज्यसभा के सदस्य के तौर पर नई पारी को लेकर नीतीश कुमार पूरी तरह आश्वस्त हैं। उन्होंने संकेत दे दिया है कि तीन चार दिनों में बड़े फैसले ले लिए जाएंगे। यह तय है कि आने वाले दिनों में एनडीए विधायी दल की बैठक और नए नेता के चयन के बाद बिहार में सभी फैसले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सहमति से ही लिए जाएंगे।

बिहार सरकार में मंत्री और भाजपा नेता राम कृपाल यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा की शपथ लेंगे और देश की सेवा करेंगे। उन्होंने अब तक राज्य और देश, दोनों की सेवा की है। उनके मार्गदर्शन में बिहार में नई एनडीए की सरकार बनेगी और चलेगी।

बिहार में अगले मुख्यमंत्री को लेकर राम कृपाल यादव ने कहा, 'हमारे नेता तय करेंगे कि चेहरा कौन होगा और अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। इस बारे में जल्द सबको पता चल जाएगा।

जदयू विधायक जयंत राज कुशवाहा ने कहा, 'वे पहले ही राज्यसभा के लिए चुने जा चुके हैं और आज यह बस एक औपचारिकता है। वे आज शपथ लेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'आप देख सकते हैं कि पिछले 20 सालों में बिहार ने कितनी प्रगति की है। आने वाले 20-25 सालों में भी मुख्यमंत्री का कार्यकाल याद किया जाता रहेगा।

यूनिवर्सल वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम : आर्टेमिस II के टॉयलेट में आई दिक्कत पर नासा ने जारी किया एक्सप्लेनर वीडियो

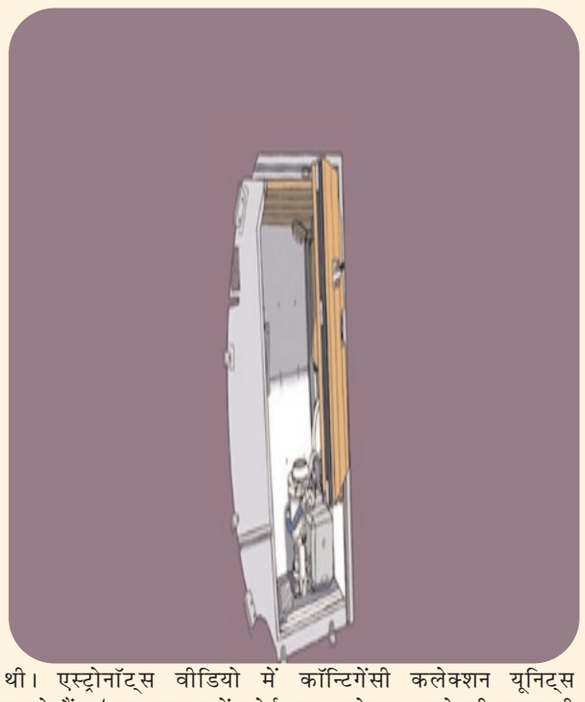

नई दिल्ली। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें आर्टेमिस II मून मिशन के ओरियन स्पेसक्राफ्ट में लगे स्पेस टॉयलेट की हालिया समस्या के बारे में विस्तार से बताया गया है। इस वीडियो में एस्ट्रोनॉट्स खुद बता रहे हैं कि स्पेसक्राफ्ट में मौजूद सबसे जरूरी चीजों में से एक स्पेस टॉयलेट अचानक काम करना बंद कर दिया। इस पर उन्होंने कैसे काम किया।

ओरियन स्पेसक्राफ्ट में लगे टॉयलेट को 'यूनिवर्सल वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम' नाम से जाना जाता है। इसमें यूरिन को एक टैंक में इकट्ठा किया जाता है और फिर रोजाना क्रू मेंबर्स उसे बाहर निकाल देते हैं। आर्टेमिस-2 मिशन में इस्तेमाल हो रहा यूनिवर्स मैनेजमेंट सिस्टम स्पेस टॉयलेट हवा के तेज बहाव से काम करता है, क्योंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नहीं होता।

लेकिन हाल ही में इस सिस्टम में कुछ दिक्कत आ गई थी। एस्ट्रोनॉट्स वीडियो में बताते हैं, 'उस वक्स हमें कोई फ्लो नहीं दिख रहा था। लिहाजा उस वक्त आप टॉयलेट इस्तेमाल नहीं कर सकते।

समस्या के चलते क्रू मेंबर्स को रात भर 'सीसीयूएस' यानी कॉन्टिगेंसी कलेक्शन यूनिट्स का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। नासा ने इस समस्या को गंभीरता से लिया है और वीडियो के जरिए लोगों को पूरी प्रक्रिया समझाने की कोशिश की है। स्पेस मिशनों में छोटी-छोटी तकनीकी दिक्कतें भी बड़ी चुनौती बन सकती हैं, इसलिए इन्हें समय रहते ठीक करना बहुत जरूरी है। नासा के मुताबिक, समस्या यूरिन को वैक्यूम में डिस्पोज करने के दौरान आई। जब शुद्ध पानी को वैक्यूम में डाला जाता है तो प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान होती है लेकिन यूरिन जैसे गंदे तरल पदार्थ में कई मुश्किलें आ जाती हैं। इसमें बर्फ बनने (फ्रीजिंग) जैसी समस्या भी हो सकती है, जिसे एस्ट्रोनॉट्स ने 'बर्फ का तूफान' कहकर बताया। वीडियो में वे बताते नजर आए, 'यह एक मुश्किल इंजीनियरिंग समस्या है। जब आप लिक्विड को वैक्यूम में डालते हैं तो काफी उथल-पुथल होती है। गंदे पानी के मामले में कई ऐसी चीजें होती हैं जिन्हें हम अभी पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं।

वहीं, नासा का कहना है कि यह समस्या मिशन के दौरान सामने आई है, जो आर्टेमिस ढ्ढढ्ढ मिशन से पहले सुधार करने का अच्छा मौका है। आर्टेमिस III के जरिए नासा दोबारा चंद्रमा पर इंसानों को भेजने की तैयारी कर रहा है।

इस पर एक एस्ट्रोनॉट ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैं अक्सर कहता हूं कि स्पेसक्राफ्ट में स्पेस टॉयलेट शायद सबसे जरूरी चीज है।

बता दें, आर्टेमिस ढ्ढढ्ढ मिशन के दौरान स्पेसक्राफ्ट के टॉयलेट में खराबी आ गई थी। इस समस्या को महिला एस्ट्रोनॉट क्रिस्टीना हैमक कोच ने खुद ठीक किया था। क्रिस्टीना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट वीडियो में मजाकिया अंदाज में जानकारी देते हुए खुद को ' स्पेस प्लंबर' भी बताया था। साथ ही, उन्होंने यह भी जानकारी दी थी कि शुरू में लगा था कि मोटर में कुछ फंस गया है, लेकिन बाद में पता चला कि यह 'प्राइमिंग' की छोटी-सी तकनीकी दिक्कत थी, जिसे ठीक कर दिया और मिशन को आगे बढ़ाने के लिए तैयार किया गया।

बाजार में मिलने वाला आम स्वास्थ्य के लिए खतरनाक तो नहीं, ऐसे करें आसानी से पहचान

नई दिल्ली। गर्मियों के आते ही बाजार रंग-बिरंगे फलों से भर जाते हैं और आम इनमें सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र होता है। 'फलों का राजा' कहे जाने वाला यह फल अपनी मिठास और स्वाद के कारण हर उम्र के लोगों की पहली पसंद बन जाता है, हालांकि अगर सावधानी न बरती जाए तो यही आम आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार में बिकने वाले कई आम प्राकृतिक तरीके से नहीं, बल्कि केमिकल के जरिए जल्दी पकाए जाते हैं, जो शरीर पर गंभीर असर डाल सकते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, प्राकृतिक रूप से पके आमों में एक खास तरह की मीठी और ताजगी भरी खुशबू होती है, जो दूर से ही महसूस की जा सकती है। वहीं, केमिकल से पकाए गए आमों में यह प्राकृतिक सुगंध लगभग न के बराबर होती है। उनका रंग भी असामान्य रूप से एक जैसा चमकीला पीला होता है, जो देखने में आकर्षक जरूर लगता है, लेकिन यह उनकी असल गुणवत्ता को छुपा सकता है। वैज्ञानिक बताते हैं कि प्राकृतिक आम का रंग हल्का हरा और पीला मिला-जुला होता है और अंदर से पूरी तरह पका होता है, जबकि कृत्रिम रूप से पकाए गए आम अक्सर बाहर से पीले और अंदर से कच्चे रह जाते हैं। रिसर्च के अनुसार, आम को पानी में डालकर भी ये जांचा जा सकता है। प्राकृतिक रूप से पका आम भारी होता है और पानी में डूब जाता है, जबकि केमिकल से पका आम हल्का होता है और ऊपर तैर सकता है। इसके अलावा, ऐसे आम को खाने पर कई बार जीभ में जलन या गले में हल्की परेशानी महसूस होती है, जो इस बात का संकेत है कि उसमें रसायनों का इस्तेमाल हुआ है। आम को जल्दी पकाने के लिए अक्सर कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक रसायन का उपयोग किया जाता है। इससे एसिटिलीन नाम की गैस निकलती है, जो शरीर के लिए हानिकारक होती है। इसके अलावा, इसमें आर्सेनिक और फॉस्फोरस जैसे तत्व भी हो सकते हैं, जो लंबे समय तक शरीर में रहने पर गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसे आम खाने से पेट

मासिक धर्म से लेकर नाक से रक्तस्राव तक, बेहद गुणकारी हैं सदाबहार के पत्ते और फूल

नई दिल्ली। आयुर्वेद में कई शक्तिशाली और गुणकारी पौधों और फूलों के बारे में बताया गया है, जिनके उपयोग से कई बीमारियों का इलाज होता आया है। ऐसा ही दिखने में सुंदर और गुणकारी पौधा है सदाबहार का पौधा। अपने नाम की तरह इस खूबसूरत पौधे की पत्तियों से लेकर फूल भी औषधीय गुणों से भरपूर हैं, हालांकि इसके इस्तेमाल के तरीकों के बारे में कम ही लोग जानते हैं।

सदाबहार एक साधारण सा दिखने वाला पुष्प है पर आयुर्वेद में इसे रक्त, त्वचा और चयापचय से जुड़ा एक महत्वपूर्ण द्रव्य माना गया है। आयुर्वेद यह स्पष्ट करता है कि हर वनौषधि तभी औषधि बनती है, जब उसे सही द्रव्य, सही मात्रा और सही विधि के साथ अपनाया जाए। इसका स्वाद कड़वा होता है और इसे रक्त शुद्धि का सबसे आसान तरीका माना गया है। इसके पुष्प का सेवन रक्त की अशुद्धियों को कम करता है, जिससे आधी से ज्यादा शारीरिक रोग पहले ही खत्म हो जाते हैं।

आयुर्वेद में सदाबहार को कफ और पित्त नाशक माना गया है। अगर सही मात्रा में इसका सेवन किया जाए तो आसानी से त्रिदोषों को संतुलित किया जा सकता है। इसके पत्ते का चूर्ण और हल्दी की सहायता से घाव को जल्दी भरा जा सकता है। घाव को जल्दी ठीक करने, सूजन को कम करने और घाव की लालिमा को कम करने के लिए सहाबहार के पत्तों को पीसकर और हल्दी मिलाकर सीधा घाव पर लगाया जा सकता है, लेकिन यह सिर्फ छोटे घाव पर लगाएं। बड़े और पस पड़े घाव के लिए चिकित्सक की सलाह लें। महिलाओं में अक्सर अनियमित मासिक धर्म की परेशानी देखी जाती है और नियमित करने के लिए महिलाओं को हॉर्मोन पिल्स का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में सदाबहार के पत्तों को पानी में उबालकर पीने से गर्भाशय को मजबूती मिलती है और हॉर्मोन भी संतुलित रहते हैं। यह अधिक रक्तस्राव को भी नियंत्रित करता है।

गर्मियों में अक्सर नाक से खून आने की समस्या देखी जाती है। गर्मी में अधिक ताप की वजह से नाक से खून बहना शुरू हो जाता है। ऐसे में सदाबहार के फूल और अनार के फूलों का रस नाक में डालने से आराम मिलेगा। इन दोनों फूलों के रस की तासीर ठंडी होती है और रक्त को बहने से रोकती है। इसके अलावा अगर ततैया या कीट काट लेता है तो सूजन और दर्द से आराम पाने के लिए सहाबहार के पत्तों का लेप प्रभावित जगह पर लगाने से आराम मिलता है।

मानसिक स्वास्थ्य कैसे प्रभावित करता है जीवन? आयुर्वेद से जानिए संतुलन का सही तरीका

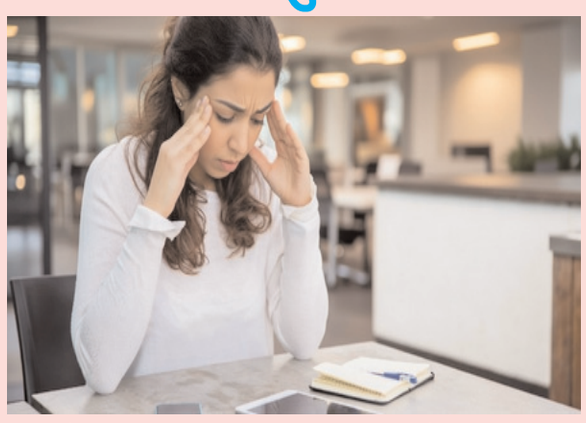

नई दिल्ली। मानसिक स्वास्थ्य को अक्सर हम उतनी गंभीरता से नहीं लेते जितना लेना चाहिए, जिसका सीधा असर हमारे सोचने, समझने, निर्णय लेने और यहां तक कि हमारे शरीर की सेहत पर भी पड़ता है। अगर मन शांत और संतुलित है, तो जीवन आसान लगता है लेकिन अगर मन तनाव, चिंता या नकारात्मक विचारों से भरा हो, तो छोटी-छोटी बातें भी बड़ी लगने लगती हैं। आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य को बहुत गहराई से समझाया गया है। इसके अनुसार मन सिर्फ विचारों का केंद्र नहीं है, बल्कि यह शरीर और आत्मा के बीच एक सेतु की तरह काम करता है। जब मन संतुलित रहता है, तो शरीर और आत्मा दोनों सही तरीके से काम करते हैं। वहीं, जब मन अस्थिर हो जाता है, तो उसका असर शरीर की सेहत और जीवन की गुणवत्ता दोनों पर पड़ता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता, गुस्सा और अवसाद जैसी समस्याएं बहुत आम हो गई हैं। लोग हर समय किसी न किसी दबाव में रहते हैं कभी काम का, कभी रिश्तों का, तो कभी भविष्य की चिंता का। यही मानसिक असंतुलन धीरे-धीरे शरीर में भी रोग पैदा करने लगता है, जैसे नींद न आना, सिरदर्द, थकान, पाचन की समस्या और यहां तक कि गंभीर बीमारियां भी।

आयुर्वेद के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने के लिए सबसे जरूरी दिनचर्या और जीवनशैली में सुधार है। अगर हम अपने रोजमर्रा के जीवन में थोड़ी नियमितता और अनुशासन लाएं, तो मन काफी हद तक शांत रह सकता है। समय पर सोना, समय पर उठना, संतुलित आहार लेना और शरीर को थोड़ा आराम देना बहुत जरूरी है।

इसके अलावा, आयुर्वेद में ध्यान (मेडिटेशन) और प्राणायाम को मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे प्रभावी उपाय माना गया है। जब हम गहरी सांस लेने की तकनीक अपनाते हैं, तो शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है और मन धीरे-धीरे शांत होने लगता है। ध्यान करने से विचारों की भागदौड़ कम होती है और व्यक्ति वर्तमान में जीना सीखता है।

आयुर्वेद यह भी कहता है कि प्रकृति के साथ जुड़ाव मानसिक शांति के लिए बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों के बीच समय बिताना, सुबह की ताजी हवा लेना और थोड़ी देर शांत वातावरण में बैठना मन को स्थिर करता है। आज के डिजिटल युग में जब हर तरफ शोर और स्क्रीन टाइम बढ़ गया है, ऐसे में प्रकृति से जुड़ना और भी जरूरी हो गया है। खान-पान का भी मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। बहुत ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या प्रोसेस्ड फूड मन को अस्थिर कर सकता है। आयुर्वेद में सात्त्विक भोजन को बहुत महत्व दिया गया है, जिसमें ताजे फल, सब्जियां, दूध और हल्का भोजन शामिल होता है। ऐसा भोजन मन को शांत और स्थिर रखने में मदद करता है। इसके साथ ही सकारात्मक सोच भी मानसिक स्वास्थ्य का एक बड़ा हिस्सा है।

दांतों को मजबूत बनाने में कारगर है तिल , रोजाना सेवन से मिलेगा फायदा

नई दिल्ली। आज के समय में दांतों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कम उम्र में ही लोगों को दांतों में दर्द, कमजोरी और मसूड़ों की परेशानी होने लगती है। इसकी सबसे बड़ी वजह शरीर में कैल्शियम की कमी मानी जाती है।

आमतौर पर लोग कैल्शियम के लिए दूध पर निर्भर रहते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि तिल दांतों को मजबूत बनाने में बेहद असरदार साबित हो सकता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व न सिर्फ दांतों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि शरीर को कई अन्य बीमारियों से भी बचाने में मदद करते हैं।

आयुर्वेद में तिल को पोषण का खजाना कहा जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो दांतों की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों को भी मजबूती मिलती है। इसके अलावा, तिल में मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यही कारण है कि आयुर्वेद में भी तिल को दांतों और हड्डियों के लिए बहुत लाभकारी माना गया है।

तिल में आयरन, मैग्नीशियम, जिंक और फाइबर जैसे कई जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। आयरन शरीर में खून की कमी को दूर करने में मदद करता है, जिससे एनीमिया जैसी समस्या से राहत मिलती है। वहीं, मैग्नीशियम हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ-साथ मांसपेशियों के सही काम करने में भी मदद करता है। जिंक इम्युनिटी को मजबूत करता है, जिससे शरीर बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनता है। दिल की सेहत के लिए भी तिल बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं और दिल को स्वस्थ बनाए रखते हैं। जो लोग हार्ट से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, उनके लिए तिल का सेवन लाभकारी साबित हो सकता है।

पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में भी तिल अहम भूमिका निभाता है। इसमें मौजूद फाइबर पेट को साफ रखने में मदद करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। नियमित रूप से तिल के सेवन से डाइजेशन बेहतर होता है और पेट से जुड़ी कई परेशानियां दूर रहती हैं। इसके अलावा, तिल त्वचा और बालों को भी स्वस्थ रखता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा में निखार और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी तिल का इस्तेमाल किया जाता है।

गर्भावस्था में स्ट्रेच मार्क्स? आयुर्वेद से जानिए बचाव के उपाय

नई दिल्ली। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। इन्हीं में से एक आम समस्या है स्ट्रेच मार्क्स, जिसे स्ट्राई ग्रेविडेरम भी कहा जाता है। यह पेट, जांघों, कूल्हों और कभी-कभी स्तनों के आसपास दिखाई देने वाली हल्की या गहरी लकीरों के रूप में होते हैं। ये भले ही पूरी तरह से नुकसानदायक नहीं होते, लेकिन कई महिलाओं के लिए यह चिंता और असहजता का कारण बन जाते हैं।

असल में गर्भावस्था के दौरान जैसे-जैसे पेट बढ़ता है, त्वचा तेजी से खिंचती है। जब त्वचा की अंदरूनी परतें इस खिंचाव को पूरी तरह संभाल नहीं पातीं, तो वहां छोटे-छोटे निशान बन जाते हैं, जिन्हें स्ट्रेच मार्क्स कहते हैं। शुरुआत में ये गुलाबी या लाल रंग के होते हैं, लेकिन समय के साथ हल्के सफेद रंग के हो जाते हैं।

आयुर्वेद में माना जाता है कि अगर त्वचा को अंदर से पोषण और बाहर से सही देखभाल मिले, तो इन निशानों को काफी हद तक कम किया जा सकता है या उनकी तीव्रता को रोका जा सकता है। इसके लिए प्राकृतिक तेल और जड़ी-बूटियों का उपयोग बहुत फायदेमंद बताया गया है।

आयुर्वेदिक उपायों में चंदन, वेटिवर (उशीर) और तुलसी जैसी औषधियों का विशेष महत्व है। इनका लेप बनाकर हल्के तेल के साथ पेट पर नियमित रूप से लगाने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि इससे त्वचा मुलायम बनी रहती है और खिंचाव के कारण होने वाली खुजली और जलन में भी आराम मिलता है। खासकर गर्भावस्था के चौथे महीने से इस तरह की देखभाल शुरू करने की सलाह दी जाती है और इसे पूरे गर्भकाल तक जारी रखने से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

इसके अलावा, करंज के पत्तों से तैयार तेल या लेप भी त्वचा की लोच बनाए रखने में मददगार माना जाता है। यह त्वचा को पोषण देता है और सूखापन कम करता है, जिससे स्ट्रेच मार्क्स बनने की संभावना कुछ हद तक घट जाती है।

आयुर्वेद में यह भी कहा गया है कि गर्भावस्था में खुजली होने पर त्वचा को खुजलाना नहीं चाहिए। कई बार लोग अनजाने में त्वचा को रगड़ देते हैं, जिससे स्ट्रेच मार्क्स और ज्यादा बढ़ सकते हैं। हल्की खुजली के लिए प्राकृतिक तेल या डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर होता है।

साथ ही, संतुलित आहार भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर को पर्याप्त पानी, फल, हरी सब्जियां और पोषक तत्व मिलेंगे तो त्वचा अंदर से मजबूत बनी रहती है। इससे भी स्ट्रेच मार्क्स की संभावना कम हो सकती है। हालांकि यह भी समझना जरूरी है कि स्ट्रेच मार्क्स पूरी तरह से रोकना हमेशा संभव नहीं होता, क्योंकि यह शरीर के प्राकृतिक बदलाव का हिस्सा हैं। लेकिन सही देखभाल, नियमित तेल मालिश और आयुर्वेदिक उपायों से इन्हें काफी हद तक कम किया जा सकता है और त्वचा को स्वस्थ बनाए रखा जा सकता है।

गर्मियों की एनर्जी ड्रिंक गन्ने का रस : सेहत के लिए रामबाण, इम्युनिटी बढ़ाने में कारगर

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में जब तेज धूप और गर्मी से शरीर थकान महसूस करता है, तब गन्ने का रस सबसे अच्छा प्राकृतिक पेय साबित होता है। औषधीय गुणों से भरपूर ये ठंडा रस शरीर को न केवल तुरंत एनर्जी देता है, बल्कि सेहत का भी ध्यान रखता है।

आयुर्वेद में गन्ने के रस को सदियों से विभिन्न बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल किया जा रहा है। गन्ने का रस शरीर को तरोताजा करने के साथ-साथ आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। यह लिवर की कार्यक्षमता बढ़ाता है, पाचन तंत्र को सुधारता है और पीलिया जैसी बीमारी में राहत पहुंचाता है।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, गन्ने का रस एक नेचुरल डिटॉक्स ड्रिंक है जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। यह क्षारीय पेय होने के कारण इम्युनिटी बढ़ाने और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने में भी सहायक है।

गन्ने के रस से सिर्फ चीनी ही नहीं, बल्कि गुड़, शीरा जैसे कई उपयोगी उत्पाद भी बनते हैं। आयुर्वेद में गन्ने के रस को मूत्रवर्धक, शीतलक, रेचक और टॉनिक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। यह पेशाब में जलन, पेशाब न आने की समस्या और रक्तस्राव में भी राहत देता है। यूनानी चिकित्सा में इसे पीलिया के मरीजों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद माना जाता है। आधुनिक अध्ययनों में भी गन्ने में सूजन-रोधी, दर्द निवारक और लिवर की रक्षा करने वाले गुण पाए गए हैं।

गर्मियों में गन्ने का रस पीने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है और गर्मी से होने वाली थकान दूर होती है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स तनाव कम करने में मददगार है।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि गन्ने का ताजा और शुद्ध रस ही पीना चाहिए। बाजार में मिलने वाले मिलावटी रस से बचें। गन्ने का रस नींबू या अदरक के साथ मिलाकर पीने से इसके फायदे और बढ़ जाते हैं। गन्ना न सिर्फ मीठा पेय है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए एक प्राकृतिक औषधि भी है। गर्मी के मौसम में नियमित रूप से इसके रस का सेवन करने से शरीर स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहता है। हालांकि, डायबिटीज के मरीजों को सावधानी बरतनी चाहिए।

यह मौके गंवाने का दिन था, बीजेके कप में इंडोनेशिया से हार के बाद बोले भारतीय कोच विशाल उप्पल

नई दिल्ली। भारत की बिली जीन किंग कप एशिया/ओशिनिया ग्रुप आई में उम्मीदों को बड़ा झटका लगा, जब टीम को अपने दूसरे मुकाबले में इंडोनेशिया के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला दिल्ली स्थित डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में खेला गया, जहां टीम कई मौकों के बावजूद मैच अपने नाम नहीं कर सकी।

मुख्य कोच विशाल उप्पल ने इस हार को 'मौके गंवाने का दिन' का दिन करार देते हुए कहा कि टीम ने कई अहम पलों को भुनाने में चूक की, जिसकी कीमत उन्हें पूरे मुकाबले में चुकानी पड़ी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैच से पहले हुए अंतिम समय के शेड्यूल बदलाव—जिसमें मंगोलिया की जगह इंडोनेशिया से खेलना पड़ा—का टीम की तैयारी पर कोई खास असर नहीं पड़ा।

उप्पल ने कहा कि टीम को पहले एकल मैच में बढ़त लेने के कई अवसर मिले थे, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। पहले मैच में भारत की खिलाड़ी वैष्णवी अदकर ने कड़ा संघर्ष किया, लेकिन वे तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में हार गईं। यह मैच 7-6(3), 6-7(3), 6-3 के अंतर से इंडोनेशिया की प्रिस्का मैडलिन नुग्रोहो

के नाम रहा।

इसके बाद दूसरे एकल में सहजा यमलापल्ली को भी कठिन चुनौती का सामना करना पड़ा। इंडोनेशिया की जेनिस त्जेन ने अपने अनुभव और रैंकिंग का फायदा उठाते हुए 6-2, 6-1 से आसान जीत दर्ज की और मुकाबला भारत के हाथ से लगभग निकाल दिया।

डबल्स मुकाबले में भी भारत की जोड़ी रुतुजा भोसले और अंकिता रैना को कड़े संघर्ष के बाद हार झेलनी पड़ी। खासकर दूसरे सेट में सेट पॉइंट्स गंवाने का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा।

कोच उप्पल ने कहा कि टॉप लेवल पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है, क्योंकि कुछ गलतियां मैच का रुख बदल देती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह हार निराशाजनक जरूर है, लेकिन सीखने का महत्वपूर्ण अवसर भी है।

उन्होंने यह भी कहा कि टीम को अब आगे के मैचों पर ध्यान केंद्रित करना होगा, खासकर मजबूत प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर। वर्तमान स्थिति में इंडोनेशिया और कोरिया दोनों ने मजबूत बढ़त बना ली है, जिससे भारत के लिए क्वालिफिकेशन की राह मुश्किल हो गई है।

उप्पल ने कहा कि हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। टीम का लक्ष्य सिर्फ परिणाम नहीं, बल्कि खिलाड़ियों का विकास भी है। युवा खिलाड़ियों को यह समझना जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर अंक के लिए मानसिक मजबूती चाहिए।

भारत अब अपना अगला मुकाबला मंगोलिया के खिलाफ खेलेगा, जिसके बाद कोरिया के खिलाफ एक निर्णायक मैच होगा। छह टीमों के इस राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में भारत की आगे की राह अब उनके प्रदर्शन और

आईपीएल 2026: वैभव-जुरेल ने खेली धमाकेदार पारी, आरआर ने आरसीबी को 6 विकेट से हराया

गुवाहाटी। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार को बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से हराया। आरआर की ओर से वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने धमाकेदार पारी खेली।

202 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 8 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 37 गेंदों में 108 रनों की लाजवाब साझेदारी निभाई। वैभव ने सिर्फ 26 गेंदों का सामना करते हुए 78 रनों की धमाकेदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 300 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 8 चौके और 7 छक्के लगाए।

हालांकि, शिमरोन हेटमायर फ्लॉप रहे और वह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। कप्तान रियान पराग भी सिर्फ 3 रन ही बना सके। जुरेल एक छोर पर खड़े रहे और उन्होंने 43 गेंदों में 81 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में जुरेल ने 8 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं, रवींद्र जडेजा ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 24 रनों की नाबाद पारी खेली। जुरेल और जडेजा ने पांचवें विकेट के लिए 50 गेंदों में 68 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। गेंदबाजी में जोश हेजलवुड और क्रुणाल पांड्या ने दो-दो विकेट निकाले।

इससे पहले, आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 201 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और फिल साल्ट बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। देवदत्त पडिक्कल भी 7 गेंदों में 14 रन बनाने के बाद जोफ्रा आर्चर का शिकार बने। विराट कोहली ने 16 गेंदों में 32 रनों का योगदान दिया। क्रुणाल पांड्या सिर्फ एक रन ही बना सके, तो जितेश शर्मा को 5 रनों के स्कोर पर बृजेश शर्मा ने चलता किया। टिम डेविड भी फ्लॉप रहे और वह 9 गेंदों में 13 रन ही बना पाए।

हालांकि, कप्तान रजत पाटीदार ने एक छोर संभाले रखा और 40 गेंदों में 63 रनों की दमदार पारी खेली। रोमारियो शेफर्ड ने 11 गेंदों में 22 रन बनाए। वहीं, अंत के ओवरों में वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में नाबाद 29 रन बनाए, जबकि भुवनेश्वर कुमार 9 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई और बृजेश शर्मा ने दो-दो विकेट चटकाए। संदीप शर्मा और जडेजा ने एक-एक विकेट निकाला। यह राजस्थान रॉयल्स की इस सीजन में लगातार चौथी जीत है, जबकि आईपीएल 2026 में आरसीबी को पहली हार का मुंह देखना पड़ा है।ह्यह्य

हर दिन 100 से 150 छक्के लगाने का अभ्यास: मुकुल चौधरी

कोलकाता। आईपीएल 2026 में गुरुवार को ईडन गार्डेन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच हुए मुकाबले के बाद क्रिकेट फैंस की जुबान पर सिर्फ एक ही नाम है। वह नाम मुकुल चौधरी का है।

मुकुल चौधरी ने केकेआर के पक्ष में जा चुके मैच को अपनी असाधारण पारी से एलएसजी की झोली में डाल दिया। मुकुल ने 27 गेंदों पर नाबाद 54 रनों की पारी खेली, जिसमें 7 बेहतरीन छक्के शामिल थे। मुकुल के लगाए छक्कों और मैच को फिनिश करने की उनकी क्षमता ने लोगों को पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी की याद दिला दी। एमएस धोनी को ही अपना आदर्श मानने वाले मुकुल चौधरी ने उनका लोकप्रिय हेलीकॉप्टर शॉट भी लगाया। मैच के बाद अपने छक्के लगाने की क्षमता मुकुल चौधरी ने कहा, 'मेरा शरीर थोड़ा ताकतवर है, और यह मुझमें नैचुरली आ गया है। मैं हर दिन 100-150 छक्के मारने का अभ्यास करता हूं, इसलिए अगर आप ऐसा करते रहें तो बैट की गति बढ़ती है। मैं पिछले पांच-छह महीनों से बहुत अभ्यास कर रहा हूं, इसलिए यह मेरे गेम में आ गया है। हेलीकॉप्टर शॉट पर मुकुल ने कहा, 'मैंने बचपन से ही उस शॉट का अभ्यास किया है। मुझे हमेशा वह पसंद था, और जिस तरह से धोनी पारी खत्म करते थे। वह यॉर्कर पर भी छक्का मारते थे। अगर आप उस तरह की गेंद पर भी छक्का मारते हैं, तो गेंदबाज कुछ अलग करने के बारे में सोचता है। चौधरी की पारी से एलएसजी के कोच जस्टिन लैंगर काफी खुश नजर आए। लैंगर ने कहा, 'उन्हें विश्वास है कि चौधरी और भी ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं। वह बहुत युवा है, और उनकी आंखों में वह चमक है। वह भूखा है। जब आप पहली बार आते हैं, तो आप बहुत मेहनत करते हैं, और उसकी जिंदगी और उसके करियर का एक बहुत बड़ा पल साबित होगा। लैंगर ने कुछ समय पूर्व कहा था कि वह चौधरी को चार महीने में भारत का सबसे डरावना नंबर 6 या नंबर 7 का बल्लेबाज बना सकते हैं।

यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में फ्रीबर्ग ने सेल्टा विगो को 3-0 से हराया

फ्रीबर्ग इम ब्रेइसगाऊ। एससी फ्रीबर्ग ने यूईएफए यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेल्टा विगो को 3-0 से हरा दिया। जर्मनी के फ्रीबर्ग इम ब्रेइसगाऊ में खेले गए इस मुकाबले में घरेलू टीम ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा।क्लब के इतिहास में पहली बार यूरोपियन क्वार्टरफाइनल खेल रही फ्रीबर्ग ने मैच के शुरुआती मिनटों से ही आक्रामक रुख अपनाया। इसका फायदा उन्हें 10वें मिनट में मिला, जब कप्तान विन्सेन्जो ग्रिफो ने बॉक्स के किनारे से शानदार शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। उनका शॉट डिफ्लेक्ट होकर गोल में गया, जिससे गोलकीपर के पास कोई मौका नहीं बचा। पहला गोल करने के बाद भी फ्रीबर्ग ने रक्षात्मक रवैया नहीं अपनाया और लगातार आक्रमण जारी रखा। उनकी काउंटर-प्रेसिंग रणनीति ने सेल्टा विगो को संभलने का मौका नहीं दिया। 32वें मिनट में इगोर मटानोविक की सूझबूझ भरी पासिंग से निकोलस बेस्टे ने आसान गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे हाफ में भी मैच का नियंत्रण फ्रीबर्ग के पास ही रहा। हालांकि सेल्टा विगो ने कुछ बदलाव किए, लेकिन वे खेल की दिशा बदलने में सफल नहीं हो सके। 70वें मिनट में बोर्जा इग्लेसियस ने एक मौका जरूर बनाया, लेकिन उनका शॉट गोल में तब्दील नहीं हो सका।

फ्रीबर्ग ने तीसरा गोल कॉर्नर किक से किया। बेस्टे की गेंद पर मैथियास गिंटर ने शानदार हेडर लगाकर टीम की बढ़त 3-0 कर दी। इसके बाद भी दोनों टीमों को कुछ मौके मिले, लेकिन कोई और गोल नहीं हो सका। मैच के बाद ग्रिफो ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी टीम ने बेहद परिपक्व और साहसी खेल दिखाया। उन्होंने माना कि 3-0 की बढ़त महत्वपूर्ण है, क्योंकि अगले लेग में स्पेन में खेलना आसान नहीं होगा। इस जीत के साथ फ्रीबर्ग ने सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है, जबकि सेल्टा विगो को वापसी के लिए दूसरे लेग में असाधारण प्रदर्शन करना होगा।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष शेट्टी ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक सुनिश्चित किया

निंगबो। भारतीय शटलर आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को यहां निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में इंडोनेशिया के दुनिया के नंबर 4 जोनाथन क्रिस्टी को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ आयुष ने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया।

आयुष ने जोनाथन क्रिस्टी पर 23-21, 21-17 से जीत दर्ज की और 2018 में एचएस प्रणय के बाद कॉन्टिनेंटल मीट में पदक पक्का करने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए। क्रिस्टी पर आयुष की यह पहली जीत थी।

शुरुआती गेम में कड़ा मुकाबला हुआ, क्योंकि कोई भी खिलाड़ी क्रिस्टी को ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त के साथ नहीं तोड़ पाया। दोबारा शुरू होने पर, इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने गेम पर नियंत्रण किया और अपनी बढ़त को 18-15 तक बढ़ा लिया, साथ ही एक गेम पॉइंट भी हासिल

किया। आयुष ने वापसी करते हुए मुकाबले को टाई-ब्रेक में पहुंचा दिया।

दूसरे गेम में भी उतना ही कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ी मध्य तक 11-9 की मामूली बढ़त के साथ था। इसके बाद आयुष ने मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत करते हुए जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली।

यह 2023 में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पुरुष डबल्स स्वर्ण के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक भी होगा।

सेमीफाइनल में, आयुष का मुकाबला पेरिस ओलंपिक 2024 के रजत पदक विजेता थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसार्न और वेंग होंगयांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

इससे पहले टूर्नामेंट में, आयुष ने पहले राउंड में दुनिया के नंबर 7 और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन ली शि फेंग को हराया था, फिर चीनी ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु का कैंपेन दूसरे राउंड में खत्म हो गया, जबकि लक्ष्य सेन पहले राउंड में ही बाहर हो गए थे।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के प्रतिनिधिमंडल ने तैयारी देखने के लिए अहमदाबाद में 'वीबीएफ' का दौरा किया

अहमदाबाद। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की निदेशक, एन लुईस मॉर्गन, तकनीकी सलाहकार नील कार्नी के साथ, कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 से पहले अहमदाबाद के विजयी भारत फाउंडेशन (वीबीएफ) में सुविधाओं का दौरा करने और केंद्र के कामकाज को समझने के लिए गए। मॉर्गन और कार्नी उस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं जो अभी 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुजरात दौरे पर है। यह शहर को आधिकारिक तौर पर शताब्दी गेम्स का मेजबान घोषित किए जाने के बाद से उनका पहला कार्यक्रम है। प्रतिनिधिमंडल ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ एक शिष्टाचार मुलाकात के साथ अपने कार्यक्रम की शुरुआत की। ओलंपिक मेडलिस्ट गगन नारंग और वीबीएफ के निदेशक दुर्गेश अग्रवाल और दिलीप ठाकर के साथ, दोनों ने वीबीएफ कैंपस का दौरा किया, जिसमें इसका हाई-परफॉर्मेंस सेंटर और विभिन्न फील्ड ऑफ प्लेज शामिल थे। उन्होंने वीबीएफ के जमीनी स्तर पर शुरू किए गए इनिशिएटिव - खेले सानंद के जरिए खेल के विकास में योगदान और खासकर वीबीएफ के हाई-परफॉर्मेंस कार्यक्रम में लिंग साम्यता के लिए भी तारीफ की, जिससे अच्छी संख्या में युवा महिला एथलीटों को सपोर्ट करने की कोशिशें की जा रही हैं। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल अभी अहमदाबाद के इंफ्रास्ट्रक्चर को समझने, टाइमलाइन प्लान करने और वेन्यू की उपयुक्तता को करने के लिए भारत में है। यह यात्रा मेजबान देश और अथॉरिटीज के साथ शुरुआती सहयोग की कोशिशों के तहत रिव्यू प्रकिया का हिस्सा है।

इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओसी) के अधिकारियों के साथ पांच सदस्यों वाली टीम 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक राज्य में है। इस दौरे के दौरान, प्रतिनिधिमंडल मेजबानी वाले क्षेत्रों में प्रस्तावित वेन्यूज का इंस्पेक्शन करेगा, जिसमें नरेंद्र मोदी स्टेडियम, ईकेए एरिना, अहमदाबाद में वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, वडोदरा क्रिकेट स्टेडियम और एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसी फैसिलिटीज शामिल हैं, ताकि तैयारी और योजना

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय, टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई-परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, 'हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्यक्रम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में

उनकी सफलता। हमारा मानना है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'टिम की नियुक्ति हमारी जूनियर टीमों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने के हमारे लक्ष्य से मेल खाती है। जूनियर से सीनियर हॉकी में बदलाव एक अहम दौर है, और हमें विश्वास है कि टिम के निर्देशन में हमारे युवा एथलीट सबसे ऊंचे लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी तकनीकी परिपक्वता हासिल करेंगे।

व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, 'हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद, मैं देश के जबरदस्त पैशन और समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं। ऐसे एथलीट्स के साथ फुल-टाइम काम करने का मौका मिलना एक विशेषाधिकार की तरह है। मेरा लक्ष्य तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ियों को तैयार करना है जो गैप को भरने और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार हों। टीम के प्रति अपने विजन के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं गेम को सिंपल रखना चाहता हूं और सामूहिक साथ ही व्यक्तिगत मजबूती पर फोकस करना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनना होगा जो आक्रामक हॉकी को अहमियत दे लेकिन अपने रक्षात्मक खेल में भी अनुशासित रहे। यह जरूरी है कि हम पूरे 60 मिनट तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करें। 'टीम-फर्स्ट' की अवधारणा को आगे रखते हुए हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे।

अनूप श्रीधर: पहले खिलाड़ी और अब कोच के रूप में बढ़ा रहे देश का मान

नई दिल्ली। अनूप श्रीधर का नाम भारतीय बैडमिंटन के शीर्ष एकल खिलाड़ियों में लिया जाता है। लंबे और सफल करियर के बाद श्रीधर अब कोचिंग के क्षेत्र में हाथ आजमा रहे हैं।

अनूप श्रीधर का जन्म 11 अप्रैल 1983 को बेंगलुरु में हुआ था। श्रीधर ने बैडमिंटन के गुर मशहूर खिलाड़ी और कोच प्रकाश पादुकोण से सीखे। इसके अलावा विमल कुमार से भी उन्होंने प्रशिक्षण लिया है।

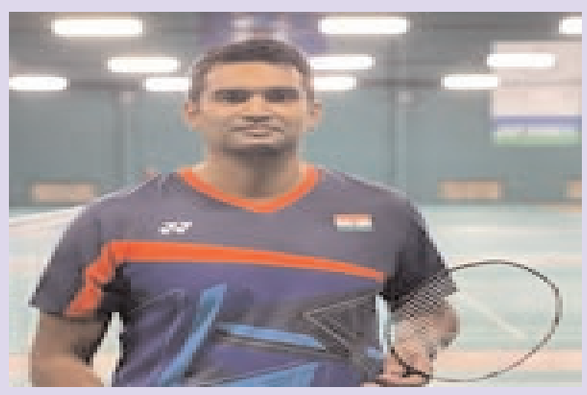

श्रीधर ने 2000 के दशक की शुरुआत में भारत के प्रमुख एकल खिलाड़ियों में अपनी पहचान बनाई। श्रीधर ने 2006 में मेलबर्न में मिश्रित टीम के साथ कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा, 2007 में मलेशिया में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2008 के बीजिंग ओलंपिक्स में हिस्सा लेकर भारतीय बैडमिंटन के इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उस दौर में भारत के लिए ओलंपिक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना बड़ी उपलब्धि माना जाता था।

उनकी सबसे बड़ी और लोकप्रिय जीत 2004 एथेंस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले और 2005 के विश्व चैंपियन दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी इंडोनेशिया के तौफिक हिदायत के खिलाफ मानी जाती है।

श्रीधर ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड रैंकिंग (24) जनवरी 2010 में हासिल की थी। 1.89 मीटर लंबा यह खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में अपने दमदार स्मैश के लिए भी काफी लोकप्रिय रहा।

बैडमिंटन में श्रीधर के योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें 2008 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया था।

अनूप श्रीधर ने बैडमिंटन से संन्यास के बाद कोचिंग के क्षेत्र में कदम रखा है। उन्होंने अनूप श्रीधर बैडमिंटन एकेडमी की स्थापना की है। यह एकेडमी युवा खिलाड़ियों को बुनियादी तकनीक, फुटवर्क और मानसिक मजबूती सिखाने पर केंद्रित है। अनूप श्रीधर की क्षमता को देखते हुए 2025 में उन्हें सिंगापुर राष्ट्रीय बैडमिंटन टीम के एकल कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनके नेतृत्व में टीम ने दक्षिण-पूर्व एशियाई खेलों में पदक जीता। जनवरी 2026 में उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया और भारत लौट आए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415